जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 19 संख्याः 230 प्रभात जालोर, मंगलवार 26 नवम्बर, 2024 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

15 साल राज किया, पर 15 सीटों पर सिमटी कांग्रेस महाराष्ट्र में

क्या राहुल गाँधी कांग्रेस को चुनाव जिताने में असक्षम एवं असफल साबित हो गए हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। क्या राहुल गांधी कांग्रेस को एक ऐसी सुसंगत, एकजुट तथा चुनाव जीतने वाली पार्टी का रुप देने में असफल हो गये हैं, जिसकी संगठनात्मक जड़ें गहरी हों तथा जिसकी विभिन्न कमेटियों में ऐसे नेता हों, जो सत्यनिष्ठा के साथ काम कर सकते हों?

महाराष्ट्र में कांग्रेस की जबरदस्त पराजय बता रही है कि सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है। महाराष्ट्र में 15 साल कांग्रेस का शासन रहा और 288 सदस्यों वाली विधानसभा में उसके पास केवल 15 सीट हैं।

राहुल गांधी विभिन्न राज्यों में कार्यालय प्रभारी नियुक्त करने में एक चुनाव-जिताऊ तन्त्र बनाने में तथा निष्ठा से काम करने वाले नेताओं को आगे लाने में असमर्थ रहे हैं।

उनकी समस्या यह है कि उनके पास ऐसे चन्द गिने-चुने नेता हैं, जिन पर वे भरोसा करते हैं, जिन पर उन्हें विश्वास है और उन्होंने उन नेताओं को निर्णय लेने की नियुक्तियाँ करने की, रणनीति तय करने की तथा अपने हिसाब से पार्टी चलाने की छूट दे रखी है।

इनमें सबसे पहले आते हैं, के.सी. वेणुगोपाल, जो राहुल के दाहिने हाथ हैं तथा जो सारे महत्वपूर्ण निर्णय लेते हैं तथा नियुक्तियाँ करते हैं।

- कमज़ोर संगठन और ईमानदारी के साथ पार्टी के लिए काम करने वाले नेताओं के संकट से जूझ रही पार्टी में अधिकांश राज्यों में संगठन के प्रमुख पद खाली पड़े हैं।
- असल में राहुल कुछ ही नेताओं पर भरोसा करते हैं और ये नेता अपनी मर्जी से राहुल को चलाते हैं। इनमें सबसे पहला नाम है के.सी. वेणुगोपाल का, जो राहुल के दाएं हाथ माने जाते हैं।
- लेकिन अब वेणुगोपाल की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। प्रियंका गांधी के रूप में पार्टी में नया पावर सैंटर उभर रहा है और वेणुगोपाल को अब अगर अपना पद बचाना है तो प्रियंका को भी प्रसन्न रखना होगा।
- वर्ष 2019 के बाद से कांग्रेस ने कई चुनाव हारे हैं पर किसी ने भी हार से कोई सबक नहीं सीखा। हार के लिए किसी की भी जिम्मेवारी तय नहीं की जाती है। जिन नेताओं के नेतृत्व में पार्टी को राज्यों में शर्मनाक हार मिली वे आज भी संगठन में महत्वपूर्ण बने हुए हैं, शायद यही कारण है कि एक हार के बाद पार्टी अगली हार की ओर बढ़ जाती है।

वे वायनाड में प्रियंका गांधी के पीछे लगे रहने पर इतना ध्यान दे रहे थे, मानों उन्हें प्रियंका को अपनी प्रति पूरी तरह अनुकूल बनाये रखना हो, क्योंकि वे कांग्रेस में सत्ता के एक बड़े केन्द्र के रूप में उभरने ही वाली हैं। अगर वेणुगोपाल अपने पद को बनाये रखना चाहते हैं, तो अब उनको प्रियंका गांधी के इर्द-गिर्द चक्कर लगाते ही रहने होंगे।

वेणुगोपाल का ध्यान महाराष्ट्र या झारखंड के चुनावों की तरफ बिलकुल भी नहीं था।

हरियाणा में मिली अप्रत्याशित हार के बाद, कांग्रेस वहाँ से कोई सबक सीखने में असफल रही। कोई जिम्मेदारी तय नहीं की गई, कोई आत्म-निरीक्षण नहीं किया गया, और अब पार्टी को महाराष्ट्र के नतीजों का सामना करना है। नाना पटोले ने अपने इस्तीफे की पेशकश की, लेकिन समझा जाता है कि उनसे कह दिया गया बताते हैं कि वे एक नई समस्या पैदा नहीं करें, क्योंकि फिर अन्य लोगों पर भी जिम्मेदारी तय करनी पड़ेगी।

एक मीटिंग में, राहुल गांधी के चन्द गिने-चुने नवरत्नों ने उन्हें विश्वास दिलाया कि ई.वी.एम. हैक नहीं की जा सकतीं। इनमें से कई नेता, वरिष्ठ भाजपा नेताओं के सम्पर्क में माने जाते हैं क्योंकि उन्हें उनके खिलाफ केस बनाये जाने का डर है या फिर कुछ अन्य कारण हैं।

पार्टी में यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या समय आ गया है कि राहुल गांधी कांग्रेस अध्यक्ष बनने का निर्णय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अडानी और मणिपुर की भेंट चढ़ा शीतकालीन सत्र का पहला दिन

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 25 नवंबर। संसद के शीत सत्र के पहले ही दिन लोकसभा तथा राज्यसभा, दोनों को व्यवधान का सामना करना पड़ा क्योंकि, विपक्षी दल के नेता अडानी रिश्वत केस तथा मणिपुर हिंसा पर अविलंब चर्चा की मांग करते रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने, सदन की कार्यवाही में व्यवधान डालने के, विपक्ष के प्रयास की आलोचना की। संसद की कार्यवाही अब बुधवार को फिर शुरू होगीं, क्योंकि, मंगलवार को दोनों सदनों में संविधान के 75 वर्षों का जश्न मनाया जाएगा।

विपक्षी दल इस मुद्दे पर एकजुट हैं कि अडानी पर रिश्वत आरोपों की जवाबदेही सरकार की है, जबकि, शीत सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री की टिप्पणियां, सरकार और विपक्ष के बीच बढ़ते तनाव को दर्शाती हैं।

- पहले दिन ही लोकसभा पूरे दिन के लिए स्थगित, अब बुधवार को पुनः काम शुरू होगा।

लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने आज लगभग एक घंटे के लिए, दोपहर 12 बजे तक सदन को स्थगित कर दिया और बाद में 12 बजे जब सदन की कार्यवाही पुनः शुरू हुई तो, पीठासीन अधिकारी संध्या रे ने उनके तुरंत बाद लोकसभा को बुधवार तक के लिए स्थगित कर दिया। कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों ने धरना प्रदर्शन करके अडानी के विरूद्ध रिश्वत के आरोपों मामलों और मणिपुर हिंसा पर चर्चा की मांग की।

गत सप्ताह, विश्व के सबसे अमीर व्यक्तियों में से एक, गौतम अडानी व सात अन्य पर अमेरिका के सरकारी वकीलों ने दोषारोपण किया था। इन लोगों पर आरोप था कि, सोलर पावर सप्लाई कांट्रैक्ट हासिल करने के लिए इन्होंने कई राज्यों के भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दी। अडानी ग्रुप ने इन आरोपों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमित शाह देवेन्द्र फड़नवीस को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं

अमित शाह ने देवेन्द्र फड़नवीस, एकनाथ शिंदे और अजीत पवार से मीटिंग कर फॉर्मूला तय किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। भाजपा नेता देवेन्द्र फड़नवीस, जो जाति से ब्राह्मण हैं, तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बन सकते हैं। आधे कार्यकाल अर्थात ढाई साल बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी एकनाथ शिंदे को मिलेगी। शिंदे और पवार उपमुख्यमंत्री बनेंगे।

यह फॉर्मूला केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने तीनों नेताओं से मुलाकात करने के बाद निकाला है। सूत्रों का कहना है कि शिंदे मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने को तैयार नहीं थे पर जब शाह ने उनसे वादा किया कि आधे कार्यकाल के बाद उन्हें मुख्यमंत्री बना दिया जाएगा और अगले चुनाव के समय वे ही मुख्यमंत्री होंगे तब जाकर एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री पद पर अपना दावा छोड़ने के लिए माने। नई सरकार संभवतया मंगलवार को शपथ लेगी।

महायुति सरकार की नई व्यवस्था में शिंदे सेना के 12 मंत्री होंगे और एन.सी.पी. के दस।

शुरु के ढाई साल तक देवेन्द्र फड़नवीस मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालेंगे और चर्चा है कि ढाई साल बाद जब फड़नवीस मुख्यमंत्री के पद से त्यागपत्र दे देंगे तब उन्हें भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है। तब तक केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर कार्यकाल में एक बार फिर विस्तार दिया जा सकता है।

- नए फार्मूला के तहत, शुरू के ढाई साल देवेन्द्र फड़नवीस मुख्यमंत्री बनेंगे और बाद के ढाई साल एकनाथ शिंदे।
- शिंदे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर दावेदारी छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे पर अंततः शाह के समझाने पर वे मान गए।
- नई व्यवस्था में शिंदे और अजीत पवार को उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा तथा शिंदे गुट के 12 और एन.सी.पी. के 10 मंत्री होंगे।
- सूत्रों ने बताया कि ढाई साल बाद जब फड़नवीस महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री पद छोड़ेंगे तो उन्हें भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है।

खुली जेल में सैटेलाइट अस्पताल के निर्माण पर कोर्ट कमिश्नर नियुक्त

जयपुर, 25 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने सांगानेर स्थित देश की पहली खुली जेल में राज्य सरकार की ओर से 300 बैड्स के सेटेलाइट हॉस्पिटल बनाए जाने के मुद्दे पर जनकल्याण व खुली जेल की व्यवस्था को संरक्षित रखते हुए, हॉस्पिटल बनाने की मंशा जताई है। इसके साथ ही, अदालत ने खुली जेल परिसर के मौका-मुआयना के लिए कोर्ट कमिश्नर नियुक्त कर उससे चरणबद्ध योजना व रिपोर्ट देने के लिए कहा है। अदालत ने कोर्ट कमिश्नर की रिपोर्ट आने तक आगामी सुनवाई स्थगित रखी है। जस्टिस बी.आर. गवई व के.वी. विश्वनाथन की खंडपीठ ने यह आदेश प्रसून गोस्वामी की अवमानना याचिका पर दिया। अदालत ने राज्य सरकार को यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि निर्माण कार्य में खुली जेल की सुविधाएं भी संरक्षित रहें। वहीं, निर्माण से पहले जेल में रहने

- सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त कमिश्नर जाँच करेगा कि खुली जेल की सुविधाएं संरक्षित रहें।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

झारखंड की नई विधानसभा में 71 करोड़पति विधायक

करोड़पति विधायकों की संख्या 2014 में 41 और 2019 में 56 थी

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। एक चीज़ ऐसी है जो पूरे देश में सभी राजनीतिक दलों को एक सूत्र में बांधती है: चुनावों में करोड़पतियों की संख्या उदाहरण के लिए झारखंड में चयनित करोड़पतियों की संख्या 2014 में 41 थी जो कि 2019 में बढ़कर 56 हो गई। ये आंकड़े, झारखंड इलैक्शन वॉच एण्ड द एसोसिएशन ऑफ डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने जारी किए हैं। हाल ही में सम्पन्न हुए चुनावों में भी यही ट्रेंड देखा गया और इस बार नवनिर्वाचित विधायकों में से 89 प्रतिशत विधायकों की संपत्ति करोड़ों की है। दूसरे शब्दों में, नवनिर्वाचित विधायकों में से 71 विधायक करोड़पति पाए ग, जो कि 2019 के ऐसे विधायकों से 20 प्रतिशत अधिक है। ऐसे अमीर विधायक सभी राजनीतिक दलों में है।

कांग्रेस के रामेश्वर ओरांव इस बार सबसे अमीर विधायक के रूप में सामने आए हैं। उनकी संपत्ति 42.20 करोड़ की आंकी गई है।

भाजपा के कुशवाहा शशि भूषण मेहता, जो पनकी विधान सभा सीट से विजयी रहे हैं। दूसरे नम्बर के सबसे अमीर विजयी प्रत्याशी हैं। इनकी कुल संपत्ति 31.15 करोड़ मूल्य की है। रिपोर्ट के अनुसार गोड्डा सीट से जीतने वाले आर.जे.डी. के संजय प्रसाद यादव, 29.59 करोड़ की कुल संपत्ति के साथ इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर

- करोड़पति विधायकों में पहले नम्बर पर हैं कांग्रेस के रामेश्वर ओरांव, जिनकी सम्पत्ति 42.20 करोड़ रु है। दूसरे नम्बर पर भाजपा विधायक कुशवाहा शशि भूषण मेहता और तीसरा नम्बर है आर.जे.डी. के संजय प्रसाद यादव का।
- 71 करोड़पति विधायकों में से सर्वाधिक 28 विधायक आदिवासियों की पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा से हैं और 20 भाजपा से। कांग्रेस के करोड़पति विधायकों की संख्या 14 है, आर.जे.डी. के 5 तो सी.पी.आई.एम.एल. (लिबरेशन) के चार व एल.जे.पी., जद (यू) और ए.जे. एस.यू. का एक-एक विधायक करोड़पति है।
- ये आंकड़े झारखंड इलैक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डैमोक्रैटिक रिफॉर्म्स ने संयुक्त रूप से जारी किए हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो से ज्यादा संतान वालों की पदोन्नति की राह खुली

जयपुर, 25 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कार्मिक विभाग के 16 मार्च, 2023 की अधिसूचना के आधार पर, दो से ज्यादा संतान वाले कर्मचारियों को संबंधित सालों से पदोन्नत करने के मामले में रोक लगाने के आदेश को संशोधित कर दिया है। इसके साथ ही, अदालत ने पदोन्नति पर लगी रोक को हटाते हुए, होने वाली पदोन्नितयों को याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन रखा है। चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने ये आदेश संतोष व अन्य की याचिका पर राज्य सरकार की ओर से दायर स्टे प्रार्थना पत्र पर

- कार्मिक विभाग ने दो से ज्यादा संतान वालों की पदोन्नति के बारे में मार्च 2023 में अधिसूचना जारी की थी। अदालत ने इस अधिसूचना पर रोक लगा दी थी। आज चीफ जस्टिस की खंडपीठ ने यह रोक हटा दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में मनमानी राजनैतिक नियुक्तियां कीं वेणुगोपाल ने

पार्टी सूत्रों के अनुसार, वेणुगोपाल ने जाति, धर्म और क्षेत्रवार संतुलन को पूरी तरह नज़र अंदाज किया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। कांग्रेस को मुसलमानों की पार्टी कहा गया है, जो मुसलमानों के हितों और कल्याण पर फोकस करती है।

कांग्रेस ने दिल्ली कांग्रेस में की गई नियुक्तियों से इस बात को सही साबित कर दिया है।

काज़ी निज़ामुद्दीन को सचिव पद से पदोन्नत करके दिल्ली का ए.आई.सी.सी. इन्चार्ज बनाया है। कहा जाता है कि उन्हें के.सी. वेणुगोपाल का आशीर्वाद प्राप्त है, इन नियुक्तियों के पीछे उन्हीं का हाथ है, जिनमें जाति, धर्म या क्षेत्र के आधार पर संतुलन का ध्यान नहीं रखा गया है। वो "सोशल इंजिनियरिंग" जैसे शब्दों से अवगत नहीं हैं, और इस सिद्धांत पर काम करते हैं कि मेरा आदमी सर्वश्रेष्ट है।

इसके साथ ही दानिश अबरार को दिल्ली के लिए सचिव नियुक्त किया गया है। दिल्ली की स्क्रीनिंग कमेटी में, सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद को सदस्य बनाया गया है।

वरिष्ठ नेताओं से जब इस बारे में पूछा गया तो उनके पास कोई जवाब नहीं था। दिल्ली और हरियाणा के प्रभारी, बीमार चल रहे बाबरिया को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त किया गया है।

- सूत्रों ने कहा कि वेणुगोपाल शायद नहीं जानते कि राजनीति में "सोशल इंजीनियरिंग" कितनी महत्वपूर्ण है, उन्हें तो लगता है कि जो उनका 'यस मैन" है, वही सही है।
- दिल्ली में चुनाव होने वाले हैं और वेणुगोपाल ने पार्टी संगठन व चुनाव प्रबंध से जुड़े कई महत्वपूर्ण पदों पर मुस्लिम समाज के नेताओं को नियुक्ति दे दी है, इससे पार्टी पर तुष्टिकरण के आरोप लगने शुरू हो गए हैं।
- लगभग सभी राज्यों में कांग्रेस की यही कहानी है, राहुल ने पार्टी में अपनी पावर ऑफ अटॉर्नी वेणुगोपाल को दे रखी है।
- पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी मजबूर हैं, इतने मजबूर कि वे वेणुगोपाल व जयराम रमेश को हटाना चाहते हैं पर हटा नहीं पा रहे हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीट यूजी : स्ट्रे वेकैन्सी में आवंटन निरस्त करने पर रोक

जयपुर, 25 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नीट यूजी-2024 के स्ट्रे वैकेंसी राउंड में आवंटित सीट को निरस्त करने वाले एकलपीठ के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही, अदालत ने कहा है कि यदि एकलपीठ के याचिकाकर्ता इसमें शामिल होते हैं तो उन्हें मेरिट के अनुसार सीट आवंटित की जाए। चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने ये आदेश जतिन और नीतू

- एकल पीठ ने 11वीं के प्रमाण पत्र में बायोलॉजी उल्लेख नहीं होने के मामले में सीट आवंटन को निरस्त कर दिया था, हाईकोर्ट की खंडपीठ ने उक्त आदेश पर रोक लगा दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आरोप अडानी पर है, और तकलीफ भाजपा को हो रही है'

विपक्षी दलों ने केन्द्र सरकार पर निशाना साधा और यह भी कहा कि भाजपा सरकार इस मुद्दे पर चर्चा करने से डरती है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। कांग्रेस लोक सभा सांसद के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि सरकार अडानी के मुद्दे पर चर्चा करने से "बहुत ज्यादा भयभीत" है।

वेणुगोपाल ने कहा, "वे (सरकार) इस मुद्दे पर विपक्ष का एक शब्द भी सुनने के लिये तैयार नहीं हैं। एक सैकंड के अन्दर ही उन्होंने सदन स्थगित कर दिया। वे इस मुद्दे को उठाये जाने से डरे हुये हैं।"

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि दोनों पक्षों को परस्पर सहयोग करने की जरूरत है ताकि सदन का चलना सुनिश्चित हो सके।

तिरूवन्तपुरम के लोक सभा सांसद शशि थरूर ने कहा, "सभी विपक्षी दल इस मुद्दे पर बहस करना चाहते थे किन्तु सरकार तैयार नहीं थी। इस मुद्दे पर बिजनेस एडवाइज़री कमेटी में चर्चा होनी चाहिये। मुख्य बात यह है कि हर सदस्य को सदन चलने देना चाहिए, सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिये।"

उन्होंने आगे कहा, "एक सांसद होने के नाते, मैं यहाँ आना और बहस करना चाहता हूँ, लेकिन इसके लिये दोनों पक्षों की ओर से सहयोग की जरूरत है।"

राज्य सभा के आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि अडानी के खिलाफ गम्भीर आरोप हैं, जिन पर चर्चा होना जरूरी है।

उन्होंने कहा, "मोदी सरकार संसद को नहीं चलने दे रही। हम चाहते हैं कि अडानी के भ्रष्टाचार पर चर्चा हो। इसके कारण, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, सारी दुनिया में भारत की बदनामी हो रही है।"

- कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि सभी विपक्षी दल इस मसले पर चर्चा करना चाहते हैं, पर सरकार नहीं चाहती।
- आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि अडानी ने मोदी सरकार के अफसरों को रिश्वत दी और देश की जनता को महंगी बिजली बेची।
- तृणमूल पार्टी की एक सांसद डोला सेन ने आरोप लगाया कि किसी ने भी धरना नहीं दिया फिर भी दो बार संसद स्थगित हुई और दूसरी बार तो पूरे दिन के लिए, और वो विपक्ष पर आरोप लगा रही है।
- विपक्ष का विरोध संसद तक ही सीमित नहीं है। इंडियन यूथ कांग्रेस ने जंतर मंतर पर भी धरना प्रदर्शन दिया।
- चर्चा है कि अडानी पर विदेश में मामला दर्ज हुआ है। अब अगला कदम क्या होगा, फिलहाल अडानी कहां हैं, यह पता नहीं है, समझा जाता है कि वे भारत में ही कहीं हैं।

सिंह ने आरोप लगाया, "अडानी ने मोदी सरकार के अधिकारियों को रिश्वत दी तथा भारत की जनता को महँगी बिजली बेची, हम इस पर चर्चा करना चाहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि प्रतिस्पर्धी बिल्डिंग होनी चाहिये। सरकार चर्चा से भाग रही हैं।"

तृणमूल कांग्रेस सांसद डोला सेन ने कहा कि ऐसा लगता है कि सत्ता पक्ष चाहता ही नहीं कि सदन चले, क्योंकि कोई भी हंगामा या शोरगुल न होने के बावजूद, सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

उन्होंने जोर देते हुये कहा, "..किसी ने कोई विरोध प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन दो बार स्थगन हुआ। यह सत्ता पक्ष की नीति है, वे हर पल अनावश्यक रूप से दोषारोपण कर रहे हैं।

अमेरिकन प्रॉसिक्यूटर्स ने अडानी पर आरोप लगाया है कि वे, कथत रूप से सौर ऊर्जा अनुबन्धों के लिये उनके अनुकूल शर्तें रखने के बदले में, भारतीय अधिकारियों को 250 मिलियन डॉलर (करीब 22,000 करोड़ रु.) से अधिक रिश्वत देने की योजना के हिस हैं।

अडानी ग्रुप ने इस आरोपों को निराधार बताते हुये खारिज कर दिया है।

इस मुद्दे को लेकर सरकार पर विपक्ष का हमला संसद तक ही सीमित नहीं था।

इंडियन यूथ कांग्रेस ने सोमवार को दिल्ली में जन्तर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन किया तथा गौतम अडानी की गिरफ्तारी की माँग की।

प्रदर्शन का नेतृत्व इंडियन यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

विश्व इतिहास में प्रत्येक महान और महत्त्वपूर्ण आन्दोलन उत्साह द्वारा ही सफल हो पाया है। –एमर्सन

मात्र चुनावी जीत के आधार पर गलत, सही नहीं हो जाता

गौतम अडानी और अडानी समूह का मामला एक बार पुनः समाचार पत्रों की सुर्खियों में है। कुछ समय पूर्व यह मामला तब उठा था, जब हिडेनबर्ग रिपोर्ट में अडानी समूह द्वारा विदेश स्थित शैल कंपनियों के माध्यम से अपने शेयरों की कीमत बहुत बढ़ाने की रिपोर्ट सामने आई थी। इसमें अडानी समूह पर कई आरोप लगे थे। यह प्रकरण उच्चतम न्यायालय तक भी गया था। उच्चतम न्यायालय ने सेबी को इस बारे में जांच करने के लिए कहा। सेबी ने अदानी समूह को क्लीन क्लीन चिट दे दी थी, जबकि कई प्रकार के आरोप प्रमुख दृष्टिया सही प्रतीत होते थे। उच्चतम न्यायालय ने इस रिपोर्ट को स्वीकार करते हुए प्रकरण को बंद कर दिया।

अब अडानी से ही सम्बंधित एक गंभीर प्रकरण फिर सामने आया है। गौतम अडानी एवं उनके भतीजे समीर अडानी के विरुद्ध अमेरिका के न्याय विभाग और सिक्योरिटी एक्सचेंज कमीशन ने, विस्तृत जांच के पश्चात, फॉरेन करप्शन प्रिवेंशन एक्ट के अंतर्गत, उन्हें दोषी माना है। उन्होंने इस जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक किया है। यह रिपोर्ट कुल 54 पेज की है।

अडानी ने भारत में कॉन्ट्रैक्ट प्राप्त करने के लिए कई सरकारों के अधिकारियों को कुल लगभग 2000 करोड़ रुपए से अधिक की रिश्वत दी। अमेरिकी कानून के अनुसार यदि कोई उद्योग समूह अमेरिका के नागरिकों से निवेश हेतु धन एकत्रित करना चाहता है तो उसे यह स्पष्ट करना होता है कि उसके द्वारा विदेशों में किसी प्रकार की रिश्वत नहीं दी है। यदि कोई व्यक्ति या उद्योगपति अमेरिका के अलावा अन्य किसी देश में अपने उद्योग के व्यावसायिक हितों को बढ़ाने के लिए रिश्वत देता है तो वह अमेरिका के उक्त कानून के अंतर्गत अपराध है। न्यायालय में अपराध सिद्ध होने पर, इसके लिए, उसे सजा दी जा सकती है।

इसी जांच के दौरान मार्च 2023 में अमेरिका के न्याय विभाग द्वारा गौतम अडानी एवं उनके भतीजे सागर अडानी को सम्मन जारी किया गया था। सागर अडानी के परिसर पर तलाशी की गई और कई लैपटॉप आदि उपकरण जब्त किए गए। उनके विरुद्ध जांच में यह निष्कर्ष निकला कि अडानी द्वारा भारतीय अधिकारियों को रिश्वत के रूप में 2000 करोड़ से अधिक की राशि दी गई। यह राशि आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और जम्मू कश्मीर के साथ पावर सप्लाई एग्रीमेंट करने के लिए दी गई थी। अब यह प्रकरण अमेरिकी न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है और वहां के कानून के अनुसार जैसे ही अपराधिक प्रकृति का कोई प्रकरण वहां के न्यायालय में जाता है तो, अभियुक्त के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी हो जाते हैं। इसी क्रम में गौतम अडानी, समीर अदानी एवं विनीत जैन के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट अमेरिका के न्यायालय से जारी कर दिए हैं। इनके चलते, अब इनमें से कोई भी अमेरिका जाएगा तो उसे वहां गिरफ्तार किया जा सकता है।

भारत सरकार ने आदेश जारी किया हुआ है कि राज्य के विद्युत निगमों को एक निश्चित दर पर भारत सरकार के उपक्रम से बिजली क्रय करनी होगी। अडानी ने आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, ओडिशा और जम्मू कश्मीर की सरकारों के साथ पावर सप्लाई एग्रीमेंट किया। क्योंकि विद्युत खरीदने की तरह बहुत अधिक थी, इस एग्रीमेंट को करने के लिए अडानी ग्रुप द्वारा संबंधित राज्य सरकारों के अधिकारियों को कुल मिलाकर लगभग 2000 करोड रुपए से अधिक की राशि रिश्वत के रूप में दी गई। अधिकतम रिश्वत 1750 करोड़ रुपए आंध्र सरकार के अधिकारियों को दी गई। इसके पूरे प्रमाण अमेरिका के न्याय विभाग ने जुटा लिए हैं। और अब न्यायालय में उनके विरुद्ध प्रकरण चलेगा। गौतम अडानी के प्रत्यर्पण की मांग भी वहां के न्यायालय द्वारा की जा सकती है।

भाजपा का यह कहना है कि रिश्वत की राशि, कॉन्ग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की सरकारों के शासन में दी गई।

यह उल्लेखनीय है कि इन राज्यों में से केवल जम्मू एंड कश्मीर, जहां कि राष्ट्रपति शासन था और इस कारण भाजपा द्वारा संचालित है, शेष प्रदेशों में 2020 से 22 के बीच विपक्षी दलों की सरकारें थीं। उस समय आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस, तमिलनाडु में डीएमके, उड़ीसा में बीजू जनता दल और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार थी।

अडानी समूह ने सिक्योरिटी एक्सचेंज कमीशन के नियमों से संचालित प्रक्रिया के अनुसार अमेरिकी निवेशको से धन एकत्रित किया। अब यदि यह न्यायालय में सिद्ध होता है कि उन्होंने भारत में रिश्वत देकर अपनी कंपनी का काम बढ़ाने का कार्य किया है, तो वे अपराधी घोषित हो जाएंगे और इन्हें सजा दी जाएगी।

प्रश्न यह नहीं है कि उन्होंने रिश्वत की राशि भाजपा शासित सरकार के समय दी या अन्य विपक्षी दलों की सरकारों के शासनकाल में दी। प्रश्न यह है कि क्या अडानी ने अधिकारियों को रिश्वत की राशि दी ?

आजकल यह प्रवृत्ति हो गई है कि चुनावी जीत के आधार पर हर अनियमित, अनुचित कार्य को सही ठहराया जाता है। किसी भी दल द्वारा चुनाव जीतने पर केवल एक ही जवाब मिलता है कि जनता ने उस पर लगे सभी आरोपों को नकार कर, उसे समर्थन दिया है। यह निष्कर्ष निकालना सही नहीं है, अपितु केवल कुतर्क है।

भारत में जब पहले इसकी शिकायत हुई थी तब सेबी ने इस बारे में वह जांच नहीं की, जो अब अमेरिका की एजेंसीज ने की है। अमेरिका द्वारा हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट का कितना प्रभाव अडानी समूह के व्यवसाय पर पड़ रहा है, यह इसी से स्पष्ट है कि केन्या सरकार ने रिपोर्ट आते ही, लगभग 6000 करोड़ का जो कॉन्ट्रैक्ट अडानी समूह को दिया जाना था, वह निरस्त कर दिया। अडानी समूह के जो बॉन्ड यहां भारत में जारी होने वाले थे, उसे भी स्थगित कर दिया गया है।

यह उल्लेखनीय कि अडानी ने सेबी को सूचित नहीं किया कि उनके विरुद्ध अमेरिका में आपराधिक प्रकरण दर्ज है, जबकि इसकी पूरी जानकारी उन्हें थी। गौतम अडानी को मार्च 2023 में ही सम्मन जारी हो चुके थे। सेबी को इस मामले में जानकारी न देना, धोखाधड़ी ही कहा जाएगा। इसके लिए उनके विरुद्ध करवाई सेबी को करनी चाहिए थी। अब इसमें वह कुछ कार्रवाई करेगा या नहीं, यह तो भविष्य ही बताएगा। किसी भी प्रकार की राशि, निवेशकों से इकट्ठा करने के लिए संबंधित कंपनी को यह घोषणा करनी होती है कि उसके विरुद्ध कोई अपराधिक प्रकरण दर्ज नहीं है। ऐसा लगता है कि सेबी को दी गई सूचना में अडानी समूह ने, अमेरिका में उनके विरुद्ध चल रही जांच का कोई उल्लेख नहीं किया। जब सुप्रीम कोर्ट ने सेबी को हिंडेनबर्ग रिपोर्ट के आधार पर जांच करने के लिए कहा था तो उसका यह दायित्व बनता था कि वह अडानी से इस बारे में स्पष्टीकरण प्राप्त करे। उसे, अमेरिका की एफ बीआई और, सिक्योरिटी एक्सचेंज कमीशन से भी इस संबंध में जानकारी प्राप्त करनी चाहिए थी। ऐसा न करके, सेबी और अडानी, दोनों ने निवेशकों को गुमराह करने का कार्य ही किया है। जिस संस्था की जिम्मेदारी, निवेशकों के हितों की रक्षा करना हो, वही ऐसा न करे, तो फिर यह सवाल तो किया ही जाएगा कि ऐसा किसके इशारे पर किया जा रहा था?

सुप्रीम कोर्ट ने भी इस बारे में गहराई से जांच करने की आवश्यकता महसूस नहीं की, यह आश्चर्य की बात है। मार्च 23 में मीडिया में यह समाचार आ चुके थे कि अमेरिका में सागर अडानी के परिसर की तलाशी ली गई थी एवं उनके कई इलेक्ट्रानिक उपकरणों को जप्त किया गया था। उस समय इस तथ्य को अडानी ने सेबी एवं अन्य संस्थाओं से छुपाया एवं केवल यह बयान देते रहे कि उनके विरुद्ध कोई केस नहीं है, एवं उनके विरुद्ध हिंडेनबर्ग द्वारा लगाए गए आरोप आधारहीन हैं। सत्ताधारी दल के प्रवक्ताओं ने भी इसे देश की अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने की साजिश तक बताया। अब, जबकि यह बात स्पष्ट हो चुकी है कि अमेरिका की सिक्योरिटी एक्सचेंज कमीशन और फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने अपने स्तर पर जांच के बाद यह सही पाया है कि अडानी समूह द्वारा भारत में अधिकारियों को ऊर्जा आपूर्ति के समझौते करने हेतु रिश्वत की राशि दी गई, सबका झूठ सामने आ चुका है। इस बारे में, अब भी विस्तृत जांच सीबीआई और सेबी द्वारा की जानी चाहिए ताकि देश की जनता, विशेषकर निवेशकों के समक्ष स्थिति स्पष्ट हो सके। फिलहाल, अडानी समूह के लिए, इस रिपोर्ट के बाद, अब विदेशों से कहीं भी अपनी परियोजनाओं के लिए धन की व्यवस्था करना संभव नहीं होगा।

सत्ताधारी दल द्वारा यह कहा जा सकता है कि जनता इन आरोपों पर विश्वास नहीं करती है, क्योंकि यदि ऐसा होता तो, महाराष्ट्र में उसे इतना प्रचंड बहुमत नहीं मिलता। सबको यह समझने की आवश्यकता है कि चुनाव में जीत से, कोई भी गलत बात, सही नहीं हो जाती। आजकल यह प्रवृत्ति हो गई है कि चुनावी जीत के आधार पर हर अनियमित, अनुचित कार्य को सही ठहराया जाता है। किसी भी दल द्वारा चुनाव जीतने पर केवल एक ही जवाब मिलता है कि जनता ने उस पर लगे सभी आरोपों को नकार कर, उसे समर्थन दिया है। यह निष्कर्ष निकालना सही नहीं है, अपितु केवल कुतर्क है। जो बात गलत, अनुचित या अनियमित है वह केवल चुनाव जीतने से न तो सही हो जाती है न उचित हो जाती है एवं ना ही नियमित।

आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने बड़ी धनराशि खर्च करके महल नुमा आवास मुख्यमंत्री के लिए बनाया, वह गलत था और गलत ही रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने द्वारा घोषित नोटबंदी के बाद लोगों को अत्यधिक परेशानी होने के बावजूद भी जब उत्तर प्रदेश के चुनाव में भाजपा को भारी सफलता मिली, तो उससे नोटबंदी का निर्णय सही सिद्ध नहीं हो जाता। अडानी को संरक्षण देना गलत ही रहेगा चाहे कितना ही बहुमत, लोकसभा या विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्राप्त हो जाए।

यह सर्वविदित है कि चुनाव जीतने के कई कारण होते हैं, जिनमें जाति–धर्म आदि प्रमुख हैं। ईमानदार सुशासन प्रदान करना, शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए अच्छा कार्य करना एवं नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सरकार की भूमिका अच्छी तरह निभाना, यदा कदा ही चुनाव जिताते हैं। चुनावी विजय और सही–गलत का निर्णय करने हेतु पैमाने, एक नहीं हो सकते। किसी राजनीतिक दल को बहुत सफलता मिल जाए, तब भी, उनके द्वारा किए गए गलत कार्य, गलत ही रहेंगे। प्रधानमंत्री द्वारा मणिपुर पर कोई व्यक्त वक्तव्य न देना, गलत था और वह गलत ही रहेगा।

भाजपा के प्रवक्ताओं द्वारा अडानी के प्रकरण में यह कहा जा रहा है कि जब तक कोई आरोप सिद्ध नहीं हो, उन्हें दोषी नहीं माना जा सकता। यही बात तो आम आदमी पार्टी के नेता कह रहे थे, जिस समय बिना आरोप सिद्ध हुए, केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह एवं कई अन्य विपक्षी दलों के नेताओं को लंबे समय तक जेल में रखा गया। दलों को को इस संबंध में दोहरे मापदंड अपनाने से बचना होगा।

संसद का सत्र 25 नवंबर से प्रारंभ हो रहा है और यह सत्र काफी तूफानी रहने की संभावना है। अमेरिकी जांच एजेंसी की रिपोर्ट को लेकर संसद में हंगामा होना तय है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

सादा जीवन-उच्च विचारों के धनी ''बापू'' के शिष्य ''बाबू''

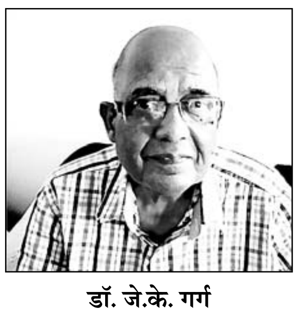

डॉ. जे.के. गर्ग

जब गांधी जी बिहार के चंपारण आये, तब उन्होंने राजेंद्र प्रसाद को स्वयंसेवकों के साथ चंपारण आने के लिए कहा। तब राजेन्द्र बाबू अनेक कार्यकर्ताओं के साथ वहां पहुंच गये। वो गांधी जी की देश भक्ति की अटूट भावना से बहुत प्रभावित हो गये हुए। बापू से मिलने के बाद राजेंद्र बाबू का नजरिया पूरी तरह से बदल गया और उन्होंने खुद को देश को अंग्रेजो की गुलामी से आजाद करने का संकल्प ले लिया, उनका दृष्टिकोण पूरी तरह बदल गया और वो आजादी की लड़ाई में पूरी तरह से जुट गये। डॉ. राजेंद्र प्रसाद भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेताओं में शामिल हो गये। उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया और देश के पहले मंत्रिमंडल में 1946 से 1947 तक कृषि और खाद्य मंत्री का दायित्व भी निभाया। उनका जन्म 3 दिसंबर, 1884 को बिहार के तत्कालीन सारण जिले (अब सीवान) के जीरादेई गांव में हुआ था। उनके पिता महादेव सहाय संस्कृत एवं फारसी के विद्वान थे। माता कमलेश्वरी देवी एक धर्मपरायण महिला थीं। मात्र 12 वर्ष की उम्र में उनका विवाह राजवंशी देवी से हुआ।

कलकत्ता विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया और 30 रुपये मासिक छात्रवृत्ति प्राप्त की। वर्ष 1902 में प्रसिद्ध कलकत्ता प्रेसीडेंसी कॉलेज में प्रवेश लिया। बाद में वह विज्ञान छोड़ कला संकाय में आ गये और अर्थशास्त्र में एमए और कानून में मास्टर की शिक्षा पूरी की। वर्ष 1930 में नमक सत्याग्रह में भाग लिया। वर्ष 1914 में बंगाल और बिहार में आयी भयानक बाढ़ के दौरान उन्होंने पीड़ितों की खूब सेवा की। 15 जनवरी, 1934 को जब बिहार में विनाशकारी भूकंप आया, तब वे धन जुटाने और राहत कार्यो में लग गये राहत का कार्य जिस तरह से व्यवस्थित किया गया था, उसने डॉ राजेंद्र प्रसाद के कौशल को साबित किया। इसके तुरंत बाद उन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बम्बई अधिवेशन का अध्यक्ष चुना गया। वे वर्ष 1934 से 1935 तक भारतीय कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। उन्हें 1939 में सुभाष चंद्र बोस के बाद जबलपुर सेशन का भी अध्यक्ष बना दिया गया। 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा में संविधान को पारित करते समय डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा कहे गये शब्द बहुत महत्वपूर्ण हैं। जिन्दगी के अंतिम पडाव में उन्होंने अपना जीवन एक आम नागरिक का भाति सदाकत आश्रम में बिताया उनके लिए राष्ट्रपति भवन और सदाकत आश्रम एकसा था। 28 फरवरी, 1963 को वों पंच महाभूतों में विलीन हो गये। राजेन्द्र बाबू ने अनेको किताब लिखी अपनी आत्मकथा (1946 बापू के कदमों में बाबू (1954, इण्डिया डिवाइडेड (1946), सत्याग्रह ऐट चम्पारण (1922), गांधीजी की देन, भारतीय संस्कृति व खादी का अर्थशास्त्र इत्यादि उल्लेखनीय हैं।

प्रथम राष्ट्रपति राजेंद्र बाबू और बापूजी के शिष्य के जीवन के प्रेरणादायक संस्मरण

जब परीक्षा में प्रथम आने वाले का नाम उत्तीर्ण छात्रों सूची में नहीं था :-प्रिंसिपल ने एफ.ए. में उत्तीर्ण छात्रों के नाम लिए तो राजेन्द्र प्रसाद का नाम उस सूची में नहीं था। राजेन्द्र प्रसाद एक मेधावी छात्र थे उन्हें अपने आपको फेल होने पर रत्तीभर भी विश्वास नहीं हुआ क्योंकि उन्हें अपनी एफ.ए. की परीक्षा में सर्वोच्च अंकों के साथ उत्तीर्ण होने का पूरा भरोसा था, इसलिए उन्होंने खड़े होकर प्राचार्य से कहा कि वे फेल नहीं हो सकते हैं इसलिए उन्होंने प्रिंसिपल से परीक्षा में हुए उत्तीर्ण विद्यार्थियों की सूची को एक बार पुनः देख लेंने का अनुरोध किया, जिससे प्रिंसिपल ने क्रोधित होकर राजेन्द्र प्रसाद से कहा कि वह फेल हो गए होंगे अतः उन्हें इस मामले में तर्क नहीं करना चाहिए। राजेंद्र घबराते हुए बोले 'लेकिन, लेकिन सर' क्रोधित प्रिंसिपल ने कहा, 'पाँच रुपये ज़ुर्माना' राजेन्द्र प्रसाद साहस कर दोबारा बोले तो प्रिंसिपल चिल्लाये और बोले 'दस रुपया ज़ुर्माना'। राजेन्द्र प्रसाद बहुत घबरा गए। अगले कुछ क्षणों में ज़ुर्माना बढ़कर 25 रुपये तक पहुँच गया। एकाएक हैड क्लर्क ने राजेन्द्र को पीछे से बैठ जाने का इशारा किया और वे प्रिंसिपल से बोले कि सर एक गलती हो गई है, वास्तव में राजेन्द्र प्रसाद परीक्षा में प्रथम आए हैं। राजेन्द्र प्रसाद की छात्रवृत्ति दो वर्ष के लिए बढ़ाकर 50 रुपया प्रति मास कर दी गई। उसके बाद स्नातक की परीक्षा में भी उन्हें सर्वोच्च स्थान प्राप्त हुआ। इस घटना के बाद राजेन्द्र प्रसाद ने यह जान लिया था कि आदमी को अपना संकोच को दूर कर आत्मविश्वासी बनना चाहिए।

कॉलेज में भोले भाले देहाती राजेन्द्र बाबू का पहला दिन सरल एवं निष्कपट स्वभाव वाला सीधा-साधा ग्रामीण युवक राजेन्द्र प्रसाद बिहार पहली बार 1902 में कलकत्ता में प्रेसीडेंसी कॉलेज में प्रवेश हेतु आया था। अपनी कक्षा में जाने पर वह छात्रों को ताकते रह गये क्योंकि वहां सभी छात्र नगें सिर एवं सभी पश्चिमी वेशभूषा की पतलून और कमीज पहने थे इसलिये उन्होंने सोचा ये सब एंग्लो-इंडियन हैं किन्तु जब हाजिरी बोली गई तो राजेन्द्र को यह जानकर आश्चर्य हुआ कि वे सभी हिन्दुस्तानी थे। जब राजेन्द्र प्रसाद का नाम हाजिरी के समय नहीं पुकारा गया तो उन्होंने हिम्मत जुटा कर अपने प्रोफेसर को पूछा कि उनका नाम क्यों नहीं लिया गया। प्रोफेसर उनके देहाती कपड़ों को घूरता ही रहा एवं चिल्ला कर बोला– ठहरो, मैंने अभी स्कूल के लड़कों की हाजिरी नहीं ली है। राजेन्द्र प्रसाद ने हठ किया कि वह प्रेसीडेंसी कॉलेज के छात्र हैं और उन्होंने प्रोफेसर को अपना नाम भी बताया। अब कक्षा के सभी छात्र उन्हें उत्सुकतावश देखने लगे क्योंकि उस वर्ष राजेन्द्र प्रसाद विश्वविद्यालय में प्रथम आये थे, प्रोफेसर ने तुरंत अपनी गलती को सुधार कर ससम्मान उनका नाम पुकारा और इस तरह राजेन्द्र प्रसाद के कॉलेज जीवन की शुरुआत हुई।

एक बार राजेंद्र बाबू नाव से अपने गांव जा रहे थे। नाव में कई लोग सवार थे। राजेंद्र बाबू के नजदीक ही एक अंग्रेज बैठा हुआ था। वह बार-बार राजेंद्र बाबू की तरफ व्यंग्य से देखता और मुस्कराने लगता। कुछ देर बाद अंग्रेज ने उन्हें तंग करने के लिए एक सिगरेट सुलगा ली और उसका धुआं जान बूझकर राजेंद्र बाबू की ओर फेंकता रहा। कुछ देर तक राजेंद्र बाबू चुप रहे। लेकिन वह काफ़ी देर से उस अंग्रेज की इस हरकत को सहन नहीं पाये। उन्हें लगा कि अब उसे सबक सिखाना जरूरी है। कुछ सोचकर वह अंग्रेज से बोले, 'महोदय, यह जो सिगरेट आप पी रहे हैं क्या आपकी ही है?' यह प्रश्न सुनकर अंग्रेज व्यंग्य से मुस्कराता हुआ बोला, 'अरे, मेरी नहीं तो क्या तुम्हारी है? महंगी और विदेशी सिगरेट है।' अंग्रेज के इस वाक्य पर राजेंद्र बाबू बोले, 'बड़े गर्व से कह रहे हो कि विदेशी और महंगी सिगरेट तुम्हारी है। तो फिर इसका धुआं भी तुम्हारा ही हुआ न। उस धुएं को हम पर क्यों फेंक रहे हो? तुम्हारी सिगरेट तुम्हारी चीज है। इसलिए अपनी हर चीज संभाल कर रखो। इसका धुआं हमारी ओर नहीं आना चाहिए। अगर इस बार धुआं हमारी और आया तो सोच लेना कि तुम अपनी जुबान से ही मुकर रहे हो। तुम्हारी चीज तुम्हारे पास ही रहनी चाहिए, चाहे वह सिगरेट हो या इसका धुआं, राजेन्द्र बाबू की बात को सुनकर बेचारा अंग्रेज सकपकाया और उसने अपनी जलती हुई सिगरेट को बुझा दिया।

भारतीय संविधान के लागू होने से एक दिन पहले 25 जनवरी 1950 को उनकी सगी बहन भगवती देवी का निधन हो गया, लेकिन वे भारतीय गणराज्य के स्थापना की रस्म के बाद ही दाह संस्कार में भाग लेने गये। राष्ट्रपति बनने पर भी उनका जनसाधारण एवं गरीब ग्रामीणों से निरंतर संमर्क बना रहा। वृद्ध और नाज़ुक स्वास्थ्य के बावजूद उन्होंने भारत की जनता के साथ अपना निजी सम्पर्क कायम रखा। वह वर्ष में से 150 दिन रेलगाड़ी द्वारा यात्रा करते और आमतौर पर छोटे-छोटे स्टेशनों पर रूककर सामान्य लोगों से मिलते और उनके दुख दर्द दूर करने का प्रयास करते।

उन दिनों डॉ. राजेन्द्र प्रसाद देश के गिने-चुने नामी वकीलों में गिने जाते थे। उनके पास मान-सम्मान और पैसे की कोई कमी नहीं थी। लेकिन जब गांधी जी ने असहयोग आंदोलन शुरू किया तो राजेन्द्र बाबू ने वकालत छोड़ दी और अपना पूरा समय मातृभूमि की सेवा में लगाने लगे। अपने मित्र रायबहादुर हरिहर प्रसाद सिंह के मुकदमों की पैरवी के लिए उन्हें इंग्लैण्ड जाना पड़ा। वरिष्ट बैरिस्टर अपजौन इंग्लैंड में हरिहर प्रसाद सिंह का मुकदमा लड़ रहे थे उन्हीं के साथ राजेन्द्र बाबू को काम करना था। अपजौन राजेन्द्र बाबू की सादगी और पारिवारिकता से बहुत प्रभावित हुए। एक दिन किसी ने अपजौन को कहा कि राजेंद्र बाबू भारत के सफलतम वकीलों में से हैं किन्तु उन्होंने भारत को स्वतंत्र कराने हेतु अपनी वकालत त्याग दी है और वे असहयोग आन्दोलन में गांधीजी के निकटतम सहयोगी बन गये हैं। बैरिस्टर अपजौन को आश्चर्य हुआ

-डॉ. जे. के. गर्ग,
(स्वतंत्र चिंतक व लेखक)

चंबल नदी की दाईं मुख्य नहर में रिसाव के कारण खेत जलमग्न

कोटा, (निसं)। चंबल नदी की दाईं मुख्य नहर में रिसाव के कारण भारी मात्रा में पानी खेतों में पहुंच गया है। बड़ी मात्रा में खेत भी जलमग्न हो गए हैं और नहर को बंद करने तक की नौबत आ गई। बाद में नहर में पानी का डिस्चार्ज कम करते हुए रिसाव को रोकने के लिए प्रयास शुरू किए गए। मामला कोटा जिले के दीगोद के नजदीक देवपुरा का है। ग्रामीणों ने इस संबंध में प्रशासन और चंबल कमांड एरिया (सीएडी) के अधिकारियों को सूचना दी।

- **किसानों का आरोप है कि नहरों की समय पर गुणवत्तापूर्वक मरम्मत नहीं होने के चलते समस्या आती है**

दीगोद एसडीएम दीपक महावर का कहना है कि सूचना मिलते ही सीएडी के अधिकारियों को मौके पर तुरंत जाने के लिए कहा और उचित दिशा-निर्देश दिए गए। मौके पर पहुंचे सीएडी के इंजीनियर ने बताया है कि रिसाव के चलते पानी का डिस्चार्ज आधा कर दिया है। खेतों में पानी नहीं जाए, इसके पूरे जतन किए जा रहे हैं। यह रिसाव रात से थोड़ा-थोड़ा शुरू हुआ था जो कि सुबह बढ़ गया। सुबह ही प्रशासन को इसकी जानकारी मिली थी।

किसान विनोद मेहरा का कहना है कि सुबह छह बजे लोगों ने देखा कि पानी खेतों में जा रहा है। नहर टूटी नहीं है लेकिन नहर की पाल के नीचे से रिसाव हुआ है। यह पानी आसपास के खेतों में भर गया है जिसकी चपेट में लगातार खेत आते जा रहे हैं। इनमें से कई खेत ऐसे हैं जिनमें फसल की बुवाई कर दी गई थी जबकि कुछ में बुवाई की तैयारी चल रही थी। अधिकांश किसानों ने लहसुन व गेहूं की बुवाई की है। किसान तत्काल रिसाव को बंद करने की मांग कर रहे थे।

दीगोद के नजदीक देवपुरा में चंबल नदी की दाईं मुख्य नहर में रिसाव के कारण खेतों में पानी भर गया।

चंबल नदी में दाईं मुख्य नहर में अनुबंध के तहत मध्यप्रदेश को वर्तमान में पानी भेजा जा रहा है। ऐसे में मध्यप्रदेश और राजस्थान के टेल एरिया के किसानों को भी भरे सीजन में पानी नहीं पहुंचने की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। किसानों का आरोप है कि नहरों के समय पर गुणवत्तापूर्वक मरम्मत नहीं होने के चलते ही यह समस्या आती है।

सेमेस्टर में आधे छात्रों को फेल करने पर विरोध

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के आरआर कॉलेज में बीएससी सैकंड ईयर के सैकंड सेमेस्टर के रिवाइज घोषित रिजल्ट में आधे छात्रों को फेल करने के विरोध में छात्रों ने कॉलेज गेट बंद कर विरोध किया। इसके अलावा चेतावनी दी है कि अभी विरोध सांकेतिक है उनका दुबारा एग्जाम नहीं हुआ तो आगे उग्र आंदोलन किया जाएगा।

छात्रनेता अंकित गुर्जर ने बताया कि करीब डेढ़ माह पहले बीएससी फर्स्ट ईयर के सेकंड सेमेस्टर का रिजल्ट घोषित कर स्टूडेंट्स को प्रमोट किया था, ताकि यह सेकंड ईयर में बैठ सके, लेकिन अब डेढ़ महीने बाद दोबारा से रिजल्ट घोषित किया। नई शिक्षा नीति का हवाला देकर आधे से ज्यादा करीब 400 स्टूडेंट्स को फेल कर दिया। इस विषय पर कॉलेज प्रशासन से बातचीत करना चाहा तो उन्होंने नई शिक्षा नीति का हवाला देकर ऐसा करना बताया। अभिषेक जायसवाल ने बताया कि जब शुरुआती तौर पर फॉर्म भरे गए थे तब नई शिक्षा नीति की कोई जानकारी नहीं दी गई। करीब डेढ़ महीने पहले जिनको प्रमोट कर दिया। अब वापस उनका रिजल्ट देकर फेल दिखा दिया। हमारी मांग है कि जिनको फेल किया है उनका दुबारा एग्जाम हो, ताकि स्टूडेंट्स को नुकसान नहीं हो। ऐसा नहीं हुआ तो स्टूडेंट्स उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। जिसका जिम्मेदार यह कॉलेज प्रशासन रहेगा।

- **छात्रों ने दुबारा एग्जाम नहीं होने पर उग्र आंदोलन की बात कही**
- **नई शिक्षा नीति का हवाला देकर छात्रों को फेल किया**

राशिफल मंगलवार 26 नवम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, हस्त नक्षत्र रात्रि 4:35 तक, प्रीति योग दिन 2:13 तक, बव करण दिन 2:25 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-धनु, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज कुमार योग रात्रि 3:48 तक है। द्विपुष्कर योग रात्रि 4:35 से सूर्योदय तक है। राजयोग रात्रि 4:35 से आरम्भ होगा। आज बुध वक्री प्रातः 8:13 से होगा। आज उत्पन्न (वेतरणी) एकादशी, पदम प्रभु मोक्ष दिन है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:36 से 10:55 तक, लाभ-अमृत 10:55 से 1:33 तक, शुभ 2:52 से 4:10 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:59, सूर्यास्त 5:29

मेष

स्वास्थ्य से संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह

आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। सुख-सुविधाओं पर धन खर्च होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृष
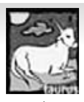

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। शुभ कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

तुला

व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कर्क

परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं।

मीन

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

निजीकरण के विरोध में डिस्कॉम कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया

जालोर, (कासं)। जालोर में विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने सोमवार को निजीकरण के विरोध में मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौपा।

विद्युत विभाग में निजीकरण के विरोध में तथा विद्युत विभाग में ओ पी एस (ओल्ड पेंशन स्कीम) लागू करने के लिए सहायक अभियंता अशोक कुमार के माध्यम से अतिरिक्त मुख्य सचिव को संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारियों एवं विद्युत कर्मियों ने ज्ञापन सौंपा। तथा उपखंड अधिकारी जालोर के माध्यम स मुख्यमंत्री को भी निजीकरण के विरोध में ज्ञापन सौपा।

ज्ञापन देते समय विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी जालम सिंह, नवरतन मल कुमावत, विनोद आर्य, नेकी राम , अमृत सिंह, विजय कुमार, विक्रम सिंह, आशीष कुमार, दिनेश मीणा, सुरेश बैरवा, मनीष कुमार, अल्का दाधीच, पुरुषोत्तम , हेमराज, बिशन सिंह, आदि कर्मचारी नेता एवं कर्मचारीगण मौजूद थे।

जालोर में विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। फोटो-राष्ट्रदूत

सायला में राजस्थान विद्युत संयुक्त संघर्ष समिति ने विद्युत विभाग के निजीकरण के विरोध में मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम सूरजभान बिश्नोई को ज्ञापन सौपा।

ज्ञापन में बताया कि वितरण क्षेत्र में 33/11 केवी ग्रिड्स का संचालन निजी हाथों में देने से सामरिक सुरक्षा पर खतरा पैदा हो सकता है। साथ ही इनविट मॉडल और ग्रिडों को ठेके पर देने से प्रसारण निगम को घाटे में धकेलने का आरोप लगाया गया। वही आत्मनिर्भरता देने वाले तापीय विद्युत संयंत्रों को ज्वाइंट वेंचर के माध्यम से निजीकरण से बचाने की मांग की। इससे पूर्व विद्युत कर्मचारियों द्वारा एक दिवसीय कार्य बहिष्कार करते हुए सहायक अभियंता कार्यालय में धरना दिया। आगामी 29 नवंबर को विद्युत कर्मचारियों द्वारा संयुक्त संघर्ष समिति के तत्वावधान में कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी।

इस दौरान पवन कुमार, राजेश मीणा, लाखन मीणा, कन्हैयालाल, रामप्रसाद चौरसिया, सुमेर शर्मा, कृपा शंकर, रामसिंह, यशपाल, अशोक सेन, सुशील कुमार सहित विद्युत विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

महाराष्ट्र से यात्रा पाली पहुंची

पाली, (नि.सं.)। देश में शांति, समता और बंधुता के संत विचारों का प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से महाराष्ट्र के पंढरपुर से रवाना हुई साइकिल यात्रा रविवार शाम को पाली पहुंची। जहां यात्रा का शहरवासियों ने स्वागत किया। 12 नवंबर को महाराष्ट्र के पंढरपुर से रवाना हुई यात्रा 12 दिसम्बर को पंजाब के घुमान पहुंचकर सम्पन्न होगी।

भागवत धर्म के प्रचारक संत शिरोमणि नामदेव महाराज की 754वीं जयंती, संत ज्ञानेश्वर महाराज के 728वें संजीवन समाधि दिवस और सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानकजी की 555वीं प्रकाशपर्व पर शांति, समता और बंधुता के संत विचारों का प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से श्री क्षेत्र पंढरपुर (महाराष्ट्र) से श्री क्षेत्र घुमाण (पंजाब) तक लगभग 2300 की रथ और साइकिल यात्रा की है। भागवत धर्म प्रसारक मंडल के अध्यक्ष सूर्यकांत भिसे ने बताया कि यात्रा 12 नवंबर को रवाना हुई। महाराष्ट्र और कर्नाटक के 100 साइकिल यात्री शामिल है। वर्ष 2022 से यह रथ और साइकिल यात्रा शुरू की गई है। धर्म प्रसारक मंडल, पालखी सोहला पत्रकार संघ, नामदेव समाजोन्नित परिषद, श्री नामदेव दरबार कमेटी (घुमाण), देश भर के विभिन्न नामदेव शिम्पी समाज संगठन भी राज्यों के भक्तों की मांगों और के विचारों को बढ़ावा के लिए भाग ले रहे हैं।

अहिल्याबाई होलकर की जयंती मनाई

उच्च माध्यमिक विद्यालय बरना में अहिल्याबाई होलकर का 300 वां जयंती वर्ष समारोह मनाया।

जोधपुर, (कासं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बरना में अहिल्याबाई होलकर का 300 वां जयंती वर्ष समारोह पूर्वक मनाया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए संस्था प्रधान आईदान राम चौधरी ने अहिल्याबाई होलकर के जीवन को सामाजिक समरसता एवं महिला सशक्तिकरण का पर्याय बताया। कार्यक्रम में मुख्यमंच पर विद्यालय के महिला स्टाफ साथी सज्जन कंवर, मंजू चौहान, सीता सीरवी एवं खुशबू रांकावत को महिला सम्मान करते हुए बिठाया गया। अहिल्याबाई के जीवन पर मुकेश आचार्य ने प्रकाश डालते हुए अपने पति एवं पुत्र तत्व को न्याय सिद्धांत पर कसौटी पूर्वक कसने एवं सामान्य समाज जीवन में सभी को एक साथ लेकर समरस एवं सांस्कृतिक जीवन का संदेश देने वाली राजमाता अहिल्याबाई के मंदिर जिर्णोद्धार कूप-बावड़ी निर्माण एवं जन कल्याण के कार्यों के बारे में विचार प्रकट किये ।

इस अवसर पर मनोहर झाला, राकेश चौहान, देवेंद्र कुमार, नाथूराम ,अर्जुन राम, भीकम चंद दायमा, रणवीर पटेल, खुमाराम नवल, अक्षय चौहान, अशोक सीरवी ,जगदीश पटेल, जबराराम पटेल, भीमाशंकर सहित कई जने उपस्थित रहे।

आकोली से प्रधानाचार्य संवाद कार्यक्रम शुरू

जालोर के पास आकोली में शिक्षक संघ राष्ट्रीय का प्रधानाचार्य संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के प्रांतीय नेतृत्व की ओर से प्रधानाचार्य संवाद कार्यक्रम के तहत आकोली के मातोश्री शकुंतला देवी रतन चंद खिवेसरा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में संकुल संयोजक नोपाराम गर्ग के नेतृत्व में प्रधानाचार्य एवं विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों को संगठन का पत्रक भेंट किया।

पीईईओ क्षेत्र आकोली के शिक्षक संघ राष्ट्रीय के संकुल संयोजक नोपाराम गर्ग ने बताया कि अकोली के प्रधानाचार्य सुरेश कुमार को दिए गए पत्रक में संगठन की कार्यशैली, संगठन का संघटनात्मक ढांचा, विविध कार्यक्रम ,विचार के संबंध में जानकारी दी देते हुए पत्रक सौपा गया।

संगठन के जिलाध्यक्ष हीर सिंह राठौड, जिला मंत्री कपूर सिंह राजपुरोहित एवं जिला संगठन मंत्री शैतान सिंह राजपुरोहित के निर्देशन में जिले भर में प्रधानाचार्य संवाद कार्यक्रम के तहत संपर्क किया जाएगा। जालोर जिले की पांचों उप शाखा में उप शाखा अध्यक्ष के नेतृत्व में पत्रक देकर संगठन की गतिविधियों से आम शिक्षक को रूबरू किया जाएगा।

इस अवसर पर कविता तिवारी सहित आकोली विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

मैत्री व सद्भावना यात्रा हुई

जालोर, (कासं)। लायंस क्लब जालोर व जोधपुर वेस्ट के तत्वावधान में रविवार शाम को भागली स्थित गुरू लक्ष्मणधाम में मैत्री एवं सद्भावना यात्रा के तहत संभागीय अध्यक्ष डॉ. बबीता गुर्जर की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सचिव दीपेश सिद्धावत ने बताया कि पर्यावरण और समाज के प्रति जागरुकता बढाने के उद्देश्य से मैत्री एवं सद्भावना यात्रा का आयोजन किया गया।

उन्होंने बताया कि लायंस क्लब का यह स्वर्ण जयंती वर्ष चल रहा है और 50 वर्ष पूर्ण कर 51वे वर्ष में प्रवेश कर रहा है। ऐसे में पूरे एक साल तक सेवा क्षेत्र में कार्य किए जाएंगे। इस अवसर पर अतिथियों को क्लब की ओर से स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। लायंस क्लब जोधपुर वेस्ट के अध्यक्ष मोहन रत्नेश, संभाग अध्यक्ष डॉ. बबीता गुर्जर, जालोर अध्यक्ष कालूराज मेहता ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर भंवरलाल चोपडा, रमेश बोहरा, डॉ. एस.पी. शर्मा, राजेंद्र जैन, विजय मोदी, सुरेश अग्रवाल, राकेश भंसाली, आनंद खत्री, मुकेश मोदी, कनिष्क चौधरी आदि मौजूद रहे।

251 स्वयंसेवकों ने शाखा संगम में भागीदारी की

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खंड सायला के शाखा संगम कार्यक्रम में 21 शाखाओं के 251 स्वयंसेवकों ने 18 स्थानों से भाग लिया। फोटो-राष्ट्रदूत

सायला, (निसं)। सायला शहर के खेल मैदान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ खण्ड सायला के शाखा संगम कार्यक्रम में 21 शाखाओं के 251 स्वयंसेवकों ने 18 स्थानों से भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रहलाद कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में सायला के प्रत्येक गांव का दर्शन हो रहा है। संघ का कार्य ही ईश्वरीय कार्य है अत: पूर्ण मनोयोग के साथ इस पवित्र कार्य को करना चाहिए। पंच परिवर्तन सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण का संरक्षण, स्वदेशी भाव एवं नागरिक कर्तव्य से ही उन्नत समाज एवं समृद्ध भारत का निर्माण संभव हैं।

कार्यक्रम में आनंददास महाराज थलवाड का पावन सानिध्य स्वयंसेवकों को मिला।

अफीम तस्करी का आरोपी दो माह बाद गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। फलोदी जिला स्पेशल टीम ने 230 ग्राम अवैध अफीम दूध सप्लाई करने के प्रकरण में दो माह से फरार चल रहे आरोपी को खारा गांव में दबिश देकर गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

फलोदी पुलिस अधीक्षक पूजा अवाना ने बताया कि गत 26 सितंबर को उप निरीक्षक खेताराम ने आरोपी मुक्तसर साहिब पंजाब निवासी लवप्रीतसिंह को 230 ग्राम अवैध अफीम के दूध सहित दस्तयाब कर एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया था। पूछताछ में लवप्रीतसिंह से बरामद अफीम का दूध आरोपी खारा निवासी श्रीराम पुत्र सुरताराम से खरीदना बताया था लेकिन आरोपी श्रीराम फरार चल रहा था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्रजराजसिंह, वृताधिकारी अचलसिंह देवड़ा के सुपरविजन में स्पेशल टीम के प्रभारी हैड कानिस्टेबल प्रदीप मय टीम ने आरोपी श्रीराम को खारा गांव में दबिश देकर दस्तयाब किया। आरोपी से अफीम के दूध की खरीद फरोख्त के संबंध में अनुसंधान किया जा रहा है।

भामाशाहों ने स्टेडियम एवं खेल मैदान बनाने की ली जिम्मेदारी

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के राजकीय विद्यालयों में इंडोर स्टेडियम एवं खेल मैदानों की कमी देखते हुए कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे के निर्देशानुसार शिक्षा विभाग के अधिकारियों व संस्था प्रधानों द्वारा स्थानीय भामाशाहों से सम्पर्क करने पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दादाल, ओटवाला, नरसाणा, रेवतड़ा, रायपुरिया एवं लेटा में भामाशाहों ने इण्डोर स्टेडियम/खेल मैदान बनाने की सहमति प्रदान की हैं।

कलैक्टर गावंडे की अध्यक्षता में बैठक में दादाल निवासी डॉ. अशोक जैन, जो राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दादाल में संसदनुमा विद्यालय भवन बना रहे है, वे अब 2 करोड़ की लागत से इण्डोर स्टेडियम व खेल मैदान भी विकसित करेंगे। भामाशाह हुकमसिंह राजपुरोहित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ओटवाला में 1 करोड़ की राशि से इंडोर स्टेडियम बनवाने पर सहमत हुए। नरसाणा में सुरेश सिंह राजपुरोहित 1 करोड़ रूपये से खेल मैदान/स्टेडियम बनाने के लिए सहमत हुए। उच्च माध्यमिक विद्यालय रायपुरिया में पूर्व विद्यार्थी परिषद रायपुरिया 2 करोड़ की राशि से विभिन्न खेल मैदान विकसित करेगी। रेवतड़ा निवासी भामाशाह प्रवीण कुमार जैन (गोल्ड मेडल) उच्च माध्यमिक विद्यालय रेवतड़ा के लिए 4 करोड़ की राशि के आधुनिक खेल मैदान बनाकर जनहित में शिक्षा विभाग को सुपुर्द करेंगे। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नन्दकिशोर राजौरा, मुख्य जिला शिक्षाधिकारी गंगा कलावंत, जिला शिक्षाधिकारी माध्यमिक भैराराम, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र के महाप्रबंधक संग्रामराम देवासी, एडीईओ माध्यमिक मोहनलाल परिहार एवं एडीपीसी ईश्वरसिंह उपस्थित रहे।

ए.डी.जे. की परीक्षा देने से पहले अधिवक्ता ने जान दी

- **सुसाइड नोट में स्वैच्छा से मरने की बात की और परीक्षा की पूर्ण तैयारी नहीं होने की बात लिखी**

जोधपुर, (कासं)। बालोतरा से जोधपुर आए एक अधिवक्ता ने होटल के कमरें में विषाक्त पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। संभवत: गोलियां खाई गई है। उन्होंने रविवार को हुई एडीजे परीक्षा देने से पहले ही सुसाइड कर लिया। मरने से पहले एक सुसाइड नोट लिखा जिसमें स्वैच्छा से मरने की बात की और परीक्षा की पूर्ण तैयारी नहीं होने की बात लिखी है। सूचना पर उदयमंदिर पुलिस होटल पर पहुंची और शव को एमजीएच की मोर्चरी पर भिजवाया। शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया गया।

उदयमंदिर थाने के एएसआई नाथूराम ने बताया कि मूलत: बालोतरा जिले के समदड़ी निवासी 49 वर्षीय विक्रमसिंह पुत्र गणपत सिंह शनिवार को जोधपुर आए थे। वे पेशे से अधिवक्ता थे। शनिवार को वे उदयमंदिर स्थित होटल मोहन विलास में आकर रूके थे। उन्हें रविवार को एडीजे परीक्षा में शामिल होना था। मगर रविवार सुबह परीक्षा से पहले ही सूचना मिली कि वे होटल के कमरा नंबर 205 में अचेतावस्था में पड़े है। तब उन्हें अस्पताल ले जाया गया, मगर डॉक्टर ने उन्हें मृत बता दिया। संभवत: विषाक्त पदार्थ या गोलियां खाकर उन्होंने आत्महत्या की है। उनके पास से एक सुसाइड नोट मिला है जिसमें उन्होंने स्वैच्छा से मरना बताया और खुद को इसका जिम्मेदार होना बताया। सुसाइड नोट के अनुसार वे परीक्षा की अच्छे से तैयारी नहीं करने की बात भी लिखी है।

एएसआई नाथूराम ने बताया कि रविवार को परीक्षा का आयोजन था और वे परीक्षा देने के लिए यहां होटल में आकर रूके थे। मगर परीक्षा देने से पहले ही सुसाइड कर लिया। संभवत: गोलियां खाई गई है। मृत्यु का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही पता लग पाएगा। उनके भाई मूलत: बालोतरा के समदड़ी, हाल पाल बाइपास रोड मंगलदीप एंक्लेव मानसरोवर कॉलोनी निवासी भगवत सिंह की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई है। मामले में अग्रिम अनुसंधान जारी है।

पाक विस्थापितों ने जैसलमेर में धरना दिया

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर में कलेक्टर ऑफिस के सामने पाक विस्थापितों ने अनिश्चितकालीन धरना लगाया। पाक विस्थापितों ने बिजली विभाग पर बिजली कनेक्शन के पैसे जमा करवाने के बाद भी मीटर नहीं लगाने के आरोप लगाए। पाक विस्थापितों का कहना है कि जब तक बिजली कनेक्शन नहीं मिलेगा तब तक उनका धरना जारी रहेगा।

बिजली डिस्कॉम के एईएन का कहना है कि यूआईटी के हाल ही बिजली कनेक्शन के लिए जारी एनओसी को खारिज करने के कारण बिजली कनेक्शन अटका है। जब तक यूआईटी बिजली कनेक्शन को लेकर एनओसी जारी नहीं करेगी तब तक मीटर नहीं लगेंगे। वहीं यूआईटी सचिव पवनकुमार का कहना है कि यूआईटी कि जमीन में पहले गलत तरीके से एनओसी जारी कि गई थी। इसलिए जांच करने के बाद यूआईटी की जमीन निकलने पर एनओसी को खारिज किया गया है। अब मामले का परीक्षण करवाया जाएगा।

ज्ञात रहे कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा 14 अगस्त को जैसलमेर का दौरा कर जैन भवन में संगोष्ठी कर पाक विस्थापितों का दर्द सुना गया है।

धरने पर बैठे किशन भील ने बताया कि अमरसागर गांव में पाक विस्थापित बरसों से रह रहे हैं और कई लोग हाल के वर्षों में पाकिस्तान से विस्थापित होकर यहां आए। बिजली विभाग में फाइलें आदि जमा करवाने और पैसा आदि भरने के बाद भी बिजली के कनेक्शन नहीं दे रहा है। बिजली विभाग के अधिकारियों को 3 नवंबर को कलेक्टर प्रतापसिंह ने भी बिजली मीटर देने के निर्देश दिए

पत्रकारों के लिए सुरक्षा कानून की मांग

पाली, (नि.सं.)। पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर पाली आई.एफ.डब्लू.जे. के पाली अध्यक्ष अरुण जोशी के नेतृत्व में सोमवार को मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें कवरेज के दौरान पत्रकार पर जान लेवा हमले तथा राज्य में पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के सम्बंध में मांग की।

ज्ञापन में बताया कि कि टोंक जिले के अलीगढ़ गांव में सड़क अवरोध कर प्रदर्शन कर रहे लोगों व तथा वहां डॉ किरोड़ी लाल मीना के उन्हें सम्बोधन के दौरान पीटीआई के स्थानीय संवाददाता अजित सिंह शेखावत व उनके कैमरामैन धर्मेंद्र पर जानलेवा हमला किया गया। इस सुनियोजित ढंग से किए गए हमले में दोनों को गंभीर चोटें आई और उनके कैमरे और माइक तोड़ दिए गए।

उसके पश्चात कैमरे को जला भी दिया गया। जैसे तैसे दोनों ने डॉ किरोड़ी लाल मीना से सुरक्षा की गुहार लगाई जब तक उन्हें उन्मादी भीड़ में सम्मिलित अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों से बचाया जाता है तब तक गंभीर चोटें लगने से वह वहीं गिर पड़े। बमुश्किल उनकी जान बच पाई ।

इस निंदनीय जानलेवा हमले को लेकर पत्रकारों में जबरदस्त रोष है। आई एफ डब्ल्यू जे संगठन द्वारा लगातार पत्रकार सुरक्षा कानून लागू कराने की मांग विगत आठ वर्षों से उठाई जा रही है। पत्रकारों की इस प्रमुख मांग को लेकर विगत सरकार के समय दो बार पत्रकारों द्वारा विधानसभा का घेराव भी किया गया था।

पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर पाली आई.एफ.डब्लू.जे. संगठन के पाली अध्यक्ष अरूण जोशी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। फोटो-राष्ट्रदूत

टोंक के घटनाक्रम में दोषी लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के दिशानिर्देश जारी कराए तथा पीड़ित पत्रकारों को उनके न्यूज कवरेज में काम आने वाले वो सभी उपकरण जिन्हें उपद्रवियों ने नष्ट कर दिए उनकी भरपाई कराई जावे। साथ ही अविलंब पीड़ित पत्रकारों को आर्थिक सहायता मुहैया कराई जावे। आई एफ डब्ल्यू जे संगठन के प्रतिनिधियों को वार्ता के लिए समय प्रदान करें ताकि पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने सहित पत्रकारों से संबंधितअन्य मुद्दों को प्रत्यक्ष रूप से रखा जा सके।

नर्सिंग कर्मियों ने ज्ञापन दिया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन जोधपुर शहर के अध्यक्ष जगदीश जाट के नेतृत्व में प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ को आज विभिन्न मांगों का ज्ञापन सौंपा गया।

प्राप्त जाानकारी के अनुसार ज्ञापन में नर्सिंग संवर्ग की 27 वर्षीय मोडिफाइड एसीपी, नई भर्ती से पहले पुराने कर्मचारियों के लिए ट्रांसफर बैन खोलने, मेडिकल कॉलेज में कार्यभार और विभागों की बढ़ती संख्या देखते हुए एक हजार पद नर्सिंग अधिकारी और 200 पद वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी के सृजित करने, यूटीबी नर्सिंग अधिकारियों के एक वर्ष का एक्सटेंशन जारी करने, सीनियर नर्सिंग अधिकारी की डीपीसी जारी करने, कैडर रिव्यू करने, नर्सिंग क्वाटर हर अस्पताल में बनवाने, नर्सिंग स्कूल में स्कूल बस की स्वीकृति देने, राजकीय पोर्टल पर नर्सिंग अधिकारी के नवीन पदनाम जल्द चढ़ाने आदि की मांग की। इस पर प्रमुख शासन सचिव ने इस पर कार्यवाही हेतु आश्वस्त किया।

ज्ञापन देने के दौरान सुनीता पुरोहित, अनिल विश्नोई, सुरेंद्र गोदारा, रितेश सिसोदिया, ज्ञान सागर मीणा, पवन मालव, आदि नर्सिंग अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान सरकार
राईस सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग

कार्यालय प्रधानाचार्य डॉ भीमराव अम्बेडकर राजकीय बालिका आवासीय विधालय भैसवाडा (जालोर)

क्रमांक- 220 दिनांक -25/11/2024

विज्ञप्ति

श्रीमान निदेशक एवं सयुंक्त शासन सचिव एवं राईस , सामाजिक न्याय एव अधिकारिता विभाग राजस्थान सरकार जयपुर के पत्रांक एफ 1(A) (01965) स्था ./ राईस / गेस्ट फैक्टी /2022/219 दिनांक 10.06.2024 एवं वित्त विभाग के परिप्रत्र क्रमांक प.6 (2) वित / सा.वि.ले.नि./2021 जयपुर दिनांक 30.03.2021 की अनुपालना मे शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए डां भीमराव अम्बेडकर राजकीय बालिका आवासीय विधालय भैसवाडा जालोर मे अध्यापन व्यवस्था को सुचारु रुप से संचालित करने के लिये विधासबल योजना के अंतर्गत निम्नाकित रिक्त शैक्षणिक पदो के विरुध्द राजस्थान शिक्षा (राज्य एव अधीनस्थ) सेवा नियम 2021 मे सम्बधित पद एवं विषय हेतु वर्णित प्रावधानो के अनुसार निर्धारित शैक्षणिक व प्रशैक्षणिक योग्यता रखने वाले सेवानिवृत कार्मिको अधिकतम आयु 65 वर्ष / निजी अभ्याथियो से वित विभाग के परिपत्र मे वर्णित मानदेय की दरो पर बजत उपलब्धता की शर्ते के अध्याधीन गेस्ट फैकल्टी के आवेदन पत्र आंमत्रित किये जाते है । निर्धारित प्रारुप मे पुर्ण भरा हुआ आवेदन पत्र , समस्त आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर अंतिम तिथि तक प्रधानाचार्य को स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत करे । आवेदन की अंतिम तिथि - 30.11.2024 (01.00 pm बजे)

क्र. स.	पद का नाम	विषय	पदो की संख्या
1.	व्याख्याता	हिंदी	01
2.	प्रयोगशाला सहायक	विज्ञान वर्ग	01

निजि अभ्याथियो की न्युनतम आयु 21 वर्ष होगी । अभ्यर्थी दो उत्तरदायी व्यक्तियों द्वारा जारी अपना चरित्र प्रमाण प्रत्र कार्य ग्रहण के समय प्रस्तुत करेंगे । चयन प्रक्रिया में चयन समिति का निर्णय अंतिम व सर्वमान्य होगा ।। आवेदन प्रत्र प्रारुप व अन्य जानकारी विधालय समय में स्थानीय विधालय के कार्यालय सें प्राप्त करें । ।

प्रधानाचार्य
डॉ .बी. आर अम्बेडकर रा.बा.आ.
उ.मा.वि. भैसवाडा
मो.न. 9772570050

स्कूटी सवार महिला को बचाने में जीप पलटी, पांच पुलिसकर्मी घायल

उच्चैन थाने का जाब्ता कार्रवाई के लिए फील्ड में जा रहा था, सेवर तिराहे पर हादसा हुआ

भरतपुर, (निसं)। उच्चैन थाने की जीप एक स्कूटी सवार महिला को बचाने में पलट गई। घटना में पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिनमें से 4 पुलिसकर्मियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। एक पुलिसकर्मी को प्राथमिक इलाज देकर छुट्टी दे दी गई है। थाने का जाब्ता कार्रवाई के लिए फील्ड में जा रहा था। इस दौरान यह हादसा हुआ।

एएसपी सतीश कुमार ने बताया कि घटना सुबह करीब 9 बजकर 30 मिनट की है। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चल रहा है। थाने का जाब्ता कार्रवाई के लिए फील्ड में जा रहे थे। इस दौरान सेवर थाना इलाके में सेवर तिराहे स्थित रूद्र होटल से एक स्कूटी सवार महिला लापरवाही से पुलिस की जीप के आगे आ गई। स्कूटी सवार महिला को बचाने के चक्कर में पुलिस की जीप अनियंत्रित हो गई और तीन से चार पलटी खा गई। जीप में बैठे एएसआई कंचन सिंह, हेड कांस्टेबल ड्राइवर जयसिंह, हेड कांस्टेबल ब्रह्म स्वरूप, हेड कांस्टेबल लक्ष्मण सिंह, कांस्टेबल विश्वेंद्र सिंह घायल हो गए। आसपास के लोगों ने तुरंत पांचों पुलिसकर्मियों को जीप से बाहर निकाला। घटना की सूचना सेवर थाना पुलिस को दी गई, जिसके बाद सभी को आरबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया। कांस्टेबल विश्वेंद्र के मामूली चोट आई हैं, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। वहीं कंचन सिंह को ज्यादा चोटें आई है। घटना की सूचना मिलने के बाद एसपी मृदुल कच्छावा और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और सभी घायल पुलिसकर्मियों से घटना को लेकर बात की। चारों पुलिसकर्मियों का आरबीएम अस्पताल में इलाज जारी है।

हादसे के बाद घायल पुलिसकर्मियों को अस्पताल में भर्ती करवाया।

- **लोगों ने पांचों पुलिसकर्मियों को जीप से बाहर निकाला और सभी को अस्पताल में भर्ती करवाया**

कपड़े के गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का कपड़ा जला

महावीर मार्ग में कपड़े के गोदाम में लगी आग से कपड़ा व सामान जल गया।

मालपुरा, (निसं)। शहर के अति व्यस्त महावीर मार्ग में सोमवार को कपड़ा व्यापारी के कपड़ों के गोदाम में लगी आग से लाखों रूपयों का कपड़ा व घरेलू सामान जलकर हुआ राख। दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पालिका दमकल ने आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार सोमवार की दोपहर करीब दो बजे महावीर मार्ग में कैलाश डेठाणी की कपड़े की दुकान नवीन टेक्सटाईल के तीसरे माले पर गीजर में हुये शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते विकराल हुई आग ने पास ही कपड़ो के गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। कपड़ों में लगी आग से उठे धुंआ के गुबार निकलने पर पड़ोसी व्यापारियों ने कैलाश जैन को सूचना दी। मौके पर पहुंची नगरपालिका दमकल की सहायता से आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। लेकिन आग और ज्यादा विकराल हो गई। तकरीबन एक दर्जन फायर सिलेंडरों से भी आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। बापू गैस एजेन्सी के कार्मिको ने तत्काल कमरे में कूदकर गीजर में लगे गैस सिलेंडर को सुरक्षित निकाल लेने से बड़ा हादसा होने से टल गया।

सूचना पर मौके पर पहुंचे पुलिस उप अधीक्षक आशीष प्रजापत व मालपुरा थाने का भारी पुलिस जाप्ता तत्काल बाजार में पहुंचा। एएसआई रामनारायण गुर्जर सहित थाने के जवानों ने कडी मशक्कत कर मकान से परिवारजनों को सुरक्षित निकाल आमजन के सहयोग से आग पर काबू पा लिया।

- **गीजर में हुये शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने पास ही कपड़ों के गोदाम को चपेट में ले लिया**

लॉरेंस विश्नोई के नाम पर 50 लाख की रंगदारी मांगी

पीड़ित को मैसेज किया कि रुपए नहीं दिए तो जान की कीमत चुकानी पड़ेगी

भरतपुर, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित कुम्हेर गेट निवासी विवेक शर्मा से लॉरेंस विश्नोई के नाम पर कॉल कर 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगी गई है। पीड़ित व्यक्ति को मैसेज कर कहा गया है कि अगर रुपए नहीं दिए तो जान की कीमत चुकानी पड़ेगी। मामले को लेकर पीड़ित ने कोतवाली पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया है। मामला दर्ज होते ही पुलिस जांच में जुट गई है।

पीड़ित विवेक शर्मा ने बताया कि उसके पास 15 नवंबर को कॉल आया था। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को लॉरेंस विश्नोई का सदस्य बताते हुए 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगी। मैने फोन काट दिया। उसके बाद एक धमकी भरा मैसेज आया और उसमें लिखा था कि आगे के मैसेज विश्नोई ग्रुप से मिलेंगे। 23 नवंबर को शाम को मैसेज आया जिसमें धमकी भरे लहजे में लिखा था 50 लाख रुपए तैयार रखना, कल फोन करेंगे। पैसा नहीं दिया गया तो गोली मार दी जाएगी, लॉरेंस विश्नोई गिरोह, जय श्री राम।

जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि पीड़ित ने पुलिस में मामला दर्ज करा दिया है। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस टीम गठित कर जांच की जा रही है। जिन नंबर से कॉल और मैसेज किए गए है उनकी जांच तकनीकी सर्विलांस की सहायता से की जा रही है। जल्द आरोपी की गिरफ्तारी कर मामले का खुलासा करेंगे।

जानकारों की माने तो यह जो रंगदारी मांगी गई है इसका तरीका लॉरेंस विश्नोई की गैंग जैसा नहीं है। लॉरेंस विश्नोई की गैंग द्वारा जब भी किसी के पास फोन किया जाता है तो विदेशी नंबर होते हैं, लेकिन भरतपुर के व्यक्ति को जिस नंबर से फिरौती मांगी गई है, वह सामान्य नंबर और टैक्स्ट मैसेज किया गया है।

लाखों के जेवर व नकदी चोरी

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में सूने मकान का अज्ञात चोर ताला तोड़ कर लाखों के जेवरात व नकदी चुरा ले गए। पीड़ित हरिहर नगर श्रीनगर अम्बामाता निवासी पवन सोनी पुत्र नारायणलाल सोनी ने अम्बामाता पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़ित ने बताया कि 23 मई को परिवार सहित रिश्तेदारी में आयोजित शादी समारोह में गए थे। वहां से लौटे तो मकान का ताला टूटा हुआ एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। तलाशी ली तो करीब नौ लाख के सोन- चांदी के जेवरात तथा 1 लाख 25 हजार रूपये नकदी गायब थी। इस पर पुलिस को सूचना कर चोरी गए जेवरात की सूची बाद में देने की रिपोर्ट दी है।

नशीले कैप्सूल के साथ एक गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के पदमपुर की ऋद्धि-सिद्धि कॉलोनी में पुलिस ने रविवार शाम एक बदमाश को 360 नशीले कैप्सूल के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी इसी एरिया के गांव 18 बीबी का रहने वाला है। पुलिस को कस्बे की ऋद्धि-सिद्धि कॉलोनी में एक बदमाश के पास नशीले कैप्सूल होने की जानकारी मिली। इस पर एएसआई महेंद्र कुमार को मौके पर भेजा गया। पुलिस को कॉलोनी की जिस लोकेशन पर युवक के खड़े होने के जानकारी मिली थी, वहां पहुंचते ही मौके पर मौजूद युवक घबरा गया। इस पर पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली। उसके पास 360 नशीले कैप्सूल बरामद हुए। आरोपी बिंद्रसिंह पुत्र ज्ञानसिंह ने बताया कि वह गांव 18 बीबी का रहने वाला है। पुलिस उसे थाने ले आई। उससे नशीले कैप्सूल लाने के पीछे उसके इरादे के बारे में पता लगाया जा रहा है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि वह यह नशीले कैप्सूल कहां से लाया है। जिले के पदमपुर में नशे का कारोबार काफी बढ़ा हुआ है। पहले भी यहां नशीले कैप्सूल पकड़े जाने के कई मामले सामने आ चुके हैं।

अवैध बजरी से भरा ट्रक जब्त

निवाई, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने अवैध बजरी परिवहन करते हुए एक केन्ट्रा ट्रक को जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी जयमल सिंह ने बताया कि पुलिस गश्त के दौरान गांव मूंडिया बाईपास पर पानी की टंकी के पास से बजरी परिवहन करने पर एक टाटा केन्ट्रा गाड़ी को जब्त किया गया। उन्होंने बताया कि चालक रतन लाल पुत्र हरजीराम गुर्जर निवासी जेबाडिया थाना बरोनी को गिरफ्तार कर गाड़ी को जब्त करके थाने में खड़ा करवा दिया है।

अनियंत्रित होकर खाई में गिरी गाड़ी, तीन घायल

दो गंभीर घायलों को नीमकाथाना अस्पताल रैफर किया

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी से नीमकाथाना जाने वाली सड़क पर सोमवार सुबह एक गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। इस हादसे में गाड़ी में सवार एक महिला सहित तीन जने घायल हो गए। हादसे में दो घायलों की हालत गंभीर होने पर नीमकाथाना रैफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार मुकुंदगढ निवासी अभिमन्यु (12) पुत्र अनिल, उषा (28) पत्नी अनिल अपनी रिश्तेदारी में शामिल होने के लिए खेतड़ी के लूणा की ढाणी आए हुए थे। रविवार को अभिमन्यु, उषा व खेतड़ी निवासी कैलाश पुत्र कालूराम गाड़ी में सवार होकर लूणा की ढाणी से सेफरागुवार बारात में गए थे। सुबह जब वापस सेफरागुवार से अपने घर लूणा की ढाणी लौट रहे थे तो गांव पहुंचने से कुछ दूर पहले ही अचानक गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया। इस दौरान गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी करीब दस फीट खाई में गिर गई।

हादसे में गाड़ी में सवार व्यक्ति घायल हो गए। हादसे के दौरान आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तथा घायलों को खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल में पहुंचाया। हादसे में घायल अभिमन्यु पुत्र अनिल व कैलाश पुत्र कालूराम की हालत गंभीर होने पर नीमकाथाना जिला अस्पताल के लिए रैफर कर दिया, जबकि घायल उषा को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। हादसे की सूचना पर खेतड़ी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का मौका मुआयना किया तथा क्रेन की मदद से गाड़ी को खाई से बाहर निकाला। हादसे में गाड़ी भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

अल्टो कार पर पलटा बेकाबू ट्रेलर, दंपती की दर्दनाक मौत

सड़क पर आए मवेशी को बचाने के चक्कर में ट्रेलर बेकाबू हो गया था

- **भतीजे की शादी के बाद गणेशजी की थाली कार्यक्रम में शामिल होकर दंपती मेड़ता सिटी लौट रहे थे**
- **हादसे में भतीजे की शादी से लौट रहे कार सवार ज्वैलर और उनकी पत्नी की मौत हो गई**
- **चूना पाउडर से भरे करीब 60 टन वजनी कट्टे लदे ट्रेलर के नीचे दबने से कार बुरी तरह पिचक गई**

जोधपुर, (कासं)। सड़क पर आए मवेशी को बचाने के चक्कर में एक ट्रेलर बेकाबू होकर पीछे चल रही अल्टो कार पर पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि ट्रेलर के नीचे दबने से अल्टो कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। हादसे में भतीजे की शादी से लौट रहे कार सवार ज्वैलर और उनकी पत्नी की मौत हो गई। एक घंटे की मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला जा सका। मामला जोधपुर के पीपाड़ के मेगास्टेट हाईवे 21 दांतीवाड़ा-मेड़ता पर मालावास के पास रविवार रात हुआ।

पीपाड़ एसएचओ चुनीलाल ने बताया कि मेड़ता शहर की पंडित दीनदयाल कॉलोनी में रहने वाले खेमराज सोनी (36) और उनकी पत्नी मोनिका सोनी (34) पीपाड़ में भतीजे के शादी समारोह में शामिल होने आए थे। लौटते समय पीपाड़ से करीब दस किलोमीटर दूर मालावास के पास उनके आगे चल रहे ट्रेलर के सामने अचानक एक मवेशी आ गया। इसे बचाने के चक्कर में ट्रेलर ड्राइवर ने कट मार दिया, जिससे ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलट गया और खेमराज की कार ट्रेलर के नीचे दब गई। ट्रेलर में चूना पाउडर से भरे करीब 60 टन वजनी कट्टे लदे हुए थे। इतने भारी ट्रेलर के नीचे दबने से कार बुरी तरह पिचक गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। घटना स्थल पर पहुंच कर तीन क्रेन और दो जेसीबी की मदद से ट्रेलर को हटवाया। इसके बाद काफी मशक्कत से कार के अंदर फंसे खेमराज और मोनिका को बाहर निकाला। खेमराम की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। वहीं पत्नी मोनिका की सांसे चल रही थी, लेकिन पीपाड़ हॉस्पिटल ले जाते समय उन्होंने दम तोड़ दिया।

घर पर ही थे बेटा-बेटी :- गत 22 नवम्बर को पीपाड़ में खेमराज के भतीजे की शादी थी। शादी के बाद रविवार को गणेशजी की थाली का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में शामिल होने के बाद खेमराज अपनी पत्नी मोनिका के साथ मेड़ता सिटी लौट रहे थे। खेमराज मेड़ता शहर के नन्हा बाजार में ज्वैलरी की दुकान संचालित करते थे। उनके परिवार में सात साल का बेटा और पांच साल की बेटी है। दोनों बच्चों ने माता-पिता को खो दिया। वे दोनों शादी में नहीं गए थे।

विश्वराज सिंह मेवाड़ का चित्तौड़ के फतह प्रकाश महल में राजतिलक हुआ

चित्तौड़गढ़ में विश्वराज सिंह मेवाड़ को गद्दी पर बैठाने की परंपरा निभाई गई

उदयपुर, (कासं)। मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के महाराणा महेंद्रसिंह मेवाड़ के निधन के बाद उनके बेटे विश्वराज सिंह मेवाड़ का सोमवार को चित्तौड़ के फतह प्रकाश महल में राजतिलक हुआ। इसमें मेवाड़ के राव उमराव सहित हजारों लोग शामिल हुए। चित्तौड़गढ़ में विश्वराज सिंह मेवाड़ को गद्दी पर बैठाने की परंपरा निभाई गई। लोकतंत्र आने के बाद राजशाही खत्म हो गई है, लेकिन प्रतीकात्मक यह रस्म निभाई जाती है। सोमवार को चित्तौड़गढ़ किले के फतह प्रकाश महल में दस्तूर (रस्म) कार्यक्रम के दौरान खून से राजतिलक की रस्म हुई।

ऐतिहासिक चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर लगभग 493 साल बाद राजतिलक की रस्म का आयोजन फतह प्रकाश महल प्रांगण में हजारों राजपूत समाजजनों के बीच धार्मिक और पारम्परिक रीति रिवाजों के साथ सम्पन्न हुआ। विश्वराज सिंह इस गद्दी पर बैठने वाले एकलिंगनाथजी के 77वें दीवान हुए। कार्यक्रम मेवाड़ के राव उमराव, ठिकानेदार पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे वहीं देश के कई राजपरिवारों के मुखिया या प्रतिनिधि, सामाजिक, शिक्षा, राजनीतिक, सांस्कृतिक क्षेत्रों के भी कई प्रमुख, मेवाड़ के कई संत महात्मा और विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। मेवाड़ की परंपरा अनुसार सलूंबर रावत देवव्रत सिंह ने राजतिलक की परंपरा निभाई। उसके बाद उमराव, बत्तीसा अन्य सरदार और सभी समाजों के प्रमुख लोगों ने नजराने पेश किये। इस मौके पर मौजूद अतिथियों ने आयोजन को इतिहास दौहराने वाला बताते हुए विश्वराज सिंह पर एकलिंग दिवान का दायित्व निर्वहन करने का विश्वास जताया। चित्तौड़गढ़ किले में राजतिलक की रस्म के दौरान विश्वराज सिंह को 21 तोपों की सलामी दी गई। विश्वराज सिंह वर्तमान में नाथद्वारा से विधायक भी हैं।

महाराणा महेंद्रसिंह मेवाड़ के निधन के बाद विश्वराज सिंह मेवाड़ का राजतिलक हुआ।

- **पारिवारिक विवाद के चलते उदयपुर में सुबह से सिटी पैलेस के मुख्य द्वार बंद रहे**

विश्वराज सिंह के राजतिलक की रस्म पर विवाद छिड़ा :- उदयपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य और पूर्व सांसद महेंद्रसिंह मेवाड़ के निधन के बाद उनके बड़े बेटे विश्वराज सिंह के राजतिलक की रस्म पर विवाद छिड़ गया है। महेंद्र सिंह मेवाड़ के भाई और विश्वराज के चाचा अरविंद सिंह मेवाड़ के परिवार ने परंपरा निभाने से रोकने के लिए उदयपुर के सिटी पैलेस के दरवाजे बंद कर दिए। वहीं आम सूचना प्रकाशित करके एकलिंग मंदिर में भी अनाधिकृत प्रवेश पर रोक लगा दी। हालांकि पारिवारिक विवाद के चलते सोमवार को उदयपुर में सिटी पैलेस के दोनों प्रमुख द्वारा सुबह से ही बंद रहे। इधर उदयपुर के सिटी पैलेस के दोनों मुख्य गेट बंद रहने के साथ ही सुबह से ही पैलेस प्रबंधन का पहरा रहा। दोपहर बाद कलेक्टर अरविंद पोसवाल, एसपी योगेश गोयल सहित पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी जगदीश चौक होते हुए त्रिपोलिया गेट के बाहर पहुंचे। इस दौरान कुछ पल के लिए सिटी पैलेस के गेट खोलकर इनको अंदर प्रवेश करवाया। उसके बाद फिर से गेट बंद कर दिए गए। पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारी दोनों पक्षों के बीच वार्ता कर सहमति बनाने के प्रयास कर रहे हैं। पुलिस ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जाब्ता लगाया है। बाद में इन अधिकारियों ने समोर बाग वाले गेट पर जाकर स्थिति देखी। प्रशासन और पुलिस इस मामले में सहमति के लिए प्रयास कर रहा है। एक दिन पहले दूसरे पक्ष ने दो विधिक नोटिस जारी कर बिना अनुमति पैलेस में और एकलिंगजी मंदिर में प्रवेश पर चेताया है तो दूसरी तरफ विश्वराज सिंह मेवाड़ का पक्ष सिटी पैलेस में जाने के लिए अड़ा है।

महिला ने आत्महत्या की

उदयपुर, (कासं)। विवाहिता ने विषाक्त वस्तु सेवन कर आत्महत्या कर ली। इस मामले में दंपती के खिलाफ पीड़िता को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गोगुन्दा थाना क्षैत्र बडलीवाली भागल निवासी मीना कुंवर (30) पत्नी चम्पासिंह ने विषाक्त वस्तु का सेवन कर आत्महत्या कर ली। मीना कुंवर 22 नवंबर को कडिया की हर से पैदल घर लौट रही थी। इस दौरान बीच रास्ते मिले रूपसिंह व उसकी पत्नी विद्याबाई दोनों ने उसे खरी-खोटी बात कही तथा जहर खाकर मरने की बात कही। इससे परेशान होकर उसने घर लौटकर विषाक्त का सेवन कर लिया। जिसे उपचार के लिए उसे एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर एएसआई गोपालसिंह ने पीहर खमनोर से परिजनों को बुलवाकर उनकी मौजूदगी में मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

पुलिसकर्मी की मौत

भुसावर, (निसं)। उपखण्ड भुसावर के गांव छौंकरवाड़ा कलां निवासी एक पुलिसकर्मी की सड़क हादसे में हुई मौत के बाद उसके शव की राजकीय सम्मान के साथ अन्त्येष्ठि की गई। मिली जानकारी के अनुसार गांव छौंकरवाड़ा कलां निवासी 52 वर्षीय मुकेश पुत्र मूली शर्मा जयपुर पुलिस में हैड कॉन्सटेबल के पद पर तैनात था, जहां उसकी सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी थी। घटना के बाद गांव में जैसे ही उनका शव पहुंचा तो कोहराम मच गया।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

क्रमांक : विद्युत/2024-25/910 दिनांक :- 22.11.24

ई- बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 07/2024-25

नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विद्युत सम्बंधित 02 कार्य जिनकी कुल अनुमानित लागत राशि 48.7 लाख के कार्य हेतु ई-प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से ऑनलाईन निविदा दिनांक 04.12.24 समय सांय 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकरी www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। UBN No UNP2425WSRC00144

राज.संवाद/सी/24/8253 आयुक्त, नगर निगम, उदयपुर

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIVISION DHOLPUR

File No. 3199 **Notice Inviting Bid** Date 20.11.2024

NIB code PWD2425A2737 and UBN is: PWD2425WSOB09936
NIB code PWD2425A2737 and UBN is: PWD2425WSOB09937
NIB code PWD2425A2737 and UBN is: PWD2425WSOB09938
NIB code PWD2425A2737 and UBN is: PWD2425WSOB09939
NIB code PWD2425A2737 and UBN is: PWD2425WSOB09940
NIB code PWD2425A2737 and UBN is: PWD2425WSOB09942
NIB code PWD2425A2737 and UBN is: PWD2425WSOB09943

Bids For NIT No. 09/2024-25 Misc. Work of PWD Division Dholpur of subject matter(s) of Procurement are Invited from interested bidders date 25.11.2024 11.00 AM to Date 06.12.2024 upto 6.00 PM. Other particulars of the id may be visited on the procurement portel (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppps.raj.nic.in) of the state; and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 78.45 Lacs

(D.K. Gupta)
Executive Engineer
PWD Division Dholpur

DIPR/C/11606/2024

कार्यालय नगर पालिका अकलेरा जिला झालावाड (राज.)

क्रमांक :- न.पा.अ./2024/1605 दिनांक :- 20/11/2024

ई-निविदा सूचना

इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्याः-न.पा.अ./2024/1591-1593 दिनांक 18/11/2024 के द्वारा MP-LADS निधि सें कुल 13 कार्य की अनुमानित लागत 40.86 लाख रू0 की पंजीकृत संवेदको से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। UBN No. DLB2425WSOB12059, DLB2425WSOB12060, DLB2425WSOB12061, DLB2425WSOB12062, DLB2425WSOB12063, DLB2425WSOB12064, DLB2425WSOB12065, DLB2425WSOB12066, DLB2425WSOB12067, DLB2425WSOB12068, DLB2425WSOB12069, DLB2425WSOB12070, DLB2425WSOB12071

अध्यक्ष नगर पालिका मांगरोल — अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका मांगरोल

राज.संवाद/सी/24/8241

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत सवाई माधोपुर

क्रमांक-लेखा/2024-25/डी-1898 दिनांक-20.11.2024

ई-निविदा सूचना संख्या-07/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर परिवर्तित बजट घोषणा 17.01/2024-25 के अन्तर्गत जिला सवाई माधोपुर की नगर परिषद सवाई माधोपुर एवं नगर पालिका बौली में सडक निर्माण कार्य हेतु मय पांच वर्ष की मरम्मत एवं संधारण की अवधि लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत "एए" एवं "ए" श्रेणी तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में 2 पैकेजों हेतु जिनकी कुल राशि 259.00 लाख है, प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। कार्यवार UBN संख्या निम्नानुसार है।

NIB NO. - PWD2425A2751
UBN NO. - 1- PWD2425WSOB09982, 2- PWD2425WSOB09983

(हरिसिंह मीना)
अधीक्षण अभियंता
सा.नि.वि. वृत सवाई माधोपुर

DIPR/C/11640/2024

कार्यालय नगर परिषद, हिण्डौन सिटी, जिला करौली

क्रमांकः-न.प.हि./2559 दिनांकः-22.11.2024

-:: ई-निविदा सूचना वर्ष 2024-25 ::-

नगर परिषद हिण्डौन सिटी की ओर से हिण्डौन शहर के ड्रेनेज सिस्टम की डीपीआर निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी के नगर परिषद/नगर निगमों/नगर विकास निकायों, जयपुर विकास प्राधिकरण, आवासन मण्डल व केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/ केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि केन्द्र/राजस्थान सरकार की सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों/फर्मो से कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ई-निविदा प्राप्त की जावेगी। ई-निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in/www.sppp.raj.gov.in पर देखी जा सकती है। UBN NO. DLB2425WSOB12261

सभापति नगर परिषद हिण्डौन सिटी — आयुक्त नगर परिषद हिण्डौन सिटी

राज.संवाद/सी/24/8246

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2024-25/174 - 176 Date : 22/11/2024

ई-निविदा सूचना संख्या : 49/2024-25

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	: रूपये 47.96 लाख (02 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	: 23.11.2024 को प्रातः 10.00 बजे से 03.12.2024 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	: 23.11.2024 को प्रातः 10.00 बजे से 03.12.2024 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	: 04.12.2024 को प्रातः 11.00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2425WSOB00372, ITU2425WSOB00373

अधिशाषी अभियन्ता - तृतीय उदयपुर विकास प्राधिकरण

राज.संवाद/सी/24/8217

लॉरेंस-रोहित गैंग के चार डिलीवरी बॉय हथियारों के साथ गिरफ्तार

हत्या की फिराक में घूम रहे इन बदमाशों के कब्जे से पुलिस ने देशी कट्टा, मैगजीन और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए

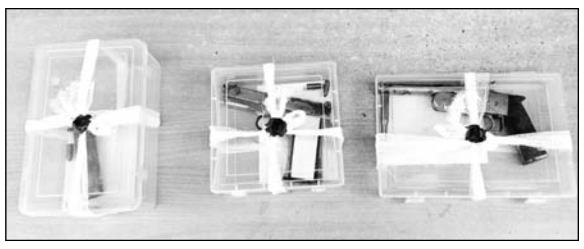

जयपुर में संजय सर्किल थाना पुलिस ने लॉरेंस विश्नोई और रोहित गोदारा गैंग के चार डिलीवरी बॉय को अवैध देशी हथियारों के साथ गिरफ्तार किया हैं।

- **इन्हीं बदमाशों ने जयपुर के ब्रह्मपुरी में रहने वाले व्यापारी की जानकारी रोहित गोदारा तक पहुंचाई थी, जिसके बाद रोहित ने दो व्यापारियों को धमकाकर रंगदारी मांगी थी।**
- **पुलिस ने बदमाशों के फोन की तलाशी ली तो पता चला कि लॉरेंस गैंग का गुर्गा भटिंडा जेल में बंद रहकर इन्हें मध्यप्रदेश से हथियार लाने और जयपुर में सप्लाई के बारे में जानकारी दे रहा था। इन बदमाशों के मोबाइल पर यू.एस. से भी कुछ कॉल आने की जानकारी सामने आई हैं।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। संजय सर्किल थाना पुलिस ने लॉरेंस विश्नोई और रोहित गोदारा गैंग के चार डिलीवरी बॉय को अवैध देशी हथियारों के साथ गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने चारों आरोपियों के पास से एक देशी कट्टा,एक मैगजीन और पांच जिंदा कारतूस बरामद किया हैं।

पुलिस जांच में सामने आया है कि गैंग में जुड़ने के लिए चारों आरोपित पिछले कुछ समय से गैंग के लिए डिलीवरी का काम किया करते हैं। साथ ही सामने आया है कि गिरफ्तार बदमाशों ने जयपुर के ब्रह्मपुरी में रहने वाले व्यापारी की जानकारी रोहित गौदारा तक पहुंचाई थी। जिसके बाद रोहित गोदारा ने दो व्यापारियों को धमकी देकर रंगदारी मांगी थी।

गिरफ्तार चारों बदमाशों के फोन कॉल की जांच में सामने आया है कि लॉरेंस गैंग का गुर्गा भटिंडा जेल में बंद इन चारों बदमाशों को हथियार मध्यप्रदेश से लाने और जयपुर में कहां पर सप्लाई करना है, की जानकारी देता था। इन के मोबाइल पर यूएस से भी कुछ कॉल आने की जानकारी सामने आई हैं।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि संजय सर्किल थाना पुलिस कार्रवाई करते हुए लॉरेंस गैंग से जुड़े हुए योगेश सैनी(28) निवासी सरोज सिनेमा के सामने संजय सर्किल, मोहम्मद अकील मँसुरी(31) निवासी भोपजी का डेरा संजय सर्किल, हरेन्द्र विश्नोई उर्फ राकेश (20) निवासी मकराना जिला डीडवाना-कुचामन हाल मालवीय नगर को गिरफ्तार कर इनके पास से एक पिस्टल, एक देशी कट्टा, एक मैगजीन व पांच कारतूस बरामद किये।

पकड़े गए बदमाशों से पूछताछ में सामने आया है कि वह लॉरेंश बिश्नोई गैंग के लिये काम करते हैं, उनके ही कहने पर किसी की हत्या करने के लिए हथियार लेकर आये थे। जिसकी हत्या की जानी है उसका नाम-पता व लोकेशन लॉरेंस ग्रुप के सदस्यों द्वारा दिया जाना था।

हत्या करने के बाद हम लोगों को गैंग की तरफ से पैसा मिलने वाला था। लॉरेन्स की गैंग वालों ने इंस्टाग्राम पर ग्रुप बना रखा है। पकड़े गए बदमाशों ने इस ग्रुप को फॉलो कर रखा हैं। हम लोग लॉरेंस बिश्नोई व उसकी गैंग के अन्य लोगों से सम्पर्क में आये थे। गिरफ्तार आरोपियों का लॉरेंस व रोहित गोदारा से सम्पर्क होने के कारण इन से गहन पूछताछ की गई तो पता चला कि दीपक सैनी निवासी बरवाला जिला हिसार हरियाणा के मार्फत पंजाब की जेल में बंद कैदी तथा रोहित गोदारा से सोशल मीडिया पर लगातार बातचीत होती रहती है।

रोहित गोदारा तथा लॉरेंस बिश्नोई का भाई अनमोल लगातार सोशल मीडिया पर भोले भाले लड़कों को जोड़कर उनका ब्रेनवॉश कर अपनी गैंग में शामिल करते हैं तथा पैसे वाले व्यापारियों के बारे में मालूम करके उनके मोबाइल नंबर प्राप्त कर उनको विदेश में बैठ कर रोहित गोदारा सोशल मीडिया व वॉट्सऐप के माध्यम से धमका कर फिरौती की रकम मांगता हैं। नहीं देने पर अपनी गैंग के अन्य सदस्यों द्वारा उनको डराने के लिए गोलियां चलवा देता हैं। ये चारों बदमाश लॉरेंस और रोहित गोदारा के लिए पिछले कई समय से डिलीवरी बॉय का काम किया करते थे। यह चारों बड़े व्यापारियों के नम्बर गैंग तक पहुंचाया भी करते थे। इन के द्वारा दिए गए नंबरों के बाद ब्रह्मपुरी में दो व्यापारियों को धमकी भरे कॉल भी आये थे।

मेनका गांधी ने जयपुर फुट की निर्माण विधि देखी

पूर्व केन्द्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता मेनका गाँधी ने भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति में विश्व प्रसिद्व जयपुर फुट की निर्माण विधि देखी।

जयपुर। पूर्व केन्द्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता मेनका गाँधी ने भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) में विश्व प्रसिद्व जयपुर फुट की निर्माण विधि देखी।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री मेनका गाँधी का बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता, सचिव भूपेन्द्र राज मेहता तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस.एस. बिस्सा ने स्वागत किया । उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि दिव्यांगों को कृत्रिम अंग और अन्य उपकरण निःशुल्क दिए जाते हैं। मेनका गाँधी ने देश के विभिन्न प्रान्तों से आए दिव्यांग जिसमें डेढ़ वर्ष का एक बच्चा भी शामिल था से बातचीत की और जयपुर फुट की गुणवत्ता के बारे में दिव्यांगों से जानकारी हांसिल की।

मेनका गाँधी ने जयपुर फुट पर एक प्रस्तुति भी देखी और बी.एम.वी.एस.एस. द्वारा दिव्यांगों के कल्याण और उनके पुर्नवास के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

लुटेरी दुल्हन शादी के 5 दिन बाद घर से जेवर-नकदी लेकर फरार

- **पीड़ित दूल्हे ने लुटेरी दुल्हन समेत उसकी गैंग के खिलाफ मामला दर्ज करवाया**

जयपुर । शिवदासपुरा थाना इलाके में एक लुटेरी दुल्हन शादी के पांच दिन बाद ही घर से सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी लेकर भागने का मामला सामने आया है। पुलिस जानकारी में सामने आया है कि शादी करवाने की एवज में ढाई लाख रुपए दूल्हे के परिवार से लिए गए थे। इसके बाद शादी के पांच दिन सुसराल में रहने के दौरान सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी अलमारी से निकाल लुटेरी दुल्हन फरार हो गई। इस संबंध में थाने में पीड़ित दूल्हे ने लुटेरी दुल्हन सहित उसकी गैंग के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

पुलिस ने बताया कि बिलवा शिवदासपुरा निवासी 39 वर्षीय दूल्हे ने मामला दर्ज करवाया है कि आरोपी परिचितों ने घर मिलने आने पर उसकी शादी करवाने का ऑफर रखा। घरवालों ने शादी की जल्दी होने के कारण बातचीत करवाने के लिए कहा। दोनों परिचित आरोपियों ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में जानकारी की लड़की होना बताया। लडकी की फोटो दिखाकर उसे व घरवालों को अपनी बातों में फंसाया। फोटो देखने पर लड़की अच्छी लगने पर बातचीत करने के लिए आने-जाने का खर्च बताकर पन्द्रह हजार रुपए ले लिए।

कुछ दिन बाद घर आकर बताया कि रोशनी के माता-पिता की मृत्यु हो चुकी है। उसके भईया-भाभी प्रताड़ित करते हैं। इस कारण वह अपनी बड़ी बहन के साथ रहती है। बीए पास घरेलू लड़की है और मोबाइल-फेसबुक से दूर रहती है। शादी का पूरा खर्च लड़के वालों को उठाने पर रिश्ता तय होना बताया है। शादी के एवज में 2.50 लाख रुपए का खर्च होना बताकर देने की मांग की। रुपए देना तय होने पर 9 अक्टूबर को शादी होना तय हो गया। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में एक मंदिर में 9 अक्टूबर को दोनों की शादी करवाई गई। दस्तावेज पर लिखा-पढ़ी कर अगले दिन 10 अक्टूबर को दुल्हन को लेकर ससुराल आ गए। ससुराल में रहने के दौरान बहाने बनाकर पति से 35 हजार का मंगलसूत्र खरीदवाया।

पति से दूरी बनाए रखने के दौरान नजर बचाकर अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात और दस हजार रुपए नकदी निकाल लिए। 15 अक्टूबर को दूल्हे के नौकरी पर जाने के दौरान सास को गुमराह का घर से बाहर निकल गई। वापस घर नहीं लौटने पर परिजनों के काफी ढूंढने पर भी उसका पता नहीं चला। अलमारी खोलकर देखने पर उसमें रखे सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी गायब मिलने पर लुटेरी दुल्हन के फरार होने का पता चला। शादी करवाने वालों को संपर्क करने पर पहले टालमटोल के बाद धमकाने लगे। पीड़ित दूल्हे ने कोर्ट के जरिए थाने में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

देवनानी ने चन्द्रशेखर को ढांढस बंधाया

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के बांदा में पहुंच कर चन्द्रशेखर की माता जयंती देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धाजंलि दी।

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के बांदा में पहुंच कर चन्द्रशेखर की माता जयंती देवी के निधन पर संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने स्वर्गीया देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धाजंलि दी। देवनानी ने चन्द्रशेखर सहित परिजनों को ढांढस बंधाया। देवनानी ने कहा कि मानव जीवन की यात्रा में सबसे अधिक योगदान मां का होता है। उन्होंने कहा कि जीवन को बेहतर बनाने, मूल्यौ, आंकाक्षाओं और चरित्र को आकार देने में माँ का मार्ग-दर्शन होता है। जीवन की चुनौतियों का मुकाबला करने और जिम्मेदारियों को सजगता से पूरा करने के लिए प्रोत्साहन और आत्म-बल माँ से मिलता है।

देवनानी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिये और शोक संतप्त परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की।

उपभोक्ता आयोगों में अध्यक्ष और सदस्यों के लिए पहली बार होगी लिखित परीक्षा

जयपुर। उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री सुमित गोदारा ने कहा है कि उपभोक्ता संरक्षण के साथ कंज्यूमर केयर की अवधारणा को मूर्त्त रूप दिये जाने के क्रम में राज्य में उपभोक्ता विषयक विभिन्न नवाचारों के साथ उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत उपभोक्ता आयोगों में होने वाली भर्तियों में पहली बार लिखित परीक्षा का प्रावधान किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के बाद चयनित अध्यक्ष और सदस्य के विषयविज्ञ-दक्ष होने के साथ न्यायिक प्रक्रिया एवं कार्यात्मक क्षमता में न केवल अपेक्षाकृत वृद्धि होगी बल्कि समयबद्ध न्याय सुलभ होगा और उपभोक्ता आन्दोलन सुदृढ़ होगा।

अनियंत्रित स्कूटी के साथ खाई में गिरा युवक

- **पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम ने रेस्क्यू कर युवक को बाहर निकाला**

जयपुर। ब्रह्मपुरी थाना इलाके में स्थित नाहरगढ़ पहाड़ी पर सोमवार शाम अनियंत्रित होकर स्कूटी सहित युवक खाई में जा गिरा। सूचना मिलने पर पुलिस सहित सिविल डिफेंस टीम मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू ऑपरेशन किया। जहां सौ फीट गहराई में गिरकर घायल हुए युवक को सिविल डिफेंस टीम ने रस्सी की मदद से बाहर निकाला। पुलिस ने एसएमएस अस्पताल में घायल युवक को भर्ती करवाया है।

थानाधिकारी ईश्वर चन्द ने बताया कि नाहरगढ़ पहाड़ी पर सोमवार शाम अनियंत्रित हो गिरे घायल युवक जय सिंघल (26) सिद्धार्थ नगर जवाहर सर्किल का रहने वाला है। वह सोमवार को वह स्कूटी से नाहरगढ़ पहाड़ी पर घूमने गया था। सोमवार शाम साढे चार पहाड़ी से स्कूटी लेकर नीचे उतर रहा था। इसी दौरान घुमाव पर किसी गाड़ी के आने पर अनियंत्रित होकर स्कूटी सहित पहाड़ी से नीचे खाई में जा गिरा। करीब 100 फीट गहरी खाई में स्कूटी सहित जय सिंघल नीचे पत्थरों पर जा गिरा। सिर के पिछले हिस्से में चोट लगने से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सिविल डिफेंस टीम को मौके पर बुलाकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। करीब एक घंटे मशक्कत के बाद सिविल डिफेंस टीम ने रस्सी की मदद से खाई से बाहर निकाला। घायल जय सिंघल को एम्बुलेंस की मदद से एसएमएस अस्पताल भिजवाया गया। डॉक्टर घायल जय सिंघल को भर्ती कर इलाज कर रहे है।

आत्महत्या की धमकी देकर पति से 15 लाख रु. मांगे

जयपुर । मालपुरा गेट थाना इलाके में आत्महत्या करने की धमकी देकर एक महिला द्वारा ब्लैकमेल कर पति से लाखों रुपये ऐंठने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर 15 लाख रुपए की डिमांड की। मालपुरा गेट थाने में पीड़ित पति ने पत्नी व उसके परिवार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

पुलिस ने बताया कि सांगानेर निवासी 28 वर्षीय युवक ने मामला दर्ज करवाया है कि अप्रैल-2024 में उसकी शादी उत्तर प्रदेश निवासी 26 साल की युवती से हुई थी। शादी के बाद ससुराल आने के एक-दो दिन बाद ही पत्नी ने गृहक्लेश शुरू कर दिया। परिवारिक झगड़े करवाने के लिए एक-दूसरे को उकसाने लगी।

अलग रहने के लिए पति पर दबाव बनाकर झगड़ने लगी। आरोप है कि आत्महत्या करने की धमकी देकर पति को ब्लैकमेल करने लगी। अपने घरवालों की जरूरतों के लिए रुपयों की डिमांड कर लेती रही।

पीड़ित ने अपने घरवालों से शिकायत करने की कहने पर आत्महत्या कर सभी को जेल में बंद करवाने की धमकी देने लगी।

बदमाशों ने दो कारों में आग लगाई

जयपुर । खोह नागोरियान थाना इलाके में रविवार देर रात अज्ञात बदमाशों ने दो कारों को आग के हवाले कर दिया। कार के एसी का कंप्रेसर फटने पर लोग घरों से बाहर निकले। इससे पता चला कि आग में आग लगी हुई है। लोगों ने मिल कर आग को कंट्रोल किया। इसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। थानाधिकारी सुरेन्द्र ने बताया कि कार मालिक सागीर और उसका परिवार खोह नागोरियान थाना इलाके के ढेर की ढाणी इलाके में रहते हैं। रविवार रात को अज्ञात लोग कॉलोनी में घुसे। घर के बाहर खड़ी कार में पेट्रोल डाल कर आग लगा दिया। इस दौरान बदमाशों ने फैजान की कार को भी जलाया।

राजस्थान विश्वविद्यालय में आनंदम दिवस मनाया

राजस्थान विश्वविद्यालय में आनंदम समिति एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में मानविकी सभागार में सोमवार को आनंदम दिवस के अवसर पर कुलपति डॉ.अल्पना कटेजा ने संबोधित किया।

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय में आनंदम दिवस आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम आनंदम समिति एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में मानविकी सभागार में आज आयोजित किया गया। आनंदम दिवस का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा, करूणा, मैत्री, सृजनम एवं अनुकंपा भाव विकसित करना और दूसरों के लिये जीना सिखाना है।

आनंदम दिवस का प्रारंभ आनंदम समिति संयोजक प्रो.नीलिमा गुप्ता द्वारा आनंदम कार्यक्रम के परिचय से कराया। इसके बाद आईक्यूएसी संयोजक प्रो.रश्मि जैन ने बताया कि आनंदम विश्वविद्यालय की उत्कृष्ट गतिविधि है। जिसका दायरा बढ़ा कर हमें समुदाय के बीच में जाना होगा। जिससे विद्यार्थियों का ना केवल स्व विकास होगा अपितु परपीड़ा को समझने की क्षमताओं में वृद्धि होने से एक संवेदनशील व्यक्तित्व के निर्माण से सुंदर समाज का निर्माण होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा की गई। उन्होंने बताया कि राजस्थान विश्वविद्यालय अपनी शैक्षिक गुणवत्ता के लिये पूरे देशभर में जाना जाने वाला एक प्रतिष्ठित संस्थान है। जो ना केवल शैक्षिक गुणवत्ता के लि ये प्रतिबद्ध है अपितु विद्यार्थियों को समाज का प्रकार्यकारी सदस्य बनाने की दिशा में भी कार्यरत है।

कार्यक्रम के अंत में प्रो.नीलिमा गुप्ता द्वारा आनंदम की कार्ययोजना को स्पष्ट करते हुए 16 गतिविधियों के बारे में बताया जिनमें कच्ची बस्तियों में शिक्षा कार्य, अस्पताल में सहायता कार्य, वृद्ध सेवा कार्य, तकनीक का सही प्रयोग, पर्यावरण संरक्षण, जागरूकता कार्यक्रम, व्यसन मुक्ति, संपोषणीय विकास, योग, मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण, ऊर्जा एवं पानी संरक्षण आदि। इन गतिविधियों के माध्यम से राजस्थान विश्वविद्यालय के विद्यार्थी समुदाय में जाकर समुदाय के लिये कार्य करेंगे। कार्यक्रम में लगभग 500 विद्यार्थी एवं अनेक शिक्षक सम्मिलित हुए।

'विद्यालयों में सभी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करें'

जयपुर । जिला कलक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिला निष्पादक समिति की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलक्टर डॉ जितेंद्र कुमार सोनी ने शिक्षा अधिकारियों को अपने क्षेत्राधिकार वाले राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करावें, साथ ही विद्यालयों में सरकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन पर भी फोकस करने के लिए निर्देशित किया।

उन्होंने शिक्षा अधिकारियों को पीएम श्री स्कूलों का नियमित निरीक्षण करने, विद्यालयों में पेयजल व्यवस्था, टॉयलेट, पुस्तकालय सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिये, साथ ही विद्यालयों के पुस्तकालयों में रखी पुस्तकों का वितरण विद्यार्थियों में करने एवं विद्यार्थियों से पुस्तक अध्ययन एवं रखरखाव के लिए प्रेरित करने के लिए भी निर्देशित किया।

कृषि विद्युत कनेक्शन के अनाधिकृत बढ़े हुए भार बिना पेनल्टी के होंगे नियमित

जयपुर । कृषि क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता में वृद्धि और कृषि उपभोक्ताओं को सुविधा के लिए स्वैच्छिक भार वृद्धि घोषणा योजना लागू की हुई है। योजना के तहत् कृषि कनेक्शन के अनाधिकृत बढे हुए भार को बिना किसी पेनल्टी के मात्र धरोहर राशि जमा करवाकर नियमित कर दिया जाएगा। योजना 31 दिसम्बर, 2024 तक प्रभावी रहेगी।

डिस्कॉम चेयरमैन व जयपुर डिस्कॉम की प्रबन्ध निदेशक सुश्री आरती डोगरा ने बताया कि जिन कृषि उपभोक्ताओं ने कनेक्शन लेने के बाद किसी भी कारण से स्वीकृत भार से अधिक क्षमता की मोटर लगाकर अनाधिकृत रूप से अपने विद्युत भार को बढा लिया है, ऐसे कृषि उपभोक्ता इस योजना के तहत अपने बढे हुए भार को मात्र 60 रू प्रति एचपी की दर से धरोहर राशि जमा करवाकर नियमित करवा सकते है। ऐसे उपभोक्ताओं से कोई भी पैनल्टी राशि नही ली जाएगी।

किसानों को फसल की सिंचाई के लिए पूरी और अच्छी गुणवत्ता की बिजली मिलने के साथ ही फसल को पानी देते समय ट्रांसफॉर्मर जलने की समस्या से निजात मिलेगी। वहीं दूसरी ओर अनाधिकृत बढे हुए विद्युत भार के नियमित होने से डिस्कॉम द्वारा उचित क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाकर किसानों को बिना व्यवधान के बिजली आपूर्ति में मदद मिलेगी।

यह योजना 31 दिसम्बर, 2023 तक जारी कृषि कनेक्शनों पर लागू होगी। ऐसे कृषक जो उसी कुएं पर दूसरी मोटर लगाकर भार वृद्धि करते हैं अथवा दूसरे कुएं पर जो उसी खसरा/खेत/परिसर/मुरब्बा में हो, दूसरी मोटर चालाने के लिए भार बढाते हैं।

मानसरोवर पुलिस ने अवैध हथियारों का जखीरा पकड़ा

- **हथियार तस्कर हेमराज सौरोत भी पुलिस के हत्थे चढ़ा**

जयपुर (कासं)। मानसरोवर थाना पुलिस ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत अवैध हथियारों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक हथियार तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार इंस्टाग्राम आईडी की मदद से अवैध हथियारों की खरीद फरोख्त करता है और स्पा सेंटर में मारपीट व डकैती की वारदात में वांछित चल रहा था। इसके अलावा आरोपी पूर्व में भी अवैध हथियार के प्रकरण में गिरफ्तार हो चुका है।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी तस्कर हेमराज मध्य प्रदेश (एमपी) से हथियार लेकर आया था और उसे जयपुर में इसकी डिलीवरी करनी थी। डिलीवरी करने से पहले पुलिस टीम को अवैध हथियारों की जानकारी मिली। इस पर पुलिस टीम बिना समय गवाए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध हथियारों का जखीरा जब्त कर हथियार तस्कर हेमराज सौरोत (20) निवासी खेरली जिला अलवर हाल बस्सी जयपुर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने कार्रवाई के दौरान आरोपी के पास से सात पिस्टल मय मैगजीन, एक अतिरिक्त मैगजीन सहित आठ जिन्दा कारतूस बरामद की है। साथ ही आरोपी हेमराज सौरोत से अवैध हथियार के संबंध में गहन पूछताछ की गई तो सामने आया कि वह हथियार हब, हथियार क्लब नाम की इंस्टाग्राम आईडी से इंस्टाग्राम पर सम्पर्क कर मनावर,मध्य प्रदेश से खरीदना सामने आया है तथा सोशल मीडिया/इंस्टाग्राम के मार्फत ही खरीददार तैयार करना बताया है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण ललित शर्मा ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि आरोपी हेमराज सौरोत एक शातिर अपराधी है। जो आजकल अवैध हथियारों की तस्करी करता है तथा मध्यप्रदेश से भारी मात्रा में ऑटोमेटिक पिस्टल खरीदकर ला रहा है। जयपूर शहर में बदमाशों से सम्पर्क कर हथियार सप्लाई देने का प्रयास कर रहा है। इस सूचना के आधार पर बदमाश हेमराज सौरोत की रैकी कर मुखबिर तैयार किये गए। फिर सूचना मिली कि आरोपित हेमराज सौरोत मध्यप्रदेश से भारी मात्रा में हथियार व कारतूस लेकर आया है।

जो थाना इलाके में किसी व्यक्ति को हथियार सप्लाई देगा। सूचना के आधार पर आस पास के इलाकों में सादा वस्त्रों में स्पेशल टीम के पुलिसकर्मी लगाये जाकर निगरानी की गई। जिस पर पुलिस ने आरोपी हेमराज सौरोत को गिरफ्तार कर उसके पास से अवैध हथियार बरामद एि गए है। पुलिस आरोपी से अवैध हथियार की खरीद फरोख्त के स्त्रोतों के संबंध पूछताछ करने मे जुटी है और साथ ही एक पुलिस टीम हथियार खरीद स्थल मुनावर (मध्यप्रदेश) भेजी गई है जो हथियार खरीद के स्त्रोतों के संबंध में जांच पड़ताल कर रही है।

सार-समाचार

विमुक्त, घुमन्तू सहायता शिविर 27 से

जालोर, (कासं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार घुमन्तु समुदाय के विकास के लिए आवश्यक दस्तावेज जैसे-वोटर आईडी कार्ड, आधार कार्ड, जनाधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, घुमन्तु जाति पहचान पत्र, मूल निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड इत्यादि जारी करने के लिए 27 नवम्बर से 15 दिसम्बर तक पंचायत समितियों एवं नगरीय निकायों में विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु सहायता शिविर का आयोजन किया जायेगा।जिला कलेक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने बताया कि जिले की प्रत्येक पंचायत समिति में ग्राम पंचायतों के कलस्टर एवं नगरीय निकायों में शहरी वार्डों के कलस्टर बनाकर शिविरों का आयोजन किया जायेगा। शिविर के सफल आयोजन एवं क्रियान्वयन के लिए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित उपखण्ड अधिकारी शिविर प्रभारी होंगे, जो विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्ध घुमन्तु सहायता शिविर की कार्ययोजना के अनुरूप शहरी वार्डों एवं ग्राम पंचायतों के कलस्टर बनाकर शिविर कैलेण्डर तैयार करेंगे। इसी प्रकार नगर परिषद आयुक्त एवं नगरपालिकाओं के अधिशासी अधिकारी शहरी क्षेत्रों में सहायक प्रभारी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित विकास अधिकारी सहायक प्रभारी अधिकारी होंगे, जो शिविर प्रभारी से समन्वय स्थापित कर आवश्यक सहयोग प्रदान करने सहित शिविर स्थल पर पानी, बिजली, टेन्ट, कुर्सी इत्यादि आवश्यक व्यवस्थाएँ उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करेंगे। वही सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग को समन्वयक अधिकारी बनाया गया है तथा सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के संयुक्त निदेशक, मुख्य जिला शिक्षाधिकारी व महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक को आवश्यक जिम्मेदारी सौंपी गई हैं।

शिक्षकों की समस्याएं बताई

जालोर, (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील एवं अखिल राजस्थान राज्य संयुक्त कर्मचारी महासंघ के नेतृत्व में मिलकर समस्याओं के निराकरण की बात की। महासंघ सांचोर के जिला संयोजक एवं प्रगतिशील के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष किशनलाल सारण के नेतृत्व मे मिलकर जीपीएफ एवं राज्य बीमा लोन की राशि एवं अंतिम आहरण भुगतान काफी लम्बे समय से कर्मचारी के जीपीएफ एवं एस आई खाते से अप्रूव होने के बाद भी समय पर बैंक खातों मे जमा नहीं होने को लेकर तत्काल समाधान के लिए बात की जयपुर से ई सी एस नहीं होने के कारण कर्मचारी काफी लंबे समय तक परेशान रहता है एवं जालोर से कर्मचारी बार बार दूरभाष पर बात कर परेशानी झेल रहा है एवं कार्यालय के कार्मिको ने बताया की हमारे कार्यलय मे समय पर प्रोसेस कर दिया जाता है ई सी एस के कारण हो रही परेशानी को लेकर राज्य जीपीएफ कार्यालय को पत्र लिखने का भी निर्णय लिया गया। ताकि समय पर समस्त प्रकार के अंतिम आहरण बीमा क्लेम का भुगतान हो सके। इस मौके पर प्रभाराम चौधरी प्रदेश उपाध्यक्ष, राजूराम सारण प्रदेश महामंत्री, छोगाराम सारण प्रदेश प्रवक्ता, हरीराम सारण शारीरिक शिक्षक वही जीएफ पर्यवेक्षक कुकाराम, जीतेन्द्र आर्य प्रशासनिक अधिकारी, भजनलाल वरिष्ठ सहायक सहित कार्यालय कार्मिक से चर्चा की एवं विश्वास दिया कि प्रत्येक कार्य समय पर करवाने के लिए उच्च अधिकारियों को पत्र लिखा जाएगा।

परिवादों के संतुष्टिपूर्ण समाधान के निर्देश

जालोर, (कासं)। जिला कलेक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें उन्होंने विभागीय योजनाओं व सम्पर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए जिले के औसत निस्तारण समय को कम करने तथा परिवादों के संतुष्टिपूर्ण समाधान के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने कहा कि सम्पर्क पोर्टल पर 6 माह से अधिक प्रकरणों, पीजी, सीएमओ सहित वीसीआईपी स्तर से प्राप्त परिवेदनाओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कर आमजन को राहत प्रदान करें। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने तथा समस्या निस्तारण के उपरांत परिवादी से वार्ता कर समाधान करवाने की बात कही। उन्होंने स्थानीय नगरीय निकायों, सहकारिता, राजस्व, पीएचईडी विभागों को विशेष मॉनिटरिंग करते हुए परिवादों को सुचारू ढंग से निस्तारित करने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलैक्टर राजेश मेवाड़ा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नंदकिशोर राजौरा, डिस्कॉम के एसई पी.एस.राठौड़, पीडब्ल्यूडी एसई चतुर्भुज खुडीवाल, पीएचईडी के अधिशाषी अभियंता श्यामबिहारी बैरवा, प्रवर्तन निरीक्षक नमिता नारवाल, नगर परिषद के एटीपी शिवदान जांगिड, सीएमएचओ डॉ. रमाशंकर भारती, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक राजीव सुथार सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

तीन दिन का आवासीय प्रशिक्षण संपन्न

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के 19 आयुष हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर्स/आयुष आरोग्य मंदिर केन्द्रों में कार्यरत आयुर्वेद नर्स/कम्पाउण्डर, एएनएम व आशा सहयोगिनियों का 3 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण 22 से 24 नवम्बर तक सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में आयुर्वेद विभाग के उप निदेशक डॉ. दिनेश कुमार जोशी व सहायक निदेशक डॉ. कैलाश कुमार ने प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सभी प्रशिक्षणार्थियों को कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण में दक्ष प्रशिक्षक डॉ. हरजीराम विश्नोई, डॉ. राधेश्याम गुप्ता व डॉ. मैना मीना द्वारा तीन दिन त 4-4 रिसोर्स पर्सन की ओर से आयुष आरोग्य मंदिर केन्द्र व मौसम अनुसार खान-पान की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के समापन समारोह में मुख्य अतिथि में रूप में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रमाशंकर भारती रहे तथा समारोह की अध्यक्षता आयुर्वेद विभाग के पूर्व अतिरिक्त निदेशक डॉ. रमेश कुमार श्रीवैष्णव ने की वही विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. वेदप्रकाश मीना उपस्थित रहे। आवासीय प्रशिक्षण टीम में डॉ. हरिओम प्रताप सिंह, डॉ. नरेन्द्र आचार्य, महेन्द्र सिंह राजपुरोहित, वरिष्ठ कम्पाउण्डर अशोक सुथार, कम्पाउण्डर फताराम गर्ग, संस्थापन अधिकारी कमलेश भट्ट, वरिष्ठ सहायक नारायलाल गर्ग, परिचारक नरबहादुर, शत्रुघ्न बोस, मोहनलाल व जतनो देवासी ने अपनी सेवाएं दी।

'श्रमिक ठगों के झांसे में नहीं आएं'

जालोर, (का.सं.)। श्रम कल्याण विभाग की ओर से संचालित भवन एवं अन्य संनिर्माण कल्याण मण्डल की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में आवेदन स्वीकृत करवाने के नाम पर श्रमिक ठगों के झांसे में न आकर किसी भी प्रकार का कोई भुगतान नहीं करें। जिला श्रम कल्याण अधिकारी हितेश चौधरी ने बताया कि श्रम कल्याण विभाग द्वारा संचालित भवन एवं अन्य संनिर्माण कल्याण मण्डल की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में आवेदकों को सहायता राशि दिलवाने के लिए ठग सक्रिय हो गए है तथा वे आवेदन स्वीकृति की फीस मांगकर ठगी करने का प्रयास कर रहे है। उन्होंने बताया कि असामाजिक तत्वों द्वारा स्वयं को श्रम विभाग का कार्मिक बताकर श्रमिकों को प्रलोभन दिखाकर फोन-पे के माध्यम से राशि की मांग की जा रही है। जिले में ऐसे कुछ मामले सामने आए हैं जिनमें कुछ श्रमिकों द्वारा श्रम कल्याण अधिकारी कार्यालय पहुँचकर इस संबंध में अवगत करवाया है। उन्होंने जालोर जिले के समस्त श्रमिकों से अपील की है कि वे ऐसे किसी भी झांसे में न आएं एवं किसी भी व्यक्ति द्वारा आवेदन स्वीकृत करवाने के नाम पर राशि की मांग किये जाने पर अपने नजदीकी साईबर थाने या पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाएं।

डिस्कॉम कर्मचारी संघ ने रोष जताया

पोकरण, (कासं)। डिस्कॉम कार्यालय कर्मचारी सघ ने एकदिवसीय कार्य का बहिष्कार कर डिस्कांउट के निजीकरण के विरोध में हडताल पर उतरकर विरोध जताया। राजस्थान विद्युत संयुक्त संघ समिति के बैनर तले प्रदर्शन जुलूस निकाल कर उपखंड कार्यालय पहुंच कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर बताया कि विद्युत विभाग निजीकरण की वजह से आम उपभोक्ताओं वजनता को विद्युत समस्याओं का सामना करना पड रहा है। जिसे सरकार द्वारा निजीकरण को तुरंत बंद किया जाए। संघ द्वारा सरकार को ज्ञापन के द्वारा अवगत कराया गया है। जिला कर्मचारी संघ के अध्यक्ष कृष्णकांत पुरोहित, के नेतृत्व में डिस्काम कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहे।

ढीले विद्युत तारों से हादसे का डर

सायला, (निसं)। शहर के महावीर कॉलोनी में बिजली के ढीले एवं झूलते तार हादसे को दावत दे रहे है। कई बार मौहल्लेवासियों ने झूलते हुए तारों के बारे में अधिकारियों से शिकायत की। लेकिन अधिकारियों की अनदेखी के चलते स्थिति जस की तस बनी हुई है। जानकारी के अनुसार महावीर कॉलोनी में विद्युत लाईन शिफ्ट करने एवं ढीले विद्युत तारों को दुरस्त करने की मांग को लेकर परिवादी जितेन्द्र कुमार ने गत अक्टूबर एवं 14 नवम्बर 2024 को उपखण्ड स्तरीय जनसुनवाई में शिकायत की थी। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी से ना ही ढीले विद्युत तारों को दुरस्त किया गया और ना ही पूरी लाईन शिफ्ट की गई।

सायला के व्यापारियों ने किसानों के महापड़ाव को समर्थन दिया

सायला, (निसं)। व्यापार मंडल सायला एवं कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ब्लॉक सायला के तत्वावधान में व्यापारियों द्वारा सोमवार को भारतीय किसान संघ के अनिश्चितकालीन महापड़ाव के समर्थन में मुख्यमंत्री के नाम उपखण्ड अधिकारी सूरजभान बिश्नोई को ज्ञापन सौंपा गया।

सायला में व्यापारियों ने भारतीय किसान संघ के महापड़ाव को समर्थन देने का ज्ञापन सौंपा। फोटो-राष्ट्रदूत

ज्ञापन में बताया कि पिछले 30 वर्षों से जवाई बांध के पानी में जालोर जिले का हक निर्धारित करने की मांग को लेकर विभिन्न किसान संगठनों एवं जिलेवासियों द्वारा संघर्ष किया जा रहा है, लेकिन पिछली सरकारों द्वारा कोई प्रयास नही किया गया।

अब आर-पार की लडाई के तहत भारतीय किसान संघ जालोर द्वारा जवाई बांध के पानी में जालोर जिले का हक निर्धारित करने, जालोर शहर को नर्मदा का शुद्ध एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध करवाने समेत अन्य मांगों को लेकर जिला मुख्यालय जालोर पर कलेक्ट्रेट के सामने गत 19 नवम्बर से अनिश्चितकालीन आन्दोलन व महापडाव चल रहा है। जिसका समस्त व्यापार मण्डल सायला पूर्ण समर्थन करता है।

यदि समय रहते किसानों की समस्याओं का निराकरण नही किया जाता है तो व्यापार मण्डल सायला द्वारा किसानों का साथ दिया जाएगा।

27 नवम्बर, बुधवार को संपूर्ण बाजार बन्द रखकर भारतीय किसान संघ के महापडाव में शामिल होंगे तथा आन्दोलन तेज करेंगे। जिसकी समस्त जिम्मेदारी सरकार की रहेगी।

इस दौरान कैट ब्लॉक अध्यक्ष मांगीलाल राजपुरोहित, नैनमल लखारा, डूंगरसिंह देवडा, महेन्द्र चौपडा, विकास भण्डारी, मुल्तानमल आचार्य, मुकुन्द दवे, राजेन्द्र माहेश्वरी, चमन माहेश्वरी, प्रकाश माली आसाणा, इन्द्रसिंह दहिया, बाबूसिंह तूरा, वागाराम, पदमाराम, भूराराम चौधरी, बाबुलाल जैन, चन्द्रसिंह, जगाराम माली, पारस माली, माधोसिंह तूरा समेत कई जने मौजूद थे।

व्यापार मंडल की बैठक में बाजार बंद रखने का निर्णय

सायला शहर के पुराना बस स्टेण्ड स्थित गणपति रिद्धि सिद्धि मंदिर में रविवार रात्रि को व्यापारियों की बैठक का आयोजन हुआ।

बैठक में जवाई बांध के पानी में जालोर जिले का हक निर्धारित करने की मांग लेकर किसान संघ के महापडाव के समर्थन में 27 नवम्बर, बुधवार को संपूर्ण बाजार बंद रखने तथा जालोर में महापडाव में शामिल होने का निर्णय लिया गया।

इस दौरान भाकिसं के खीमसिंह, रतनसिंह कानिवाडा, वागाराम, सांवलाराम चौधरी, नरिंगाराम चौधरी, दिनेश जीनगर, रामप्रकाश चौधरी, पुखराज राजपुरोहित, बलवन्तसिंह दहिया, देवाराम माली, मीठालाल, जितेन्द्र जीनगर समेत कई व्यापारी मौजूद रहे।

निजीकरण के विरोध में डिस्कॉम अधिकारियों व कर्मचारियों ने रोष जताया

■ कार्य बहिष्कार करने के साथ ही ज्ञापन सौंपे

बाड़मेर, (कासं)। राज्य सरकार और उर्जा विभाग द्वारा विभिन्न विद्युत कंपनियों के एमबीसी मॉडल के तहत किए जा रहे निजीकरण कार्य के विरोध में सोमवार को डिस्कॉम के अधिकारियों- कर्मचारियों द्वारा राजस्थान विद्युत संयुक्त संघर्ष समिति जिला बाड़मेर के तत्वावधान में कार्य बहिष्कार करने के साथ ही निगम प्रबंधन के नाम सहायक अभियंता को एवं मुख्यमंत्री के नाम संबंधित उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया।

सोमवार को राजस्थान विद्युत संयुक्त संघर्ष समिति जिला बाडमेर के तत्वावधान में आयोजित सांकेतिक कार्य बहिष्कार के तहत जिला मुख्यालय पर न्यू पॉवर हाउस परिसर में बैठक आयोजित की गई जिसमें पीयर्स, बेजोड, विद्युत श्रमिक संघ, आरवीटीकेए, इंटक, एटक, सीटू, राजस्थान विद्युत लेखाकर्मी संघ, राजस्थान राज्य विद्युत मंत्रालयिक कर्मचारी संघ, विद्युत मंत्रालयिक एवं अधिनस्थ कर्मचारी संघ, कर्मचारी मजदूर संघ के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित हुए। बैठक में बेजोड के जिलाध्यक्ष संदीप तातेड ने कहा कि सरकार व निगम अधिकारियों और कर्मचारियों को आपस में विघटन कर निजीकरण कर कर्मचारियों का शोषण करने के साथ ही जनता के हितो पर कुठाराघात कर रही है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पीयर्स के जिलाध्यक्ष सवाईसिंह ने कहा कि डिस्कॉम के सभी अधिकारी व कर्मचारी आर-पार की लडाई लडने के लिए तैयार हो जाए, जब तक निजीकरण की प्रक्रिया बंद नहीं हो तब तक शांत नहीं बैठना है। बीएमएस से जितेन्द्र छंगाणी ने कहा कि सरकार द्वारा डिस्कॉम की करोड़ों रूपए की संपति को निजी हाथो में देकर भविष्य में युवाओं की नौकरियां बंद करना चाह रही है। साथ ही धना सेठों को डिस्कॉम को बेचा जा रहा है जो उचित नहीं है। हम सभी इसका पुरजोर विरोध करेंगे। इंटक से पूनाराम वाघेला, मुकेश मीणा व जेठाराम शर्मा ने कहा कि सभी एकजुट रहे तो सरकार को झुकना ही पडेगा और डिस्कॉम के निजीकरण का कदम पीछे खींचना ही होगा। राजस्थान विद्युत तकनीकी कर्मचारी एसोसिएशन बाडमेर के जिला अध्यक्ष रमेश पंवार ने कहा कि निजीकरण वह दीमक है, जो डिस्कॉम को पूरी तरह से बर्बाद कर देगा। निजीकरण के दुष्प्रभाव आज भी कई विभागों में साफ देखे जा रहे है। इसलिए निजीकरण के खिलाफ सभी अधिकारी-कर्मचारी गंभीरता से एकजुट हो एवं सरकार के निर्णय का पुरजोर विरोध करे। एटक के जिलाध्यक्ष रूगसिंह ने कहा कि संगठन के आव्हान पर 29 नवंबर को जिला मुख्यालय पर होने वाले विरोध प्रदर्शन शत प्रतिशत योगदान देना है।

प्रदर्शन के दौरान प्रदीप चौधरी,ललित बाकोलिया, धीरज खत्री, मालाराम गडवीर, नरेन्द्रसिंह, कुशलाराम डउकिया, राजेन्द्र चौधरी, लिखमाराम हुड्डा, धनसिंह, अमजद खान, गौतम परमार, जनक गहलोत, अमित कुमार, मोतीलाल पाटोदिया, बालकिशन जीनगर, ईमरान शेख, ठाकराराम प्रजापत, अकरम खान, सतीश पूनक, विजेन्द्र मीणा, देशराज मीणा, हीरालाल, गणपतसिंह, लक्ष्मणसिंह, डलाराम, अशोक शर्मा, हेमंत कुमार, सुमेरसिंह, चैनाराम सियाग, भोजराज जांगिड, हरीसिंह, गोपीलाल, गौतम परमार, नवीन मीणा, मूलाराम, अनिल सारण, बजरंगलाल सहित कई जने उपस्थित रहे।

200 विद्यार्थियों का दल शैक्षिक भ्रमण पर रवाना

राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के अंतर्गत जालोर एवं सांचौर जिले के राजकीय विद्यालयों के विज्ञान एवं गणित के 200 विद्यार्थियों का दल राजसमन्द, नाथद्वारा, उदयपुर के लिए रवाना हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर के निर्देशानुसार राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के अंतर्गत जालोर एवं सांचौर जिले के राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विज्ञान एवं गणित के 200 विद्यार्थियों का दल 4 बसों में 25 व 26 नवम्बर के दो दिवसीय एक्सपोज विजिट (शैक्षिक भ्रमण) के लिए सोमवार को जालोर से राजसमन्द, नाथद्वारा, उदयपुर के लिए रवाना हुआ। बसों को समग्र शिक्षा जालोर के अतिरिक्त परियोजना समन्वयक ईश्वरसिंह सांगाणा ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

विद्यार्थियों का दल नाथद्वारा, हल्दीघाटी, उदयपुर, सांवलियाजी, गोगुन्दा, राजसमन्द झील आदि स्थलों के साथ ही उदयपुर की ऐतिहासिक झीलों, राजमहलों, संग्रहालयों का भ्रमण कर ज्ञानवर्द्धन करेगा। दल के साथ कार्यक्रम अधिकारी मदनलाल गहलोत, सह प्रभारी रमेश कुमार पारीक, आहोर ब्लॉक से अरविन्द बाजक, जालोर से अमित कुमार, जसवंतपुरा से अमराराम, भीनमाल से नारणाराम एवं सभी 10 ब्लॉकों से 2-2 अध्यापक एवं अध्यापिका साथ रहेंगे।

विद्यार्थियों से 6 लाख ऐंठ कर मास्टर फरार

जोधपुर, (कासं)। शहर के कुड़ी भगतासनी थाना क्षेत्र में एक स्कूल अध्यापक ने विद्यार्थियों को शैक्षिणक भ्रमण के नाम छह लाख से ज्यादा की रकम ऐंठ ली और फरार हो गया। स्कूल अध्यापक ने यह रकम अपने पर्सनल खाते में डलवा दी। बच्चों ने फोन पे व गूगल के माध्यम से रूपए जमा करवाए थे। कोचिंग संस्थान के मैनेजर की तरफ से अब स्कूल मास्टर के खिलाफ धोखाधड़ी में रिपोर्ट दी गई है।

कुड़ी थानाधिकारी राजेंद्र चौधरी ने बताया कि मूलतः झुंझुनू हाल अपेक्स क्लासेज मैनेजर हॉस्टल नंबर 2 सेक्टर 6 के मोहनलाल पुत्र भगवानराम गोयल ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि अपेक्स स्कूल कुड़ी सेक्टर छह में उत्तरप्रदेश के एक शिक्षक मिथिलेश तिवारी पुत्र बृजभूषण लगा हुआ था। उसने गत दिनों स्कूल के बच्चों को शैक्षिणक भ्रमण पर ले जाने की बात कहते हुए प्रति छात्र 12-12 हजार रूपए ले लिए, और अपने खाते में फोन पे व गूगल पे से करवा दिए। तकरीबन छह लाख से ज्यादा रकम हो गई तो वह रफूचक्कर हो गया। छात्रों ने स्कूल प्रबंधन से शैक्षिणक भ्रमण पर ले जाने की बात की तो घटना का पता लगा। यह रकम 15 नवंबर से ऐंठनी शुरू कर दी थी। 50-60 विद्यार्थियों से यह रकम ली गई है। थानाधिकारी राजेंद्र चौधरी ने बताया कि केस दर्ज किया गया है।

अर्पिता को डी.आर.एम. ने सम्मानित किया

शास्त्रीय नृत्य कथक प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन पर अर्पिता कुमारी को जोधपुर मंडल के डी.आर.एम. पंकज कुमार सिंह ने सम्मानित किया।

जोधपुर, (कासं)। 15 वीं अंतर मंडलीय शास्त्रीय नृत्य कथक प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर अर्पिता कुमारी को जोधपुर मंडल के डीआरएम पंकज कुमार सिंह ने सम्मानित किया।

डीआरएम ने बताया कि कथक एक पारंपरिक भारतीय नृत्य है और अर्पिता कुमारी को यह है सम्मान जयपुर अरावली रेलवे स्टेडियम में आयोजित 15वीं अंतर मंडलीय शास्त्रीय नृत्य कथक प्रतियोगिता में दिया गया है। इस प्रतियोगिता में उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ ने भी अर्पिता को केश अवार्ड से सम्मानित किया है।

इस दौरान डीआरएम ने कहा यह सम्मान न केवल उस पुत्री के लिए गर्व की बात है, बल्कि यह रेल कर्मचारियों के परिवारों के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत है। अर्पिता कक्षा 5 की विद्यार्थी है और इनके पिता जोधपुर में रेलवे में सेक्शन इंजिनियर के पद पर कार्यरत है। इस दौरान मंडल कार्मिक अधिकारी,ईचार्ज, अभिषेक गांधी मौजूद रहे।

मौसमी बीमारियों की रोकथाम के निर्देश दिए

जोधपुर, (कासं)। चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने सोमवार सुबह मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में चिकित्सा अधिकारियों की बैठक ली। उनके साथ केंद्रीय परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार सचिव डॉ. पुण्यश्री श्रीवास्तव भी शामिल हुई।

इस बैठक में एम्स, डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज व सीएमएचओ विभाग के अधीन आने वाले अस्पताल के चिकित्साधिकारियों ने भाग लिया।

■ प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बैठक ली

प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने मौसमी बीमारियों की स्थिति की समीक्षा करते हुए इस संबंध में दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एलएचवी, सीएचओ, आशा कॉर्डिनेटर, बीपीएम, चिकित्सा अधिकारी, बीसीएमओ, उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डीपीएम, डीएनओ, आरसीएचओ, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं संयुक्त निदेशक स्तर के अधिकारी मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए मिशन मोड में काम करें। साथ ही, प्रभावी मॉनिटरिंग एवं पर्यवेक्षण सुनिश्चित करें।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया, स्क्रब टायफस आदि मौसमी बीमारियों से प्रभावित क्षेत्रों में रेपिड रेस्पान्स टीमें भ्रमण कर गम्भीर रोगी की जांच एवं उपचार प्रदान करें। आवश्यकता होने पर चिकित्सा संस्थान में रैफर करें तथा बचाव व नियंत्रण संबंधी कार्य यथा एन्टीलार्वल, मच्छर रोधी, फोगिंग, सोर्स रिडक्शन आदि गतिविधियों की गुणवत्ता भी सुनिश्चित करें।

सिलावट समाज की प्रतिभाओं का सम्मान

सिलावट समाज जालोर का सिवाना स्थित दरगाह दंताला शरीफ में सम्मान व अभिनंदन समारोह हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। सिलावट समाज जालोर ने रविवार को सिवाना स्थित दरगाह दंताला शरीफ में सिलावट समाज प्रतिभाओं का सम्मान व अभिनंदन समारोह आयोजित किया।

सिलावट समाज जालोर की ओर से दंताला शरीफ दरगाह के आस्ताने पर चादर व अकीदत के फूल पेश कर देश व प्रदेश में अमल चैन आपसी भाईचारा एव खुशहाली की कामना की।

दरगाह परिसर में हुए कार्यक्रम में सिलावट समाज के सीनियर नर्सिंग ऑफिसर जिला चिकित्सालय जालोर शहजाद खान को राजस्थान नर्सेज संगठन का जिला अध्यक्ष बनाने पर माला साफा व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत अभिनंदन किया गया।

वहीं मदीना कॉलोनी लालपोल जालोर के सदर अयुब शेख का भी सम्मान किया गया। इसके साथ समाज के नव नियुक्त कर्मचारियों में देवावास में व्याख्याता मोहसिन अली, भोपाल एम्स हॉस्पिटल में नियुक्त नर्सिंग ऑफिसर समीर शेख ,चार्टर्ड अकाउंटेंट अहमदाबाद मंजूर अख्तर का भी माला साफा पहनाकर, स्मृति चिन्ह देकर स्वागत अभिनंदन किया गया।

अधिवक्ता सलीम जावेद ने कहा कि सिलावट समाज की प्रतिभा का सम्मान करने से समाज की प्रतिभा को आगे बढने का हौसला मिलेगा। वहीं हबीब रहमान व इमरान खान ने बताया कि सिलावट समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, उन्हें प्रोत्साहित करने की जरूरत है। समाज की पांच प्रतिभाओं ने समाज का गौरव बढाया है।

इस अवसर पर सिलावट समाज के शहजाद खान ने कहा कि समाज संगठित होगा तो समाज आगे बढेगा। इस प्रकार हम सब को संगठित होकर समाज को आगे बढाना है और समाज में विकास करना है। समाज में शिक्षा को बढावा देना है । उन्होंने समाज द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर प्रतिभाओं का सम्मान करने पर समाज का आभार जताया।

इस दौरान जलाल खान,इन्साफ अली, सिराजुद्दीन खान, लियाकत अली, रसीद खान, लाडे खान , राजु शेख,असलम शेख,जाकिर खान, मुश्ताक खान, रूबाब खान, अयूब खान, रहमान खान, इरफान खान, मोहम्मद रफीक , जलाल खान,हिदायत खान, युनुस खान, जानशेर खान, अरमान खान, इकबाल खान, रफीक खान, जाहिद हुसैन,मजीद खान, राजू खान, अल्ताफ खान,सादिक अजहर, सलीम खान, परवेज खान,तौकीर, रूहान, आशिक, कलीम, इमरान, हुमायूं सहित समाज के लोग मौजूद थे।

रोजगार शिविर 28 को

पाली, (नि.सं.)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जिला रोजगार कार्यालय द्वारा जिला प्रशासन के संरक्षक एवं सहयोग से जिले के शिक्षित बेरोजगार आशार्थियों को लाभान्वित करने के लिए, एक दिवसीय रोजगार शिविर 28 नवंबर को प्रातः 11 बजे स्थानीय राजकीय बांगड उच्च माध्यमिक विद्यालय मैदान पाली में आयोजित किया जाएगा।

जिला रोजगार अधिकारी मनीष थोरी ने बताया कि शिविर में निजी क्षेत्र की विभिन्न कपनियों को बुलाया जाएगा। जिससे बेरोजगार आशार्थियों को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध हो सकेंगे।

सड़क निर्माण के लिए दुकानदारों ने सांगरिया में प्रदर्शन किया

जोधपुर, (कासं)। सांगरिया फांटा चौराहा से पाल गांव की ओर जाने वाली सड़क की पिछले कई वर्षों से बदहाल स्थिति के खिलाफ सांगरिया फांटा व्यापार मंडल ने सोमवार को प्रदर्शन किया। व्यापारियों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर धरना भी दिया।

व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष संतोष सारण ने बताया कि सड़क की बुरी हालत के कारण व्यापारियों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। धूल-मिट्टी से दुकानें और आसपास के क्षेत्र बेहद प्रदूषित हो गए हैं, जिससे व्यापारियों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। साथ ही सड़क पर आए दिन होने वाली दुर्घटनाएं भी व्यापारियों को चिंतित कर रही हैं। खराब सड़क के कारण ग्राहकों का आना-जाना भी कम हो गया है, जिससे व्यापार पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

संतोष सारण ने बताया कि इस समस्या को लेकर पहले भी कई बार स्थानीय विधायक, जेडीए और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों को लिखित रूप में अवगत कराया था। लेकिन हर बार उन्हें केवल आश्वासन ही मिला। आज व्यापार मंडल के अध्यक्ष पीपी पटेल के नेतृत्व में व्यापारी सांगरिया फांटा चौराहे पर एकत्रित हुए और धरना प्रदर्शन किया। व्यापारियों ने नारेबाजी करते हुए सड़क निर्माण की मांग की।

सूचना पर बासनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में किया। धरने के दौरान लूणी विधायक एवं कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल के प्रतिनिधि प्रकाश पटेल मौके पर पहुंचे। उन्होंने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि एक महीने के भीतर सड़क निर्माण का कार्य शुरू करवा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह सड़क निर्माण का कार्य जेडीए द्वारा करवाया जाएगा।

बुमराह काफी खतरनाक गेंदबाज हैं, पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज ने इसके पीछे का एक अहम कारण भी बताया। वसीम अकरम ने बताया कि क्यों बुमराह उनसे और ब्रेट ली जैसे गेंदबाजों से ज्यादा खतरनाक हैं। **– वसीम अकरम**

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर, भारत के जसप्रीत बुमराह की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

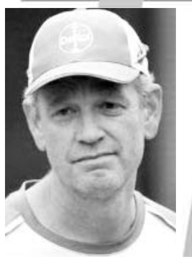

मैक्डोनाल्ड

शुरुआती दो दिन में पिच के बर्ताव के अंतर के सवाल पर कंगारू हेड मैक्डोनाल्ड ने कहा, दोनों देशों के गेंदबाजों ने शुरुआती दो दिन बहुत ही शानदार काम किया। और उनके बल्लेबाजों को दूसरी पारी में सिर्फ बुमराह के खिलाफ ही नहीं, बल्कि बाकी भारतीय सीमरों से निपटने के तरीकों पर काम करना है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि दोनों ही टीमों के लिए मुश्किल थी। हमारे गेंदबाजों ने असाधारण गेंदबाजी की। ऐसे में शुक्रवार का दिन बैटिंग के लिए मुश्किल दिन था, लेकिन दूसरी पारी में यह तोड़ा अलग दिखाई पड़ता है।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड ने 1930 में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान डॉन ब्रेडमैन द्वारा एक अखबार में लेक लिखने पर 50 पौंड का जुर्माना लगाया था।

भारतीय क्रिकेट टीम ने रचा इतिहास

पर्थ में पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से हराया

पर्थ, 25 नवम्बर। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में 295 रन से हरा दिया है। टीम ने 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। दूसरा मुकाबला 6 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। बुमराह को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारतीय क्रिकेट टीम ने लंबे समय के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इतिहास रच दिया है।

भारतीय क्रिकेट टीम ने जसप्रीत बुमराह के नेतृत्व में ऐसा कारनामा कर दिखाया है जो रोहित शर्मा भी हासिल नहीं कर सके थे। भारतीय टीम ने 25 नवंबर (सोमवार) को पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 (बीजीटी) के पहले मैच में जीत दर्ज की है। भारतीय टीम को ये जीत 295 रनों से मिली है। ऑस्ट्रेलिया को 534 रनों के लक्ष्य का पीछा करना था। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने चौथी पारी में पहली पारी की तुलना में अधिक मजबूत वापसी की। हालांकि भारतीय टीम के कप्तान जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की अगुवाई में भारत के गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के लिए मुश्किल खड़ी कर दी और अंततः उन्हें 238 रनों पर समेट दिया। इस जीत के साथ भारत अब पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे चल रहा है।

गौरतलब है कि इस मैच के दौरान भारतीय टीम की एक अविश्वसनीय ऑलराउंड परफॉर्मेंस देखने को मिली है। पर्थ में सीरीज के पहले मैच में बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों ने महत्वपूर्ण मौकों पर शानदार प्रदर्शन किया। पहली पारी में मात्र 150 रन पर आउट होने के बाद, बुमराह के पांच विकेट की अगुआई में भारत के गेंदबाजी आक्रमण ने ऑस्ट्रेलिया को 104 रन पर ढेर कर दिया और 46 रन की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की।

दूसरी पारी में भारत ने मैच का रुख पूरी तरह से पलट दिया क्योंकि उन्होंने बल्ले से मैच में अपना दबदबा बनाया। ओपनर यशस्वी जायसवाल ने 161 रनों की धमाकेदार पारी खेली और अनुभवी विराट कोहली ने फॉर्म में वापसी करते हुए इस साल का अपना पहला टेस्ट शतक जड़ा, उन्होंने 143 गेंदों पर 100 रन बनाए। जायसवाल और कोहली की मदद से भारत ने 487-6 रन बनाकर पारी घोषित की और ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रनों का लक्ष्य रखा।

चौथी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी की तुलना में बेहतर वापसी की। ट्रैविस हेड ने आक्रामक बल्लेबाजी की और 89 रन बनाए तथा मिशेल मार्श ने 47 रन की पारी खेली। एलेक्स कैरी ने ऑस्ट्रेलिया के लिए आखिरी विकेट लिया और मेजबान टीम 238 रन पर ढेर हो गई तथा 295 रन से हार गई।

टीम इंडिया की यह जीत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर आई है, क्योंकि वे न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर 3-0 से क्लीन स्वीप करने के बाद ऑस्ट्रेलिया पहुंचे हैं। श्रृंखला में हार के बाद क्रिकेट जगत और मीडिया दोनों ने भारतीय टीम और नए प्रबंधन, जिसमें मुख्य कोच गौतम गंभीर भी शामिल हैं, की कड़ी आलोचना की। यह जीत भारत की ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ी जीत भी है और वह पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया को हराने वाली पहली टीम बन गई।

पांच भारतीय खिलाड़ियों के पराक्रम के सामने नतमस्तक हुई ऑस्ट्रेलियाई टीम

नई दिल्ली, 25 नवंबर। भारत के ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पर्थ टेस्ट में शतक लगाने वाले 5वें भारतीय बल्लेबाज बन गए है। यशस्वी का नाम सचिन और विराट जैसे दिग्गज बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए है। यशस्वी से पहले भारत के लिए पर्थ में टेस्ट शतक लगाने वाले बल्लेबाजों में सुनील गावस्कर, मोहिंदर अमरनाथ, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और अब यशस्वी का नाम जुड़ गया है।

सत्तर के दशक से अब तक पर्थ के मैदान पर रन बनाना कभी आसान नहीं रहा . दुनिया के बड़े से बड़े बल्लेबाज के ज़ेहन में पर्थ की यादें हमेशा ताज़ा रहती है। पहले वाका और अब ऑप्टस स्टेडियम दोनों जगह ही तेज गेंदबाज़ों के लिए स्वर्ग मानी जाती रही है। इन मैदानों की पिचों पर उछाल और गर्मी में खुलती दरारें बल्लेबाज़ी के लिए बुरे सपने की तरह होती है। ऐसे में यहाँ कोई बल्लेबाज़ शतक लगा दे तो उस पारी की अहमियत का अंदाज़ा आप लगा सकते है।

यशस्वी जायसवाल के पर्थ में लगाए गए शतक के पहले सिर्फ़ चार भारतीय बल्लेबाज़ पर्थ में शतक लगाने में कामयाब रहे। यशस्वी ने पर्थ में 161रन बनाए जो किसी भी भारतीय ओपनर के द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर है। जायसवाल से पहले जिन -जिन भारतीय बल्लेबाजों ने पर्थ में शतक लगाया उन्होंने आगें चल कर बहुत नाम किया और उनका नाम दुनिया के बड़े बल्लेबाजों में शुमार किया जाने लगा।

1977 के पर्थ टेस्ट मैच जिसमें मोहंदर अमरनाथ ने शतक लगाया उसी मैच में सुनील गावस्कर ने भी बड़ी पारी खेली थी. पहली पारी में लिटिल मास्टर जल्दी आउट हो गए जिसकी भरपाई उन्होने दूसरी पारी नें की। 127 रनों की पारी के दौरान गावस्कर ने मोहिंदर अमरनाथ के साथ 193 रनों साझेदारी भी की।

गावस्कर ने अपनी पारी के दौरान 245 गेंद खेली और 127 रन बनाए। 1992 के ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर सचिन महज 19 साल के थे और सचिन तेंदुलकर ने पर्थ में हर किसी को हैरान कर देने वाले कई स्ट्रोक लगाए. कट शॉट, पुल और स्ट्रेट ड्राइव का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए सचिन तेंदुलकर ने 114 रन बनाए जिसमें 16 चौके शामिल थे।

आईपीएल नीलामी के दूसरे दिन भुवनेश्वर सबसे महंगे बिके

जेद्दा, 25 नवंबर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के सत्र के लिए नीलामी के दूसरे दिन सोमवार को भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को रॉयल

चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने 10.75 करोड़ रूपये की सबसे बड़ी बोली लगाकर खरीदा। भुवनेश्वर को खरीदने के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स (एचएसजी) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच कड़ी स्पर्धा रही। आखिरी क्षणों आरसीबी ने दिन की सबसे बड़ी बोली लगाकर उन्हें अपने पक्ष में किया। दीपक चाहर को मुंबई इंडियंस में 9.25 करोड़ रुपये में खरीदा। वहीं तुषार देशपांडे को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से 6.50 करोड़ रुपये खरीदा। ऑलराउंडर मार्को जेनसन को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने सात करोड़ रुपये में खरीदा। जबकि बड़ौदा के क्रुणाल पांड्या को आरसीबी ने 5.75 करोड़ रुपये में खरीदा। रणजी में शानदार प्रदर्शन करने वाले हरियाणा के अंशुल कंबोज को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 3.40 करोड़ रुपये में खरीदा। गुजरात टाइटन्स (जीटी) ने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज गेराल्ड कोएट्जी को 2.40 करोड़ रुपये में हासिल किया। वहीं केन विलियमसन, अजिंक्य रहाणे और ग्लेन फिलिप्स सहित कई बड़े नाम कैप्ड खिलाड़ियों को खरीदार नहीं मिला। पिछले सीजन में रिकॉर्ड कीमत हासिल करने वाले इंग्लैंड के सैम कुरेन 2.40 करोड़ रुपये में सीएसके में वापस आ गए।

सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में राजस्थान ने मिजोरम को हराया

जयपुर, 25 नवम्बर। राष्ट्रिय सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के आज राजकोट में खेले गए राजस्थान-मिजोरम मैच में राजस्थान ने सलामी बल्लेबाज भारत शर्मा के आतिशी अर्धशतक व दीपक हुड्डा के ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारी की सहायता से राजस्थान ने मजोरम को 62 रनो के विशाल अंतर से हराया। राजस्थान की जीत में भारत शर्मा, दीपक हुड्डा का शानदार प्रदर्शन। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान टीम के सलामी बल्लेबाज भारत शर्मा भारत शर्मा ने 47 गेंदों पर 4 छक्कों व 7 चौकों की सहायता से 74 रनो की आतिशी अर्धशतकीय पारी खेलते हुए टीम को शानदार शुरुआत दिलाई । विकेट कीपर बल्लेबाज भारत शर्मा ने दीपक हुड्डा के साथ दूसरे विकेट के लिए 127 रनो के साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत किया। दीपक हुड्डा ने 33 गेंदों पर 6 छक्के व 2 चौक्कों की सहायता से 65 रनो की अर्धशतकीय पारी खेली। कप्तान महिपाल लोमरोर ने 9 गेंदों पर 3 छक्कों के सहायता से 23 रन, युवा अंडर 19 प्रतिभाशाली बल्लेबाज कार्तिक शर्मा ने 8 गेंदों पर 2 छक्के व 1 चोक्के के सहायता से 19 रनो का योगदान देते हुए टीम के स्कोर को 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 217 रनो तक पहुँचाया। टीम के लिए भारत शर्मा 74, दीपक हुड्डा 65, महिपाल लोमरोर 23, अभिजीत तोमर 22 व कार्तिक शर्मा 19 रनो का योगदान दिया। मिजोरम पारी 155/5 (20 ओवर), राजस्थान के गेंदबाज कमलेश नागरकोठी 23/2, दीपक हुड्डा 24/1 व राहुल चाहर 32/1 विकेट प्राप्त करते हुए प्रतियोगिता में राजस्थान को लगातार दुसरी जीत दिलाई।

बिहार के विरुद्ध मैच हेतु राजस्थान 19 कूच बिहार ट्रॉफी टीम घोषित

जयपुर, 25 नवम्बर। आगामी 28 नवम्बर से पटना में खेले जाने वाली राष्ट्रिय अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी मैच (मल्टी डेज) में बिहार के विरुद मैच हेतु राजस्थान अंडर 19 टीम घोषित तोषित भाटिया (कप्तान)। मैच दिनांक 28 नवम्बर से 1 दिसंबर को पटना में बिहार के विरुद खेला जायेगा। राजस्थान अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी टीम :- यश यादव, तनय थवानी, निर्मल बिश्नोई, सचिन शर्मा, ध्रुव सेठी, जतिन सैनी, गुलाब सिंह, तोषित भाटिया (कप्तान), विश्वजीत सिंह भाटी, आकाश मुंडेल, चंद्रपाल, पार्थ यादव, मो अनस, आभाष श्रीमाली, मोहित भगतानी, देवेंद्र सिंह तंवर, मनय कटारिया।

गिलक्रिस्ट ने भारत के खिलाफ नकारात्मक रणनीति के लिए ऑस्ट्रेलिया की आलोचना

ऑस्ट्रेलिया, 25 नवम्बर। महान विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने रविवार को पहले टेस्ट के तीसरे दिन भारत के खिलाफ नकारात्मक रणनीति अपनाने के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की आलोचना की। यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली के शतकों के बाद भारत ने दूसरी पारी छह विकेट पर 487 रन पर घोषित कर

ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत के लिए 534 रन का असंभव लक्ष्य दिया।

ऑस्ट्रेलिया के मुख्य गेंदबाज पूरी तरह से अप्रभावी रहे और कप्तान पैट कमिंस का भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने के लिए मार्नस लाबुशेन पर निर्भर रहने का फैसला आलोचनाओं के घेरे में आ गया। गिलक्रिस्ट और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन दोनों ने ही लाबुशेन की नकारात्मक रणनीति पर चिंता व्यक्त की। गिलक्रिस्ट ने सवाल करते हुए, ''क्या आपने कभी ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों की इतनी निराश टीम को ऐसी रणनीति अपनाते देखा है? नियमों की किताब के अनुसार नकारात्मक रणनीति क्या होती है? '' इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा कि उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम द्वारा ऐसा दृष्टिकोण कभी नहीं देखा। वॉन ने 'फॉक्स क्रिकेट' पर कहा, ''मैंने ऑस्ट्रेलियाई टीम को इस तरह कभी नहीं देखा है। '' खेल प्रेमियों ने भी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के प्रदर्शन और उनकी रणनीति पर सोशल मीडिया में निराशा व्यक्त की।

रामबाग गोल्फ क्लब के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन

जयपुर, 25 नवम्बर। जयपुर के रामबाग गोल्फ क्लब, के खिलाड़ियों ने हाल ही में आयोजित दो प्रोफेशनल राष्ट्रीय गोल्फ टूर्नामेंट्स में बेहतरीन प्रदर्शन किया। हैदराबाद के बौल्डर हिल्स गोल्फ और कंट्री क्लब में हाल ही में आयोजित हीरो विमेंस प्रो गोल्फ टूर्नामेंट 2024 में रामबाग गोल्फ क्लब की खुशी खानिजाऊ ने 3 दिनों में कुल 5 ओवर पार का स्कोर दर्ज करते हुए 11वें स्थान पर अपनी स्थिति बनाई। खुशी ने चौथे और चौदवें होल्स पर बर्डी बनाकर अपनी बेहतरीन तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया। वहीं, इससे पूर्व ही रामबाग गोल्फ क्लब के अन्य पेशेवर खिलाड़ी प्रखर असावा ने राष्ट्रीय स्तर पर इंडियन ऑयल सर्वो मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट 2024 में सराहनीय प्रदर्शन करते हुए 21वां स्थान हासिल किया था।

इस टूर्नामेंट का आयोजन असम के डिगबोई गोल्फ लिंक्स में पीजीटीआई (प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया) द्वारा किया गया था। इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए रामबाग गोल्फ क्लब के कैप्टन योगेंद्र सिंह एवं मानद सचिव, समृद्ध शर्मा ने दोनों खिलाड़ियों की सफलता पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का समर्पण, मेहनत और खेल के प्रति जुनून न केवल उन्हें व्यक्तिगत सफलता दिला रहा है, बल्कि क्लब की मजबूत प्रशिक्षण और प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। हमें आशा है कि आने वाले समय में ये खिलाड़ी और भी ऊंचाइयों को छुएंगे और गोल्फ के क्षेत्र में अपनी पहचान और मजबूत करेंगे।''

राजस्थान के पूर्व रणजी क्रिकेटर भानुप्रताप सिंह का निधन

जयपुर, 25 नवम्बर। राजस्थान के पूर्व रणजी क्रिकेटर विजय भानुप्रताप सिंह का सोमवार को बैंगलोर में निधन हो गया। बांसवाड़ा राजपरिवार के भानुप्रताप सिंह को क्रिकेट विरासत में मिली। वह पूर्व टेस्ट क्रिकेटर हनुमंत सिंह और पूर्व रणजी खिलाड़ी सूर्यवीर सिंह के छोटे भाई थे भानुप्रताप ने

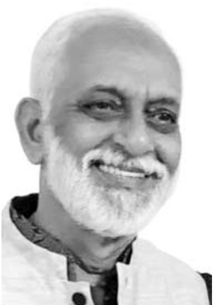

अपने रणजी ट्रॉफी करियर की शुरुआत 1976-77 में इन्दौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ की और आखिरी मैच 1983 के सत्र में खेला। अपने करीब सात साल के रणजी करियर में भानुप्रताप ने राजस्थान के लिए 11 प्रथमश्रेणी मैच खेले और 199 रन बनाने के साथ ही 18 विकेट लिए। भानुप्रताप सिंह के पारिवारिक मित्र और उनके साथ रणजी ट्रॉफी में खेले जयपुर के महेश शर्मा ने बताया कि 72 वर्षीय भानुप्रताप का कल देर रात दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को बैंगलोर में किया जाएगा। डेली कॉलेज इन्दौर में पढ़े भानुप्रताप ने क्रिकेट की शुरुआत मध्य प्रदेश में की लेकिन रणजी ट्रॉफी में वे राजस्थान के लिए खेले। लम्बे कद के तेज गेंदबाज भानुप्रताप जयपुर की घरेलू क्रिकेट में जयपुर ब्लूज क्रिकेट क्लब और रिजर्व बैंक की ओर से खेली। भानुप्रताप जयपुर में रिजर्व बैंक में नियुक्त हुए। बैंक की नौकरी के बाद वे लम्बे समय तक डेली कालेज इन्दौर के डायरेक्टर स्पोर्ट्स के पद पर रहे। नोयडा में जेपी एकेडमी की स्थापना के समय वे एकेडमी के डायरेक्टर बने। खेल से रिटायर होने के बाद उनका कोचिंग में रुझान रहा। वे मध्य प्रदेश की जूनियर क्रिकेट टीम से भी जुड़े रहे। भानुप्रताप के साथ क्रिकेट खेले राजस्थान के पूर्व रणजी क्रिकेटर कमलाकर शर्मा, महेश शर्मा, शरद जोशी, डा. बीआर सोनी, विनोद माथुर, रौनी शरमन, आरिफ उल्ला खान और कुलदीप मिश्रा ने भानुप्रताप के आकस्मिक निधन पर दुख व्यक्त किया।

राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की दिव्यांशी और अवलोकित सिंह ने जीते गोल्ड

जयपुर, 25 नवंबर। सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की दिव्यांशी सिंह और अवलोकित सिंह ने रविवार को मुम्बई में संपन्न जेएसडब्ल्यू 10वें सुनील वर्मा मेमोरियल स्क्वैश टूर्नामेंट में राजस्थान के लिए स्वर्ण पदक जीते। राजस्थान स्पोर्ट्स एकेडमी की संचालक सुरभि मिश्रा के अनुसार दिव्यांश जैन ने लड़कियों के अंडर-13 वर्ग के फाइनल में महाराष्ट्र की शनाया परसरामपुरिया को पांच सेटों तक चले कड़े मुकाबले में 11-3, 6-11, 11-4, 9-11, 11-2 से पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

दिव्यांश ने इससे पहले सेमी फाइनल में महाराष्ट्र की ही शनाया रॉय को 11-5, 11-4, 11-2 से हरा फाइनल में जगह बनाई थी। लड़कों के अंडर-19 आयु वर्ग में राजस्थान के अवलोकित सिंह ने उत्तर प्रदेश के प्रियांशु कुमार को 12-10, 11-7, 6-11, 11-5 से हरा स्वर्णिम सफलता हासिल की। टूर्नामेंट में दूसरी वरीयता के अवलोकित ने इससे पहले सेमी फाइनल में उत्तर प्रदेश के ही अंश त्रिपाठी को 11-4, 11-1, 11-9 से हरा फाइनल में जगह बनाई थी।

बुमराह ने विराट कोहली और यशस्वी जायसवाल की सराहना की

पर्थ, 25 नवंबर। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान जसप्रीत बुमराह ने विराट कोहली की फॉर्म को लेकर चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि कुछ बाहरी आलोचनाओं के बावजूद स्टार बल्लेबाज शानदार फॉर्म में है। इसके साथ उन्होंने यशस्वी जयसवाल की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पारी के लिए भी सराहना की। मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में बुमराह ने कहा कि इस जीत से मैं बहुत खुश हूं। पहली पारी में हम पर दबाव डाला गया, लेकिन जिस तरह से हमने जवाब दिया वह शानदार था। मैंने यहां 2018 में खेला था उस समय पिच नरम थी। इस बार पिच में कम चुनौतीपूर्ण थी, लेकिन हम अच्छी तरह से तैयार थे। मैंने सभी से कहा था कि अपनी क्षमताओं पर विश्वास बनाए रखें। जयसवाल की यह अब तक की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पारी खेली। वह गेंद को बेहतरीन तरीके से छोड़ रहे थे। मैंने विराट को फॉर्म से बाहर कभी नहीं देखा है। मुश्किल पिचों पर इस तरह की चीजो को आंकना कठिन है। लेकिन नेट्स में वह अच्छे दिख रहे थे। हमें हमेशा दर्शकों का समर्थन मिलता है, और जब ऐसा समर्थन होता है तो हमें अच्छा महसूस होता है।

सिकंदराबाद में आज से शुरू होगी सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप

सिकंदराबाद, 25 नवंबर। तेलंगाना में मंगलवार से शुरु हो रही 14वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में देशभर की 28 टीमें स्पर्धा करेंगी। तेलंगाना में दक्षिण मध्य रेलवे खेल परिसर, आरआरसी ग्राउंड, रेल निलयम में होने वाली चैंपियनशिप में इस बार भाग ले रही 28 टीमों को आठ पूल में बांटा गया। पहले चार पूल में तीन-तीन टीमें होगी। अगले चार टीमों के पूल में चार-चार टीमें रखी गई है। चैंपियनशिप छह दिसंबर तक चलेगी। क्वार्टर फाइनल तीन दिसंबर से शुरू होगा। सेमीफाइनल 5 दिसंबर को और उसके बाद तीसरे/चौथे स्थान के लिए मैच खेला जायेगा और छह दिसंबर को फाइनल होगा। पूल ए में दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव, हरियाणा और मणिपुर शामिल हैं। पूल बी में छत्तीसगढ़, झारखंड और तेलंगाना हैं, जबकि पूल सी में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा, हिमाचल और यूनिट ऑफ तमिलनाडु शामिल हैं। पूल डी में राजस्थान, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश शामिल हैं। अगले चार पूल में चार-चार टीमें हैं।

अर्जुन की बदौलत जयपुर ने पुनेरी पल्टन को 15 अंक से हराया

नोएडा, 25 नवंबर। रेड मशीन का खिताब पा चुके अर्जुन देसवाल (16 अंक) के एक और बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर जयपुर पिंक पैंथर्स ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में सोमवार को रिवेंज वीक के तहत खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 75वें मैच में पुनेरी पल्टन को 37-23 के स्कोर से हराकर लगातार दो मैचों से चली आ रही हार का सिलसिला तोड़ दिया।

जयपुर को 13वें मैच में सातवीं जीत मिली है। अर्जुन के अलावा नीरज नरवाल (5) और डिफेंस से रेजा मीरबघेरी (4) तथा अंकुश राठी (4) ने सराहनीय खेल दिखाया। पल्टन के लिए पंकज मोहिते और मोहित गोयत सात-सात अंक ले सके। पल्टन के रेडरों ने तो अच्छा खेल दिखाया लेकिन डिफेंडरों ने निराश किया। पल्टन को 13 मैचों में चौथी हार मिली। शुरुआती 10 मिनट में दोनों टीमें 6-6 की बराबरी पर रहीं। पल्टन के लिए पंकज मोहिते और मोहित गोयत ने चमक दिखाई जबकि जयपुर के लिए नीरज नरवाल ने तीन अंक के साथ अपनी टीम को मुकाबले में बनाए रखा। ब्रेक के बाद हालांकि पंकज ने सुरजीत को गच्चा दे पल्टन को 7-6 से आगे कर दिया लेकिन नीरज ने पंकज का शिकार कर हिसाब बराबर किया। इस बीच अर्जुन ने चार के डिफेंस में नादराजन को आउट कर पल्टन को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। इसके बाद मैच की पहली डू ओर डाई रेड की बारी आई, जिसमें अजीत ने दो अंक लेते हुए पल्टन को आगे कर दिया। हालांकि अर्जुन ने फिर स्कोर बराबर कर दिया। पल्टन के लिए अभी भी सुपर टैकल आन था।

पल्टन इस स्थिति का फायदा नहीं उठा सके और 16वें मिनट में आलआउट हो गए। जयपुर को 14-10 की लीड मिल चुकी थी। आलइन के बाद जयपुर ने एक के मुकाबले पांच अंक लेकर फासला 8 का कर लिया। पंकज और डिफेंडर मोहित का शिकार हो चुका था। इस तरह जयपुर ने 19-11 स्कोर के साथ पाला बदला। हाफटाइम के बाद अर्जुन ने मोहित का शिकार कर पल्टन को सुपर टैकल सिचुएशन में डाल दिया। इसके बाद अर्जुन ने ही एक ही रेड में तीनों डिफेंडर्स को आउट कर पल्टन को दूसरी बार आलआउट कर दिया।

उदयपुर में जनजाति खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

उदयपुर, 25 नवंबर। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के तत्वावधान में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय जनजाति खेलकूद प्रतियोगिता-2024 का शुभारंभ सोमवार को महाराणा प्रताप खेलगांव उदयपुर में हुआ। प्रतियोगिता में जनजाति उपयोजना क्षेत्र के सात जिलों से 1300 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह खेलगांव स्थित स्टेडियम में नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश, अतिरिक्त आयुक्त (टीएडी) गितेशश्री मालवीया, आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक ओपी मीणा, समाजसेवी प्रमोद सागर तथा रविन्द्र श्रीमाली, राज्य जनजाति खेल अधिकारी नरेंद्र भूरिया के आतिथ्य में हुआ। प्रारंभ में जिला खेल अधिकारी महेश पालीवाल ने अतिथियों का उपरणा एवं पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। राज्य जनजाति खेल अधिकारी श्री भूरिया ने स्वागत उद्बोधन देते हुए राज्य सरकार की ओर से खिलाड़ियों को प्रदत्त सुविधाओं तथा खेल योजनाओं की जानकारी देते हुए उससे लाभान्वित होने का आ ान किया।

राष्ट्रीय वीमेन अंडर-16 क्रिकेट प्रतियोगिता

जयपुर, 25 नवम्बर। पुणे में खेली जा रही राष्ट्रीय अंडर 15 एक दिवसीय ट्रॉफी मैच में राजस्थान-मुंबई के मध्य खेले गए मैच का स्कोर :- टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान टीम ने गौरवी खंगारोत 26, रोचले यादव 23, दीक्षा चौधरी 22 व सरिता 19 रनो की सहायता से टीम को 127 रनो के स्कोर तक पहुँचाया। मुंबई पारी 128/1, राजस्थान की गेंदबाज धृति माथुर 30/1 विकेट प्राप्त किये।

यूनाइटेड भारत और नेशनल यूनाइटेड की जीत

नई दिल्ली, 25 नवंबर। यूनाइटेड भारत एफसी और नेशनल यूनाइटेड एफसी ने अपने-अपने मुकाबले जीत कर डीएसए दिल्ली प्रीमियर लीग में पूरे अंक अर्जित किए। डॉ. बी आर अम्बेडकर स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच फजल के गोल से यूनाइटेड भारत ने हिन्दुस्तान एफसी को 1-0 से हराया। वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में नेशनल यूनाइटेड ने सांगोट जार्ज के गोल की बदौलत तरुण संघा पर 1-0 से जीत दर्ज की। नेशनल यूनाइटेड के राम स्वरूप को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। अंक तालिका की फिसड्डी टीमों के बीच खेले गए मुकाबले में अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ियों की कमजोर निशानेबाजी के कारण गोल नहीं निकल पाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित किया। इस दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा अभियान अविचल चतुर्वेदी सहित स्कूल शिक्षा विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

'अगले माह सवा लाख बालिकाओं को साइकिल वितरित की जायेगी'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्कूल शिक्षा विभाग के काम की समीक्षा की

- **मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि सर्वे करा कर विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में शिक्षकों की नियुक्ति करें तथा राज्य के सरकारी व निजी विद्यालयों के ड्रैस कोड में एक रूपता लाई जाये।**

जयपुर, 25 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में शिक्षा की अहम भूमिका है, क्योंकि आज के बच्चे ही भविष्य के नागरिक होते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए नवीन तकनीकों का उपयोग करने के साथ ही, खाली पदों पर भर्ती तथा स्कूलों में कक्षा-कक्षों का निर्माण कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि हम नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने तथा शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान को मॉडल स्टेट बनाने हेतु विभिन्न स्तरों पर कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में शिक्षण कार्य सुचारू रूप से चले, इस हेतु सत्र के प्रारंभ में ही विद्यार्थियों को लगभग साढ़े 3 करोड़ पाठ्यपुस्तकों का निःशुल्क वितरण किया गया है तथा कक्षा 1 से 8 तक के समस्त विद्यार्थियों एवं 9 से 12 तक की बालिकाओं को स्कूल बैग भी दिए जाएंगे। शर्मा ने कहा कि आगामी माह में 1 लाख 25 हजार बालिकाओं को साइकिल वितरित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सभी विद्यालयों में शिक्षण की गुणवत्ता को बेहतरीन करने हेतु सरकार खाली पदों पर भर्ती कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में अब तक लगभग साढ़े 20 हजार पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं तथा लगभग 18 हजार पदों पर पदोन्नित की गई है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य के सभी स्कूलों में शिक्षकों और विद्यार्थियों की संख्या का सर्वे करवाकर, विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में शिक्षकों की नियुक्ति की जाए। उन्होंने कहा कि राज्य के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के ड्रेस कोड में एकरूपता लाई जाए।

मुख्यमंत्री ने स्कूलों में कक्षा कक्षों तथा बालिका विद्यालयों में शौचालयों की स्थिति का भौतिक सत्यापन कर आवश्यकतानुसार उनकी मरम्मत और नव निर्माण करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भौतिक सत्यापन के कार्य में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

बैठक में शासन सचिव स्कूल शिक्षा, कृष्ण कुणाल ने मुख्यमंत्री को स्कूल शिक्षा विभाग की विभिन्न उपलब्धियों और नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य के 1.34 करोड़ विद्यार्थियों ने सूर्य नमस्कार कर विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

इस अवसर पर, स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा अभियान, अविचल चतुर्वेदी, निदेशक माध्यमिक शिक्षा आशीष मोदी सहित स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इस्तीफा प्रकरण : धारीवाल, महेश जोशी सहित 6 को हाईकोर्ट का नोटिस

भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड़ की जनहित याचिका में 6 नेताओं से 4 सप्ताह में जवाब मांगा

- **25 दिसम्बर 2022 को 81 विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष को इस्तीफे सौंपे। अध्यक्ष ने लम्बे समय तक इस पर निर्णय नहीं लिया। पिछली सुनवाई पर स्पीकर की ओर से जवाब आया कि इस्तीफे स्वैच्छिक नहीं थे, इसलिए अस्वीकार कर दिये। याचिकाकर्ता ने सवाल उठाया है कि किसके दबाव में इस्तीफे दिये गये।**

जयपुर, 25 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में कांग्रेस के तत्कालीन 81 विधायकों द्वारा इस्तीफा देने से जुड़े मामले में, अपने और 75 विधायकों के इस्तीफे की कॉपी स्पीकर को सौंपने वाले तत्कालीन छह विधायकों, शांति धारीवाल, महेश जोशी, रफीक खान, महेन्द्र चौधरी, रामलाल जाट व संयम लोढ़ा को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

अदालत ने इन तत्कालीन विधायकों से 4 सप्ताह में जवाब पेश करने को कहा है। चीफ जस्टिस, एम.एम. श्रीवास्तव और जस्टिस उमाशंकर व्यास की खंडपीठ ने ये आदेश भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड़ की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिकाकर्ता ने गत सुनवाई को इन तत्कालीन 6 विधायकों को पक्षकार बनाने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया था, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया था।

याचिका में कहा गया कि 81 विधायकों ने 25 सितंबर, 2022 को विधानसभा स्पीकर को अपने इस्तीफे दिए थे। इसके बाद याचिकाकर्ता ने कई बार स्पीकर को प्रतिवेदन देकर इस्तीफों पर निर्णय करने को कहा, लेकिन उन्होंने कोई निर्णय नहीं किया। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को कहा गया कि इस्तीफा देने के बाद इन 81 विधायकों ने वेतन भत्तों के तौर पर करीब 18 करोड़ रुपए प्राप्त किए हैं। ऐसे में इस बिन्दु पर उचित आदेश दिए जाएं। इसके अलावा स्पीकर के समक्ष लंबित इस्तीफों के संबंध में निर्णय करने की अधिकतम समय सीमा तय की जाए।

अधिवक्ता हेमन्त नाहटा ने बताया कि इन छह तत्कालीन विधायकों को इस मामले में पक्षकार बनाने के लिए यह प्रार्थना पत्र इसलिए दायर किया था, ताकि पता चल सके कि कांग्रेस के 81 विधायकों ने किसके दबाव में विधानसभा स्पीकर को इस्तीफे सौंपे थे।

दरअसल इस मामले में पिछली सुनवाई पर मौजूदा स्पीकर का जवाब आया था, जिसमें कहा गया था कि इस्तीफों को स्पीकर ने यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया था कि विधायकों ने अपने इस्तीफे स्वैच्छिक नहीं दिए थे और कई विधायकों ने अपने इस्तीफे, व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होकर, नहीं देने की बात की थी।

झारखंड की नई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं। इन 71 करोड़पतियों में से 28 विधायक झारखंड मुक्ति मोर्चा, (जे.एम.एम.), 20 भाजपा, 14 कांग्रेस, 4 आर.जे.डी., 2 सी.पी.आई. एम.एल. लिबरेशन और एक-एक एल. जे.पी. (राम विलास), जय (यू.) तथा ए.जे.एस.यू. के है। हाल में संपन्न हुए चुनावों में जे.एम.एम. को 34 सीटों पर विजय हासिल हुई, जबकि, कांग्रेस ने 16 सीटें जीतीं। वहीं, आर.जे.डी. ने चार और सी.पी.आई.एम.एल. लिबरेशन ने दो सीटे जीती है।

दूसरी तरफ भाजपा को 21 विधानसभा सीटों पर तथा उसकी पार्टनर एल.जे.पी. (पासवान), जय (यू) और ए.जे.एस.यू. पार्टी को एक-एक सीट पर जीत मिली। झारखंड विधानसभा 2024 में प्रति विजेता प्रत्याशी औसत संपत्ति 6.90 करोड़ है। सन् 2019 के चुनावों में यही औसत 3.82 करोड़ था।

अडानी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को "आधारहीन" बताया है।

अडानी मुद्दे को लेकर हो रहे हंगामे के बीच राज्यसभा की कार्यवाही भी स्थगित कर दी गई।

संभल : सपा सांसद और विधायक पुत्र के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज

संभल में बाहरी लोगों के आने पर रोक, सभी स्कूल बंद किये

- **सपा सांसद जिया उर रहमान तथा विधायक इकबाल महमूद के पुत्र सुहेल इकबाल के खिलाफ साजिश करने, दंगा भड़काने व भीड़ इकट्ठी करने के आरोप हैं।**

संभल, 25 नवंबर। जिले में जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर हुए बवाल के दौरान हुई पत्थरबाजी की घटना और पुलिस की ओर से किए गए लाठीचार्ज में चार लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद संभल में बाहरी लोगों के आने पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा इलाके में स्कूलों को भी बंद कर दिया गया है और पुलिस ने पूरे मामले को लेकर संभल कोतवाली में एफ.आई.आर. दर्ज की है। एफ.आई.आर. में सपा सांसद जिया उर रहमान और विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल के खिलाफ साजिश का मुकदमा दर्ज किया गया है।

रविवार को जिले में हुए बवाल के बाद संभल कोतवाली में दंगे को लेकर दर्ज की गई एफ.आई.आर. में सुनियोजित साजिश, दंगा भड़काने और भीड़ इक्कठा करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के हाथ दंगा भड़काने वाले कुछ वीडियो पोस्ट भी लगे हैं, जिनकी जांच की जा रही है।

संभल में हुई हिंसा मामले में अब तक सात एफ.आई.आर. दर्ज की गई हैं। इन सभी में कुल मिलाकर 2500 से अधिक लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। संभल के एस.पी. कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा, "हमारे सब-इंस्पेक्टर दीपक राठी, जो कल घायल हुए थे, उन्होंने 800 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। जिया उर रहमान बर्क और सोहेल इकबाल को आरोपी बनाया गया है। उन्होंने भीड़ को उकसाया था।" उन्होंने बताया कि बर्क को पहले भी नोटिस दिया गया था, इसके बावजूद उन्होंने लोगों को भड़काया, जिस वजह से लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया था। बर्क को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संभल में बवाल के बाद कई तरह की पाबंदियां लगा दी गई हैं। इस के तहत एक दिसंबर तक बहारी व्यक्ति के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। आदेश के मुताबिक जिले में बाहरी व्यक्ति, सामाजिक संगठन और जनप्रतिनिधि के प्रवेश पर रोक है। प्रशासन ने अतिसंवेदनशील स्थिति को देखते हुए यह कदम उठाया है। जानकारी के मुताबिक हिंसा और पथराव के बाद हिरासत में लिए गए लोगों के घरों से हथियार बरामद हुए हैं।

'आरोप अडानी पर है, और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया, जिसमें बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों, जिनमें अन्य राज्यों से आये लोग भी शामिल थे, ने भाग लिया। ये लोग अडानी के खिलाफ नारे लिखी हुई तख्तियाँ हाथों में उठाये हुये थे।

अमेरिकन प्रॉसिक्यूटर्स ने सागर अडानी पर आरोप लगाते हुये कहा कि उन्होंने कथत रूप से करोड़ों डालर की रिश्वत भारतीय अधिकारियों को दी। इन नोटों को प्रॉसिक्यूटर्स ने "रिश्वत के नोट" बताया है।

इस कथित रिश्वत-कांड पर अमेरिकन अधिकारियों का ध्यान उस समय गया, जब अडानी की कम्पनी 2021 में शुरू हुये इस लेन-देन से सम्बन्धित पैसों की उगाही अमेरिकन निवेशकों से कर रही थी।

ऐसा प्रतीत होता है कि रिश्वत के इस अभियोग की शाखें पूरी दुनिया में फैल गई हैं। ऐसी खबरें है कि कुछ बैंकर इस ग्रुप को नया उधार देना फिलहाल रोक देने पर विचार कर रहे हैं।

कीनिया ने 2.5 अरब डॉलर के अडानी इन्फ्रास्ट्रक्चर के सौदे रद्द करने के आदेश दे दिये हैं। एक अमेरिकन डवलपमेन्ट एजेंसी श्रीलंका के एक अडानी पोर्ट प्रोजेक्ट का पुनः आकलन कर रही है, जिसे वित्तीय सहयोग देने के लिये पहले सहमति दे दी गई थी।

बाँग्लादेश में, एक सरकारी पैनल ने बिजली के सौदों, जिनमें एक सौदा अडानी से भी किया गया है, की जाँच के लिये कानूनी सहायता माँगी है।

असली सवाल है कि अब अडानी पर आगे क्या होगा? उन पर विदेशी रिश्वतखोरी, सिक्यूरिटीज फ्रॉड, सिक्यूरिटी फ्रॉड षडयन्त्र तथा बायर फ्रॉड षडयन्त्र के आरोप हैं।

उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई है तथा वे कहाँ है, यह ज्ञात नहीं है। हालाँकि, माना जा रहा है कि वे भारत में ही हैं।

अगर उनका प्रत्यार्पण होता है, या वे अमेरिका में सरेन्डर करते हैं, तो भी ट्रायल में काफी समय लगना है।

अगर अडानी पर अभियोग साबित हो जाता है तो उन्हें दशकों तक जेल में रहना पड़ सकता है तथा उन पर जुर्माने भी हो सकते हैं।

हालाँकि, किसी प्रकार सजा दिया जाना अन्ततः केस की सुनवाई करने वाले जज पर निर्भर है।

अमेरिकन अदालत के एक निर्देश के अनुसार, फिलहाल अडानी को अमेरिकन मार्केट्स के रेग्यूलेटर के आरोपों का जवाब 21 दिन के अन्दर देना है।

दिल्ली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्टी, बिना सोचे समझे और विभिन्न समूहों व हितों को "बैलेंस" किए बिना बड़ी बेतरतीबी से नियुक्तियाँ कर रही है।

लगभग सभी राज्यों में कांग्रेस की यही कहानी है। राहुल गांधी अपनी पार्टी में राजनीति को सूक्ष्म तरीके से नहीं देखते हैं और उन्होंने के.सी. वेणुगोपाल को अपनी पावर ऑफ अटॉर्नी दे रखी है।

यहाँ तक कि कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे भी निरीह से नज़र आते हैं, क्योंकि वे काफी समय से वेणुगोपाल और जयराम रमेश को हटाना चाहते पर कर नहीं पा रहे हैं।

15 साल राज किया, पर 15 सीटों पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लें या किसी ऐसे व्यक्ति को नियुक्त करें, जो स्वतंत्र एवं सक्षम हो। मल्लिकार्जुन खड़गे निश्चित रूप से इस पद को सँभाल नहीं सके हैं, और उनका कार्यकाल 2027 में समाप्त होगा, तो यह स्पष्ट है कि बैक सीट ड्राइविंग आगे न तो काम कर सकती है और न करेगी।

2019 से लेकर अब तक, कांग्रेस ने बहुत सारे चुनाव हारे हैं, लेकिन सब कुछ ठीक करने की दिशा में कोई कोशिश नहीं की गई तथा न ऐसी नई प्रतिमाओं को आगे लाया गया, जो पार्टी को ताकतवर बना सकें।

पिछले पाँच साल का रिपोर्ट कार्ड इस प्रकार है-

2019 - लोक सभा हारे,
2019 - आन्ध्र प्रदेश, सिक्किम ओडिशा, अरूणाचल प्रदेश तथा हरियाणा हारे
2020 - दिल्ली और बिहार हारे
2021 - असम, केरल तथा पश्चिम बंगाल हारे
2022 - गुजरात, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा तथा मणिपुर हारे
2023 - राजस्थान, मध्यप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ हारे
2024 - लोकसभा चुनाव, ओडिशा, आन्ध्र प्रदेश, हरियाणा तथा महाराष्ट्र हारे

इन हारों के लिये क्या कोई जिम्मेदार ठहराया गया? अब तक इन पराजयों की कोई जवाबदेही तय नहीं की गई, कोई आत्म-निरीक्षण नहीं किया गया, कोई विश्लेषण नहीं किया गया।

एक हार के बाद, पार्टी दूसरी हार की ओर बढ़ जाती है।

खुली जेल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वाले कैदियों का भी पुनर्वास करना होगा। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने कहा कि खुली जेल को आवंटित की गई जमीन को कम नहीं किया जा रहा है। खुली जेल का कुल क्षेत्रफल 61,160 वर्ग मीटर है। इसमें से 17,800 वर्ग मीटर जमीन पर निर्माण है।

वहीं, खुली जेल के लिए राज्य सरकार द्वारा अलग से 14,940 वर्ग मीटर जमीन आवंटित करना प्रस्तावित है, जबकि 22,000 वर्ग मीटर जमीन पर ही सेटेलाइट हॉस्पिटल का निर्माण किया जाएगा।

वहीं, हॉस्पिटल निर्माण के दौरान कैदियों का पुनर्वास किया जाएगा। मौजूदा समय में खुली जेल में 410 कैदी रह रहे हैं।

दरअसल अवमानना याचिका में कहा था कि खंडपीठ ने 17 मई 2024 को आदेश जारी कर, राज्य सरकार को खुली जेल की जमीन को कम नहीं करने और छह दशक से खुली जेल के लिए काम आने वाली इस जमीन को संरक्षित करने के लिए कहा था, लेकिन जेडीए ने 30 जुलाई 2024 को इस जमीन पर सेटेलाइट हॉस्पिटल का आवंटन मंजूर कर लिया है। राज्य सरकार व जेडीए का ऐसा करना सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना है।

दो से ज्यादा संतान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुनवाई करते हुए दिए।

प्रार्थना पत्र में अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने अदालत को बताया कि कार्मिक विभाग ने 16 मार्च, 2023 को अधिसूचना जारी कर दो से ज्यादा संतान वाले कर्मचारियों को संबंधित सालों से पदोन्नत करने का प्रावधान किया था। इसके खिलाफ दायर याचिका पर हाईकोर्ट ने गत अगस्त माह में अंतरिम आदेश जारी कर पदोन्नतियों पर रोक लगा दी थी, जबकि अंतरिम आदेश के जरिए पूरी पदोन्नति प्रक्रिया को रोका नहीं जा सकता। इसके अलावा, याचिकाकर्ता को पूर्व में दी गई पदोन्नति इस अधिसूचना से प्रभावित नहीं हो रही है। इसलिए पूर्व में दिए आदेश को वापस लिया जाए। इस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने पूर्व में दिए आदेश को संशोधित करते हुए तथा पदोन्नतियों पर लगी रोक को हटाते हुए उसे याचिका के निर्णयाधीन रखा है।

याचिका में कहा गया है कि राज्य सरकार ने एक जून 2002 या इसके बाद दो से ज्यादा संतान वाले सरकारी कर्मचारियों को तीन व पांच अवसरों तक पदोन्नित से वंचित रख रखा था। वहीं, कार्मिक विभाग ने 16 मार्च 2023 को एक अधिसूचना निकाल कर कहा कि किसी भी कर्मचारी को केवल ज्यादा संतान होने के चलते पदोन्नित से वंचित नहीं किया जा सकता। ऐसे में जिन कर्मचारियों को पदोन्नति से वंचित किया है, उन्हें उनके पदोन्नति वर्ष से ही इसका लाभ दिया जाएगा। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि पिछली तारीखों से किसी भी कर्मचारी की योग्यता के संबंध में अधिसूचना जारी नहीं की जा सकती। वहीं, इस अधिसूचना के जरिए वो कर्मचारी पदोन्नत होंगे, जिन्हें पहले अयोग्य माना जा चुका है। इस कारण याचिकाकर्ताओं की पदोन्नित भी प्रभावित होगी और वे वरिष्ठता में उनसे नीचे चले जाएगे। इसलिए 16 मार्च 2023 की अधिसूचना के आधार पर दो से ज्यादा संतान वाले कर्मचारियों को पदोन्नति नहीं दी जाए।

तेलंगाना ने अडानी का 100 करोड़ का दान लौटाया

हैदराबाद, 25 नवंबर। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार को देश के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडानी से जुड़े विवाद पर राज्य सरकार की स्थिति स्पष्ट की। रेड्डी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि तेलंगाना सरकार का कथित मुद्दों से कोई संबंध नहीं है तथा अंबानी, अडानी और टाटा जैसे उद्योगपति राज्य में व्यापार करने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते, वे कानूनी प्रोटोकॉल का पालन करें। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी के लिए अडानी द्वारा घोषित 100 करोड़ रुपये के दान को अस्वीकार करने का निर्णय लिया है।

नीट यूजी : स्ट्रे वेकैन्सी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहित अन्य की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अधिवक्ता रघुनंदन शर्मा ने कहा कि 11वीं कक्षा के प्रमाण पत्र में बायोलॉजी विषय का उल्लेख नहीं होने पर स्ट्रे वैकेंसी राउंड में सीट आवंटन नहीं करने पर एकलपीठ में याचिका पेश हुई थी। इस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने गत दिनों अपीलार्थियों के सीट आवंटन को निरस्त कर दिया था, जबकि एकलपीठ के याचिकाकर्ताओं को अगस्त माह में ही इसकी जानकारी थी कि काउंसलिंग में वह प्रमाण पत्र पेश करना है, जिसमें कक्षा 11वीं में बायोलॉजी विषय होने की जानकारी हो। वहीं, तय प्रक्रिया पूरी होने के बाद एकलपीठ में याचिका दायर की गई, जबकि स्ट्रे वैकेंसी राउंड में अपीलार्थी सहित अन्य अभ्यर्थियों ने 11वीं कक्षा में बायोलॉजी विषय होने के संबंध में प्रमाण पत्र पेश किया था और याचिकाकर्ता ने ऐसा कोई प्रमाण पत्र पेश नहीं किया था। इसलिए उन्हें सीट आवंटित नहीं की गई। ऐसे में अपीलार्थियों का सीट आवंटन निरस्त नहीं किया जा सकता। याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने सीट आवंटन निरस्त करने पर रोक लगा दी है।

केजरीवाल दिल्ली में 80 हजार नये बुजुर्गों को पेंशन देंगे

- **दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले केजरीवाल की घोषणा को चतुर राजनीतिक कदम माना जा रहा है।**
- **केजरीवाल ने आरोप लगाया कि जब वे जेल में गये तब बुजुर्गों की पेंशन रोक दी गयी थी। जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने फिर से पेंशन शुरू करवायी है।**

नई दिल्ली, 25 नवंबर। दिल्ली में अब से कुछ ही समय बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव से ठीक पहले आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बड़ा दांव खेलते हुए दिल्ली के बुजुर्गों के लिए बड़ा ऐलान कर दिया है। केजरीवाल ने बताया है कि दिल्ली में 80 हजार नए बुजुर्गों को पेंशन की सौगात मिलेगी। उन्होंने कहा, दिल्ली में अब सब रूके हुए काम फिर से शुरू कराएँगे।

अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बुजुर्गों के लिए यह बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा, सरकार 80 हजार नए बुजुर्गों को पेंशन देने जा रही है, दिल्ली में अब 5 लाख 30 हजार बुजुर्गों को पेंशन मिलेगी।

अरविंद केजरीवाल ने बताया है कि अभी 60 से 69 साल के बुजुर्गों को 2 हजार रुपये महीना दिया जाता है। इसके अलावा 70 वर्ष से ज्यादा के बुजुर्गों को 2500 रुपए महीना दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस फैसले को कैबिनेट ने भी पास कर दिया है, ये लागू भी हो गया है और पेंशन के लिए 10 हजार नए एप्लिकेशन भी आ गए हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, "जहां डबल इंजन की सरकार है वहां पर बुजुर्गों को कम पेंशन मिलती है, और यहां सिंगल इंजन की सरकार है तो यहां 2500 पेंशन मिलती है। इसलिए डबल इंजन को नहीं सिंगल इंजन की सरकार ही चुनिए।" केजरीवाल ने आरोप लगाया कि जब वह जेल गए तो बुजुर्गों की पेंशन रोक दी गई यह पाप है। केजरीवाल ने कहा कि जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने फिर से पेंशन को शुरू करवाया है।

संविधान की प्रस्तावना में "समाजवादी" और "धर्मनिरपेक्षता" शब्द शामिल किए जाने के खिलाफ याचिकाएं खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इतने वर्षों बाद इस प्रक्रिया को निरस्त नहीं किया जा सकता

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता का क्रियान्वयन सरकार पर निर्भर है।**
- **ज्ञातव्य है कि आपातकाल में तत्कालीन प्रधानमंत्री ने संविधान संशोधन के जरिए प्रस्तावना में "समाजवाद" व "धर्मनिरपेक्षता" शब्द जुड़वाए थे।**
- **भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी और अश्विनी उपाध्याय ने पृथक- पृथक याचिकाएं दायर कर इन शब्दों को हटाने की मांग की थी और कहा था कि आपातकाल में संसद द्वारा पारित संशोधन अमान्य हैं, पर कोर्ट ने उनके तर्क को ठुकरा दिया।**

नयी दिल्ली, 25 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने आपातकाल के दौरान भारतीय संविधान की प्रस्तावना में "समाजवादी" और "धर्मनिरपेक्ष" शब्दों को शामिल किये जाने को चुनौती देने वाली याचिकाएं सोमवार को खारिज कर दीं। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि संबंधित रिट याचिकाओं पर आगे विचार-विमर्श और निर्णय की आवश्यकता नहीं है। पीठ ने कहा, हमने स्पष्ट किया है कि इतने वर्षों के बाद प्रक्रिया को इस तरह से निरस्त नहीं किया जा सकता। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता क्या है और इसे कैसे लागू किया जाता है, यह सरकार की नीति पर निर्भर करेगा।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुब्रमण्यम स्वामी और अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने याचिकाएँ दायर की थीं। शीर्ष अदालत ने 22 नवंबर को कहा था कि संविधान में 1976 में किए गए संशोधन में प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' शब्दों को शामिल किया गया था, जिसकी न्यायिक समीक्षा की गई थी और वह यह नहीं कह सकता कि आपातकाल के दौरान संसद ने जो कुछ भी किया, वह सब निरर्थक था। पीठ ने पहले भी कहा था कि ऐसे कई फैसले हैं, जिनमें शीर्ष अदालत ने कहा है कि धर्मनिरपेक्षता मूल ढांचे का हिस्सा है और वास्तव में इसे मूल ढांचे के रूप में अपरिवर्तनीय हिस्से का दर्जा दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि भारत में आपातकाल की घोषणा दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को की थी, जो 21 मार्च 1977 तक लागू रही। केंद्र की इंदिरा गांधी सरकार द्वारा 1976 में किए गए 42वें संविधान संशोधन के तहत संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' शब्द शामिल किए गए थे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908